हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 27.11.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 122 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

कोलकाता में 7 दिसंबर को पांच लाख लोग करेंगे सामूहिक गीता पाठ

कोलकाता : महानगर कोलकाता एक ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है। आगामी 7 दिसंबर को ब्रिगेड परेड ग्राउंड पर इस बार लगभग 5 लाख लोगों के सामूहिक गीता पाठ का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी सनातन संस्कृति संसद की ओर से रविन्द्र सदन में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में घोषणा की। इस दौरान गौरवानन्द महाराज, प्रदीप्तानन्द महाराज और निर्गुणानन्द ब्रह्मचारी उपस्थित थे। आयोजकों ने बताया कि यह विशाल कार्यक्रम 7 दिसम्बर को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होगा जिसके लिए प्रशासनिक तैयारियां तेजी से चल रही हैं। आयोजन पूरी तरह धार्मिक और सामाजिक सद्भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इसे किसी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि से नहीं जोड़ा गया है। आयोजन में बिहार, असम, ओडिशा सहित अन्य राज्यों से भी लोगों को आमंत्रित किया गया है। इसके साथ ही पड़ोसी देश नेपाल और बांग्लादेश से भी संत तथा गीता पाठ प्रेमियों को आमंत्रण भेजा गया है।

लोहरदगा से एक लाख का इनामी नक्सली गिरफ्तार

लोहरदगा : लोहरदगा, भाकपा माओवादी दस्ता सदस्य राजा हेमंत असुर उर्फ राजन असुर उर्फ राजा उर्फ राजन खेरवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सरकार की ओर से राजा के खिलाफ एक लाख का ईनाम घोषित किया गया है। उसे पुलिस ने गिरफ्तार किया। उसके पास से एक देशी कट्टा एवं गोली बरामद किया गया। एसपी सादिक अनवर रिजवी ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि राजा हेमंत असुर चंदवा थाना क्षेत्र के हेसला बांझीटोली से होकर कुडू थाना क्षेत्र के ग्राम चुल्हापानी की ओर भाकपा माओवादी संगठन के विस्तार के लिए अवैध हथियार के साथ जा रहा है। इस सूचना पर तत्काल सत्यापन एवं अग्रतर कारवाई के लिए किस्को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वेदांत शंकर के नेतृत्व में एक टीम गठन कर रात्रि में एक विशेष अभियान चलाया गया। टीम ने कुडू चंदवा मार्ग के जंगली क्षेत्र में केरवाडी शिव मंदिर के पास घेराबन्दी कर छापेमारी राजा हेमंत असुर उर्फ राजन को पकड़ा।

केन्द्र ने 7280 करोड़ की रेयर अर्थ मैग्नेट के उत्पाद को बढ़ावा देने की योजना को दी मंजूरी

एजेंसी

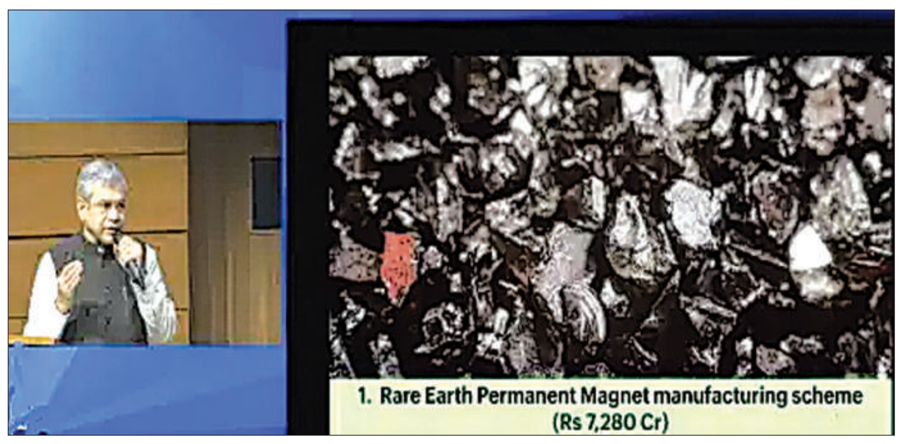

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 7280 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ 'सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट की मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की योजना' को मंजूरी दे दी। अपनी तरह की इस पहली पहल का उद्देश्य भारत में 6,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) एकीकृत दुर्लभ पृथ्वी स्थायी चुंबक (आरईपीएम) मैन्युफैक्चरिंग को स्थापित करना है, जिससे आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और भारत वैश्विक आरईपीएम बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित होगा।

आरईपीएम स्थायी चुम्बकों के सबसे मजबूत प्रकारों में से एक हैं और इलेक्ट्रिक वाहनों, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह योजना एकीकृत आरईपीएम विनिर्माण सुविधाओं के निर्माण में सहायता करेगी, जिसमें दुर्लभ मृदा ऑक्साइड को धातुओं में, धातुओं को मिश्रधातुओं में तथा मिश्रधातुओं को तैयार आरईपीएम में परिवर्तित करना शामिल है।

इलेक्ट्रिक वाहनों, नवीकरणीय ऊर्जा, औद्योगिक अनुप्रयोगों और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स की तेजी से बढ़ती मांग के कारण, भारत में आरईपीएम की खपत 2025 से बढ़कर 2030 तक दोगुनी हो जाने की उम्मीद है। वर्तमान में भारत की आरईपीएम की मांग मुख्यतः आयात के माध्यम से पूरी की जाती है। इस पहल के साथ, भारत अपनी पहली एकीकृत आरईपीएम विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करेगा, रोजगार पैदा करेगा, आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगा और 2070 तक नेट जीरो हासिल करने की राष्ट्र की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाएगा। आपको बता दें, इस योजना का कुल वित्तीय परिव्यय 7280 करोड़ रुपये है, जिसमें पांच (5) वर्षों के लिए आरईपीएम बिक्री पर 6450 करोड़ रुपए का बिक्री-लिंक्ड प्रोत्साहन और कुल 6,000 एमटीपीए आरईपीएम विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के लिए 750 करोड़ रुपये की पूंजीगत सब्सिडी शामिल है। इस योजना में वैश्विक प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से पांच लाभार्थियों को कुल क्षमता आवंटित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक लाभार्थी को 1,200 मीट्रिक टन प्रति वर्ष तक की क्षमता आवंटित की जाएगी।

योजना की कुल अवधि ठेका दिए जाने की तिथि से 7 वर्ष होगी, जिसमें एकीकृत आरईपीएम विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए 2 वर्ष की गर्भावधि तथा आरईपीएम की बिक्री पर प्रोत्साहन राशि वितरण के लिए 5 वर्ष शामिल हैं। सरकार की यह पहल घरेलू आरईपीएम मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने और वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

गुजरात और महाराष्ट्र की दो रेल परियोजनाओं को मंजूरी

केंद्र सरकार ने गुजरात में द्वारका-कानालुस रेल लाइन के दोहरीकरण और महाराष्ट्र के मुंबई में बदलापुर एवं कर्जत के बीच तीसरी एवं चौथी लाइन के निर्माण को बुधवार को मंजूरी दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में कुल 2,781 करोड़ रुपये की लागत वाली दो परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गयी। इससे देवभूमि द्वारका (ओखा)-कानालुस रेल लाइन (141 किमी) से द्वारकाधीश मंदिर तक कनेक्टिविटी बेहतर होगी और जरूरी वस्तुओं और सेवाओं आदि के परिवहन में भी सहूलियत होगी। बदलापुर-कर्जत खंड मुंबई उपनगरीय गलियारे का हिस्सा है और तीसरी एवं चौथी लाइन (32 किमी.) प्रोजेक्ट से क्षेत्र में कनेक्टिविटी में सुधार होगा। इस लाइन से दक्षिण भारत से भी कनेक्टिविटी बढ़ेगी उन्होंने बताया कि गुजरात और महाराष्ट्र राज्यों के 4 जिलों को कवर करने वाले ये दो प्रोजेक्ट भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 224 किमी तक बढ़ा देंगे। मंजूर किए गए मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट से लगभग 585 गांवों में कनेक्टिविटी बढ़ेगी, जिनकी आबादी लगभग 32 लाख है।

भारत को मिली 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी, अहमदाबाद में होंगे खेल

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारत को 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी अधिकार मिल गए हैं। गुजरात के अहमदाबाद में ये खेल कराए जाएंगे। ग्लास्गो में बुधवार को हुई राष्ट्रमंडल खेल आमसभा की बैठक के दौरान भारत को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी आधिकारिक तौर पर सौंपी गई है। 2010 के बाद यह पहला अवसर है जब भारत इन खेलों की मेजबानी करेगा। 2010 में नई दिल्ली में इन खेलों का आयोजन कराया गया था।

74 राष्ट्रमंडल सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने किया अनुमोदन

राष्ट्रमंडल खेल महासभा में 74 राष्ट्रमंडल सदस्य देशों और क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने भारत की 2030 की दावेदारी का अनुमोदन किया। बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोगों ने किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉक्टर डोनाल्ड रुकारे ने कहा, भारत राष्ट्रमंडल खेलों में पैमाना, युवा, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति और प्रासंगिकता लेकर आया है। यह राष्ट्रमंडल खेलों के लिए एक नए स्वर्ण युग की शुरूआत है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 2034 और उसके बाद के खेलों की मेजबानी के लिए कई देशों की गहरी रुचि है। हम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी अगली शताब्दी की शुरूआत सकारात्मकता के साथ कर रहे हैं।

पिछले महीने राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड ने अहमदाबाद में इन खेलों के आयोजन की सिफारिश की थी। अब ग्लास्गो में हुई आमसभा की बैठक में इसे अंतिम मंजूरी मिल गई है। अहमदाबाद के अलावा नाइजीरिया का अबुजा मेजबानी की दौड़ में शामिल था, लेकिन भारत बाजी मारने में सफल रहा। राष्ट्रमंडल खेल को 2030 में 100 साल भी पूरे होने जा रहे हैं, ऐसे में इस ऐतिहासिक मौके पर भारत में इन खेलों का आयोजन होना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

बीजापुर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, 1 करोड़ से ज्यादा के इनामी 41 माओवादियों का सरेंडर

एजेंसी

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शासन की पुनर्वास नीतियों का असर दिखने लगा है। बुधवार को बीजापुर जिले में 41 माओवादी कैडरों ने आत्मसमर्पण कर हिंसा का रास्ता त्याग दिया। इनमें 12 महिलाएं और 29 पुरुष शामिल हैं, जिन पर कुल 1 करोड़ 19 लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों में पीएलजीए बटालियन-01 के सदस्य, एरिया कमेटी पार्टी सदस्य, मिलिशिया कमांडर और साउथ सब जोनल ब्यूरो के 39 माओवादी प्रमुख हैं।

वहीं, दूसरी ओर माओवादी संगठन में एक और महत्वपूर्ण मोड़ आया है। 'अभय' नाम से पत्र जारी करने वाले वेणुगोपाल उर्फ सोनू ने पहले ही आत्मसमर्पण कर दिया था। उसके बाद भी 'अभय' नाम से पत्र जारी हो रहे हैं, जिससे सुरक्षा बलों में हड़कंप मच गया है। बस्तर के आईजी ने सभी सुरक्षा दलों को अलर्ट जारी किया है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना पुलिस से दूसरे 'अभय' की जानकारी ली जा रही है। आईजी ने चेतावनी दी, अभय के नाम से पत्र जारी करने वाले को तत्काल आत्मसमर्पण कर देना चाहिए, वरना अंजाम बुरा होगा। अभय का नाम अब खत्म हो चुका है।

बता दें नारायणपुर जिले में भी सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली थी। सोमवार को डीकेएसजेडसी के 28 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। ये सभी अबूझमाड़ के घने जंगलों में सक्रिय थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पिछले कुछ महीनों से सर्च ऑपरेशन और गश्त बढ़ाई गई थी, जिसके दबाव में नक्सली सुरक्षित ठिकानों से बाहर निकलने को मजबूर हो गए। 'पूना मारगेम' नीति ने उन्हें मुख्यधारा अपनाने के लिए प्रेरित किया। आत्मसमर्पण करने वालों को सरकारी योजनाओं के तहत पुनर्वास सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, जिसमें रोजगार प्रशिक्षण, आवास और आर्थिक सहायता शामिल है।

आईआईटीएफ 2025 के अंतिम दो दिनों में झारखंड पैवेलियन में आकर्षक छूट, खरीदारों की बढ़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारत मंडपम में आयोजित 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 के अंतिम दो दिनों में झारखंड पैवेलियन ग्राहकों के लिए आकर्षक छूट और विविध उत्पादों के कारण केंद्र बिंदु बना हुआ है। इन विशेष छूटों का उद्देश्य झारखंड के स्वदेशी उत्पादों को अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचाना और राज्य के कारीगरों, महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। आईआईटीएफ 2025 के अंतिम चरण में झारखंड पैवेलियन अपने विविध उत्पादों, आकर्षक ऑफर्स और उत्कृष्ट प्रस्तुति के कारण खरीदारों की पहली पसंद बना हुआ है।

स्टॉल पर मिल रही छूट से ग्राहकों में उत्साह

झारखंड के प्रसिद्ध करियातपुर

ब्रास ने अपने प्रीमियम पीतल उत्पादों पर विशेष छूट की घोषणा की है, जिसे ग्राहकों से उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया मिल रही है। वस्त्रों की श्रेणी में डामू बोडरा के स्टॉल पर हैंडमेड कॉटन और सिल्क सूट पर आकर्षक छूट उपलब्ध कराई जा रही है। इसी प्रकार, अनुपमा स्टॉल पर मटका सिल्क और चंदेरी कॉटन के सूट व साड़ियों पर भी विशेष छूट प्रदान की जा रही है। इन ऑफर्स के कारण पारंपरिक हस्तनिर्मित वस्त्रों की खरीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है, जिससे पैवेलियन में रौनक का माहौल बना हुआ है।

आधुनिकता और परंपरा के सुन्दर मेल, फ्यूजन ज्वेलरी स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र

आधुनिकता और परंपरा के सुन्दर मेल की तलाश करने वाले ग्राहकों के लिए फ्यूजन ज्वेलरी स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। स्टॉल संचालक धीरज जैन ने बताया कि झारखंड की पारंपरिक कला के आधुनिक स्वरूप को दर्शाती इस ज्वेलरी के प्रति ग्राहकों की भारी रुचि देखने को मिल रही है। इसके अतिरिक्त, राज्य की प्रमुख संस्था झारक्राफ्ट अपने रेशमी वस्त्रों, हथकरघा उत्पादों और हस्तशिल्प सामग्री पर छूट प्रदान कर रही है। स्थानीय बुनकरों और कारीगरों द्वारा तैयार किए गए इन उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे पैवेलियन की रौनक में और भी वृद्धि हुई है।

आईआईटीएफ के फूड कोर्ट में आगंतुकों ने झारखंड के पारंपरिक व्यंजनों दाल पीठा, रुगड़ा, चिल्का रोटी, मालपुआ, ठेकुआ, और धुस्का का भरपूर आनंद लिया। इन स्थानीय स्वादों ने लोगों का दिल जीत लिया।

उपनिवेशवादी मानसिकता छोड़कर राष्ट्रीय सोच अपनाने का मार्गदर्शक दस्तावेज है संविधान : राष्ट्रपति

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को संविधान दिवस समारोह में कहा कि संविधान उपनिवेशवादी मानसिकता छोड़कर राष्ट्रीय सोच अपनाने का मार्गदर्शक दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं ने नागरिकों के व्यक्तिगत और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा को सर्वोपरि माना। इसी के चलते आज महिलाएं, युवा, एससी, एसटी, किसान, मध्य वर्ग और नव-मध्य वर्ग लोकतंत्र को मजबूत बना रहे हैं। उन्होंने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाने को देश की बड़ी उपलब्धि बताया।

राष्ट्रपति ने संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में बुधवार को आयोजित समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री और दोनों सदनों के सदस्य शामिल हुए। इस दौरान संविधान का नौ भाषाओं मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, ओडिया और असमिया में डिजिटल संस्करण जारी किया गया। इसके अलावा संस्कृति मंत्रालय द्वारा तैयार स्मारक पुस्तिका भारत के संविधान से कला और कैलीग्राफी (हिन्दी संस्करण) का विमोचन किया गया। कार्यक्रम को लोकसभा अध्यक्ष और उपराष्ट्रपति ने संबोधित किया। इसके बाद राष्ट्रपति का अभिभाषण हुआ।

राष्ट्रपति ने कहा कि तीन तलाक से जुड़ी सामाजिक बुराई को रोक कर संसद ने बहनों और बेटियों के सशक्तीकरण की दिशा में इतिहास रचा है। उन्होंने बताया कि जीएसटी स्वतंत्रता के बाद का सबसे बड़ा कर सुधार है, जिसने आर्थिक एकीकरण को मजबूत किया। अनुच्छेद 370 की समाप्ति ने राष्ट्रीय राजनीतिक एकीकरण में आ रही बाधा को दूर किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि 2015 में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 125वीं जयंती के साल में, हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस के तौर पर मनाने का फैसला किया गया था। इस दिन पूरा देश हमारे संविधान और इसे बनाने वालों के प्रति अपना सम्मान दिखाता है। संविधान दिवस मनाने की परंपरा शुरू करने और इसे जारी रखने की पहल शब्दों से परे तारीफ के काबिल है।

उन्होंने कहा कि हमारा संविधान हमारे राष्ट्रीय गौरव का दस्तावेज है। यह हमारी राष्ट्रीय पहचान और औपनिवेशिक सोच को छोड़कर राष्ट्रवादी सोच के साथ देश को आगे बढ़ाने का मार्गदर्शक है। इसी भावना के साथ और सामाजिक तथा तकनीकी विकास को ध्यान में रखते हुए आपराधिक न्याय तंत्र से जुड़े जरूरी कानून लागू किए गए हैं। सजा के बजाय न्याय की भावना पर आधारित भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किए गए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले कुछ सालों में महिला मतदाताओं के मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी ने हमारे लोकतांत्रिक सोच को खास सामाजिक पहचान दी है। महिलाएं, युवा, गरीब, किसान, अनुसूचित जाति और जनजाति के लोग, पिछड़े तबके के लोग, मध्यम वर्ग और नया मध्यम वर्ग-पंचायत से लेकर संसद तक हमारे लोकतांत्रिक तंत्र को मजबूत कर रहे हैं।

नदी में गिरी बेकाबू कार, डूबने से सिंचाई विभाग के पांच कर्मचारियों की मौत

एजेंसी

लखीमपुर खीरी : उत्तर प्रदेश के लखीमपुर जिले में मंगलवार देर रात एक कार बेकाबू होकर शारदा नदी (सायफन) में गिर गयी। पानी में डूबने से कार सवार सिंचाई विभाग के पांच कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक को गंभीर हालत में बाहर निकाल लिया गया। इस घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक जताया और स्थानीय प्रशासन को पीड़ितों को यथासंभव मदद करने के निर्देश भी दिए।

पढ़ुआ थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने बुधवार को बताया कि सिंचाई विभाग के कर्मचारी एक कार से लखीमपुर में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस अपने तैनाती स्थल गिरजापुरी बैराज जा रहे थे। इसी दौरान गिरजापुरी बैराज से पहले ड्राइवर को झपकी आने के चलते कार नियंत्रित हो गयी और कार सीधे सायफन के गहरे पानी में जा गिरी। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने इसकी पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया। काफी प्रयास के बाद कार में सवार पांच लोगों के शव को बाहर निकाले जा सके। घायल चालक को बाहर निकालने के बाद उसे अस्पताल भेजा। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं हादसे की पूरी जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि पानी में डूबने से जितेंद्र, घनश्याम, अजीमुल्ला, लालजी और सुरेंद्र की मौत हो गई हैं। चालक बब्लू को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी मृतक सिंचाई विभाग में कर्मचारी थे। इस घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक जताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री योगी ने स्थानीय प्रशासन को घायल को बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं।

संविधान दिवस पर अंबा प्रसाद ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : संविधान दिवस पर अम्बा प्रसाद ने दिया एकता का संदेश ईस्ट गोदावरी, आंध्र प्रदेश एआईसीसी सचिव और आंध्र प्रदेश मामलों की ऑब्जर्वर अम्बा प्रसाद ने संविधान दिवस के अवसर पर ईस्ट गोदावरी (राजमुंदरी) जिले के दो विधानसभा क्षेत्र गोपालपुरम और कोव्वुरु में अपनी संगठनात्मक जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। प्रसाद ने दोनों विधानसभा क्षेत्रों में संविधान दिवस समारोह आयोजित किए।उन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।और उन्होंने उपस्थित लोगों को 26 नवंबर 1949 के ऐतिहासिक दिन की महत्ता याद दिलाई,जब भारत के संविधान को संसद द्वारा अंगीकार (स्वीकार) किया गया था। समारोह के दौरान बच्चों के साथ उनका संवाद भारतीय एकता की मिसाल बना। अम्बा प्रसाद तेलुगु में: अंदरीकी नमस्कारम (सभी को नमस्कार)-बच्चे (जवाब)-जोहार झारखंडी, बच्चों ने तेलुगु में उत्तर दिया। फिर अम्बा ने बोला हिंदी में: हम आपसे प्यार करते हैं। फिर बच्चो ने जवाब दिया -तेलुगु में: नेनु नीनू प्रेमिस्तुन्नानु (मैं आपसे प्यार करता हूँ/करती हूँ)। तत्पश्चात बच्चो ने अम्बा को फूल देकर शुभकामनाएं दिया। इस जीवंत बातचीत के माध्यम से, अम्बा प्रसाद ने भारत की खूबसूरती, एकता और अखंडता का सशक्त संदेश दिया। उन्होंने संविधान और देश की अस्मिता (गरिमा/पहचान) को बचाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संदेश को स्पष्ट रूप से जनता तक पहुँचाया।

बड़कागांव प्रखंड परिसर में संविधान दिवस का आयोजन, ली गई शपथ

बड़कागांव : प्रखंड सह अंचल कार्यालय बड़कागांव परिसर में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल एवं संचालन अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने किया शपथ ग्रहण समारोह में बड़कागांव प्रखंड सा आंचल में कार्यरत कर्मचारियों ने भाग लिया। सभी ने शपथ लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड विशेष पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल अंचल अधिकारी मनोज कुमारउपस्थित रहें।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में मनाया गया राष्ट्रीय संविधान दिवस

बरही : बरही प्रखंड के देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को राष्ट्रीय संविधान दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह की मॉर्निंग असेंबली के दौरान विद्यार्थियों तथा स्कूल के सभी शिक्षकों व कर्मचारियों को संविधान की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के मैनेजर राकेश कुमार ने कहा कि हमारा संविधान हमें वे अधिकार और कर्तव्य प्रदान करता है, जो न केवल देश के विकास में योगदान देते हैं, बल्कि हमें एक जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी देते हैं। उन्होंने संविधान से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके बाद छात्रों द्वारा संविधान विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने संविधान निर्माण, अधिकारों, कर्तव्यों और लोकतांत्रिक मूल्यों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रतियोगिता तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता में भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस अवसर पर स्कूल के एक्टिविटी इंचार्ज शुभा पांडेय और अमरजीत सर सहित समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

चलकुशा में संविधान दिवस पर दोहराई गई प्रस्तावना, संविधान संरक्षण का संकल्प

चलकुशा : चलकुशा (हजारीबाग)प्रखंड अंतर्गत अलगडीहा पंचायत भवन में संविधान दिवस पर संविधान की प्रस्तावना को याद दिलाई गई और इसकी रक्षा तथा पालन के लिए शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम का आरम्भ भारतीय संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन के साथ हुआ, जिसकी बीडीओ अमृता सिंह व संचालन सीओ नवीन भुषण कुल्लू ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जीप सदस्य सविता सिंह मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह उप प्रमुख शमशेर आलम मुखिया अंजना देवी मौजूद थे। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि संविधान के प्रति निष्ठा और संवैधानिक मूल्यों की सुरक्षा भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताओं, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्य तथा लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाने एवं लोकतांत्रिक मूल्यों, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे आदर्श को अपने जीवन में अपनाएं यही संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी।

एक नजर

झारखंड कॉलेज में संविधान दिवस धूमधाम से मनाई गई

बड़कागांव : झारखण्ड कॉलेज बड़कागांव में प्राचार्य बिनोद यादव की अध्यक्षता मे संविधान दिवस मनाई गई। मुख्य अतिथि कांग्रेस प्रखंड कमिटी के अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे एवं आगंतुक अतिथियों के द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया गया। कार्यक्रम शुभारंभ किया गया। छात्रों ने अपनी सम्बोधन मे कहा न्याय, समानता, और मौलिक अधिकार जो हमें मिली है, यह सब डॉ अम्बेडकर एवं संबिधान सभा की द्वार आज के हीं दिन 26नवम्बर 1949 को संविधान अंगिकृत हुवी थी। हम सभी भारतीय गर्व से संविधान दिवस मानते है और मानते रहेंगे। इस कार्यक्रम मे मुख्य रूप प्रो शमशेर अंसारी, बेलाल सागीर, रंजीत कुमार, सूरज कुमार दास, मो मोदसर, नेहा कुमारी, आनंद कुमार, सरस्वती कुमारी, सोनी मिर्ध पूजा कुमारी मनीष कुमारी के अलावे सैकड़ो छात्र छात्रायों ने बारी बारी से अपनी बातो को रखा।

एनएमएल पकरी-बरवाडीह कोल माइनिंग प्रोजेक्ट में मनाया गया संविधान दिवस

बड़कागांव : एनएमएल पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग प्रोजेक्ट में आज संविधान दिवस का आयोजन प्रशासनिक भवन स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। इस कार्यक्रम में परियोजना के सभी विभागाध्यक्षों एवं कर्मचारियों ने काफी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी कर्मचारियों एवं विभागीय प्रमुखों को भारत के संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई।शपथ का संकल्प परियोजना प्रमुख सुब्रत कुमार दास तथा जीएम (इन्फ्रा) पवन कुमार रावत द्वारा दिलाया गया।इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने संविधान में निहित मूल्यों – स्वतंत्रता, समानता, बंधुता एवं न्याय – के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता बनाए रखने के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों में संवैधानिक भावना को सुदृढ़ करना तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान के संकल्प को और मजबूत करना था।

संविधान के आदर्शो को जीवन में उतारना ही संविधान दिवस की संदेश : डॉ बिमल किशोर

बरही : आरएनवाईएम कॉलेज बरही में बुधवार को भारतीय संविधान की प्रस्तावना विषय पर विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता के आदर्शों की समझ विकसित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य डॉ बिमल किशोर का स्वागत भाषण से हुई। राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसरों ने प्रस्तावना को संविधान की आत्मा और मार्गदर्शक सिद्धांत बताते हुए समझाया कि यह भारत को संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और गणराज्य के रूप में परिभाषित करती है। एनसीसी एवं एनएसएस के साथ-साथ महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। इसके बाद संविधान पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने उत्कृष्ट ज्ञान का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य ने कहा कि कॉलेज का उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि ऐसे जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है जो संविधान के आदर्शों को अपने जीवन में उतार सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मियों ने भी शपथ ग्रहण कार्यक्रम में भाग लिया।

भारत के संविधान को बचाना सभी भारतवासियों की जिम्मेवारी : जेपी पटेल

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में संविधान बचाओ दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पश्चात डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक स्थित डॉ.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व मंत्री सह जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने कहा कि कैबिनेट मिशन योजना में भारतीय संविधान के निर्माण हेतु परोक्ष निर्वाचन के आधार पर एक संविधान सभा के निर्माण का सुझाव दिया था। इस योजना के अनुसार चुनाव हुए और संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन 09 दिसम्बर 1946 को डॉ. सच्चिदानंद की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। 11 दिसम्बर 1946 को हुई सभा की बैठक में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को इसका स्थाई अध्यक्ष नियुक्त किया गया। संविधान का प्रारूप पर विचार करने के लिए प्रारूप समिति बनाई गई जिसके सभापति डॉ.भीमराव अंबेडकर थे। मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार प्रदेश महासचिव बिनोद सिंह शशि मोहन सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष आबिद अंसारी, विजय कुमार यादव, अवधेश कुमार सिंह, शैलेन्द्र कुमार यादव, जिला मीडिया अध्यक्ष निसार खान महिला नेत्री बेबी देवी, अतिरिक्त सैकड़ो कांग्रेसी उपस्थित थे।

संविधान बचाओ दिवस पर रेवाली पासवान सहित वरिष्ठ नेताओं ने संविधान संरक्षण का संकल्प दोहराया

चौपारण : पुराने विधानसभा सभागार में 26 नवंबर 2025 को संविधान बचाओ दिवस का भव्य आयोजन बड़े उत्साह और ऊर्जा के साथ किया गया। कार्यक्रम में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, लोहरदगा विधायक रामेश्वर राउत, काके विधायक सुरेश कुमार, रांची के पूर्व सांसद सुबोध कांत सहाय, झारखंड कांग्रेस एससी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष केदार पासवान सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। इस अवसर पर हजारीबाग कांग्रेस एससी विभाग के कार्यकारी जिला अध्यक्ष रेवाली पासवान भी विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और समानता का मजबूत आधार है, और इसे बचाना हम सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों और मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव एकजुट रहें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवी, बुद्धिजीवी और पार्टी कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

जेवरात लूटकांड का एक और आरोपी गिरफ्तार, दो अपाची बाइक बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही थाना पुलिस ने पिछले दिनों बरही चौक स्थित जय माता दी ज्वेलर्स में जेवरात लुट कांड में एक और अभियुक्त सहित लुट कांड में प्रयुक्त दो अपाची बाइक को पकड़ने में सफलता पाई। इस संबंध में वरीय बरही एसडीपीओ अजित कुमार विमल ने बरही थाना परिसर में प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले 16 नवंबर को बरही चौक स्थित जय माता दी ज्वेलर्स के संचालक चांदी एवं सोना के आभूषण को चार बैग में भरकर अपनी कार में रख रहे थे। इसी दौरान दो बाइक में सवार चार अपराधकर्मियों के द्वारा फायरिंग करते हुए कार का शीशा तोड़कर आभूषण से भरे बैग को लूट कर भाग जाने की घटना घटित हुई थी। इस संदर्भ में दुकान संचालक सुरेन्द्र कुमार के द्वारा बरही थाना में दिये गये आवेदन के आधार विभिन्न धाराओं के तहत चार अज्ञात हमलावरों के विरुद्ध बरही थाना काण्ड संख्या 439/25 का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने गंभीर मामला को देखते हुए काण्ड का यथाशीघ्र उदभेदन करने के उद्देश्य से बरही एसडीपीओ अजित कुमार विमल के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया। गठित एसआईटी द्वारा पूर्व में काण्ड में लूटे गये जेवरात, प्रयुक्त स्कॉरपियो वाहन, आग्नेयास्त्र, कारतूस तथा तीन अपराधकर्मियों को 24 घंटे के अंदर ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि अनुसंधान जारी रखते हुए एसआईटी को 25 नवंबर के संध्या सूचना प्राप्त हुई कि काण्ड के एक अपराधकर्मी बरही टोल प्लाजा होते हुए चौपारण की तरफ जा रहे है। जिस सूचना पर एसआईटी द्वारा छापामारी कर एक अपराधकर्मी टोलू उर्फ अभिषेक सिंह उम्र करीब 20 वर्ष पिता मुरारी सिंह सा पड़रिया थाना-धनगाई जिला-गया बिहार निवासी को गिरफ्तार करने में सफल हुई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधकर्मी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो अपाची मोटरसाइकिल को बरही थाना क्षेत्रान्तर्गत घियाही जंगल के पुटुस के झाड़ियो के बीच से बरामद किया गया।

करियातपुर में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन, 133 मरीजों की हुई जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

इचाक : आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत इचाक प्रखंड के करियातपुर पंचायत में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 133 मरीजों की जांच कर इलाज किया गया। इसके अलावा नेत्र जांच 19, टीबी जांच 22 मरीजों की गई। इसमें 12 मरीज को रेफर किया गया। 54 लोगों की आभा कार्ड बनाया गया। एनसीडी 12, मधुमेह 42, ए एन सी 4,0 मलेरिया स्लाइड 23 लोगों को लिया गया। इस अवसर पर डॉक्टर्स द्वारा उचित परामर्श के साथ दवाएं भी दी गई। शिविर को सफल सीएचओ पार्थव घोषाल, एएनएम पिंकी कुमारी, गिरिजा कुमारी, निर्मला सिंहा, सुनीता कुमारी, एमपीडब्ल्यू नीलकंठ कुमार, सहिया साथी यशोदा देवी, सहिया सरिता, कुंती, मंत्री, तनुजा, एवं चिंता देवी का अहम योगदान रहा।

पेलावल विकास मंच का 15 वां रक्तदान शिविर संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पेलावल विकास मंच का 15 वां रक्तदान शिविर 25 वें झारखंड स्थापना दिवस एवं पीवीएम के नियमित रक्तदाता मो मुश्ताक की पुत्री हुमायरा नाज के प्रथम जन्म दिन के शुभ अवसर पर दो चरणों में संपन्न हुआ। प्रथम चरण प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक सदर अस्पताल रेडियोलॉजी विभाग में शिविर का आयोजन हुआ। दूसरे चरण में संध्या 6 बजे से 7 बजे तक एसबीएमसीएच ब्लड बैंक में शिविर का समापन हुआ। शिविर का शुभारंभ मो.मुश्ताक पेलावल उत्तरी के द्वारा रक्तदान कर किया गया तथा समापन टीपू सुल्तान मटवारी, बाबूगांव ने रक्तदान कर किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंच के संरक्षक डॉ. एके मेहता, मंच के संरक्षक सह प्रोफेसर श्रवण कुमार सहाय मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि में एसबीएमसीएच ब्लड बैंक प्रभारी डॉ.नीरज समाजसेवी प्रशांत कुमार वर्मा थे। उल्लेखनीय है कि इस शिविर में तीन महिलाएं फरजाना परवीन, मीरा देवी एवं रेहनाज परवीन ने भी रक्तदान कर थैलेसिमिया पीड़ित बच्चों के लिए मिसाल कायम की। शिविर में कुल 20 रक्तदाताओं ने थैलेसिमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान कर इंसानियत का सटीक परिचय दिए। रक्तदाताओं में मो समर रजा,देवेंद्र कुमार प्रजापति, मो माशूक,मो आशिक, मो फजल, सोनू शहजाद, एजाज खान, फिरोज आलम, मेहताब अंसारी, संटू कुमार, आशीष कुमार, सूरज कुमार,सुरजीत नागवाला,विनय कुमार एवं महेश प्रजापति को प्रशस्ति पत्र सौंप कर उन्हें सम्मानित किया गया। रक्तदाताओं की हौसला अफजाई करने एवं स्वयं रक्तदान करने व कराने की नियत से सुरजीत नागवाला ने अपने साथियों समेत शिविर में उपस्थिति दर्ज कराई । हेल्पिंग इंडिया ट्रस्ट के मो शाहिद हुसैन वारसी इस शिविर में पूरा सहयोग किया तथा गत दिनों से रक्तदाताओं को प्रेरित करने में लगे रहे और शिविर में शुरू से आखिर तक उपस्थित रहे। शिविर में एसबीएमसीएच ब्लड बैंक के लैब टेक्नीशियन शमशाद हुसैन, मधु कुमारी आदि का सहयोग रहा। इस शिविर को सफल बनाने में मंच के एम. हक भारती,चंद्रशेखर शर्मा,आसिफ अली उर्फ बंटी, अल्ताफ रजा एवं इंजमामुल हक भारती ने अपनी अहम भूमिका निभाई।

गौरियाकर्मा एवं केदारूत पंचायत में लगा स्वास्थ्य जांच शिविर, 318 की हुई जांच

बरही : आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत अनुमंडलीय अस्पताल बरही की ओर से लगातार अलग अलग पंचायत में निर्धारित तिथि के अनुसार स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी के निर्देशन में किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को गोरिया कर्मा एवं केदारूत पंचायत में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। गौरियाकर्मा में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में कुल 194 मरीजों का जांच कर इलाज किया गया। वही केदारूत पंचायत में कुल 114 मरीजों की इलाज किया गया। साथ ही नि:शुल्क दवा भी दी गई। शिविर में खुद डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी ने मरीजों का इलाज की और उचित परामर्श दिए। इसके अलावा कई लोगों को नेत्र जांच, टीबी जांच एनसीडी आयुष्मान कार्ड, मलेरिया स्लाइड सिक्वल सेल , आभा कार्ड , कुष्ठ जांच भी की गई। शिविर को सफल बनाने में डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी, डॉ राजीव चंदन, डॉ अंकुर विहान, सुलेखा कुमारी, संजू शर्मा, मेनका कुमारी,सुमन कुमारी, कुलदीप कुमार, मो शाहिद, मो एजाज, गीता कुमारी सहित संबंधित पंचायत के सहिया एवं सहिया साथी का योगदान रहा।

संक्षिप्त खबरें

अलगडीहा पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का हुआ आयोजन

चलकुशा : प्रखंड के पंचायत अलगडीहा में बुधवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिप सदस्य सविता सिंह बीडीओ अमृता सिंह सीओ नवीन भुषण कुल्लू मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह, मुखिया रामजीत रजक एवं अन्य जनप्रतिनिधि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प माला अर्पित कर किया। इस दौरान विधवा पेंशन, जन्म, मृत्यु प्रमाणपत्र, दाखिल खारिज, राशन कार्ड एवं अन्य सम्बंधित आवेदन प्राप्त किया गया। शिविर में झारखंड सरकार के कल्याणकारी योजना के तहत साड़ी-धोती, एवं पेंशन संबंधी प्रशस्ति पत्र का वितरण किया गया।

तलसवार पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम, भारी संख्या में उमड़े लोग

बड़कागांव : बड़कागांव में बुधवार को प्रखंड के तीन अलग-अलग पंचायत में झारखंड सरकार के द्वारा संचालित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़कागांव प्रखंड के तलशवार पंचायत, डाड़ीकला एवं गोंदलपुरा पंचायत भवन में शिविर का आयोजन किया गया। तलसवार पंचायत में 1137 आवेदन, डाड़ीकला पंचायत में 864 आवेदन , एवं गोंदलपुरा पंचायत में 737 आवेदन प्राप्त हुए। तीनों पंचायत में कुल 2738 आवेदन जमा हुए। जिसमें कई मामलों का निपटारा शिविर में ही किया गया। तलसवार पंचायत में मुखिया गीता देवी की अध्यक्षता में शिविर लगाया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि डीएलओ निर्भय कुमार व विशिष्ट प्रमुख फुलवा देवी, अतिथि बीडीओ जितेंद्र कुमार, अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। कई विभाग के द्वारा स्टॉल लगाए गए। इस दौरान कई लोगों की समस्याओं का निष्पादन शिविर में हीं कर दिया गया। इस दौरान अधिकारियों ने स्टॉल का निरीक्षण किया गया। बच्चों के बीच गर्म वस्त्र परिसंपत्तियों का भी वितरण किया। मईया सम्मान योजना, अबुवा आवास, प्रधानमंत्री आवास, मत्स्य पालन, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, जाति, आवासीय, पेंशन योजना के अलावा अन्य योजना को लेकर स्टॉल लगाए गए थे। गोंदलपूरा में बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल की अध्यक्षता एवं नोडल पदाधिकारी आशिष पासवान, गोंदलपूरा पंचायत मुखिया वासुदेव यादव, डाड़ीकला पंचायत में नोडल पदाधिकारी भास्कर राज एवं मुखिया इलियास अंसारी के नेतृत्व में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं अबुआ एवं मईया सम्मान योजना का पोर्टल अब तक खुला नहीं, लोग परेशान नजर आए। ऑफलाइन आवेदन जमा किए गए। अलग-अलग पंचायत में शामिल होने वाले पदाधिकारी एवं कर्मियों में मुख्य रूप से नोडल पदाधिकारी आशीष कुमार, दीपक कुमार, मुखिया प्रतिनिधि संजय महतो महतो, अरुण पासवान, अंनत कुशवाहा, मनीष पाठक, कृष्ण कुमार, सचिन कुमार, नरेंद्र महतो व अन्य शामिल थे।

लि ओरिजिन किड्स प्ले स्कूल में नए सत्र के लिए नमांकन शुरू

बरही : बरही प्रखंड के करियातपुर स्थित लि ओरिजिन प्ले स्कूल में नए सत्र 2026-27 के नमांकन शुरू हो गया है। इस सम्बंध में विद्यालय के निदेशक राहुल प्रजापति ने बताया कि बेहतर शिक्षा के लिए लि ओरिजिन प्ले स्कूल शिक्षा के क्षेत्र के लिए सर्वोत्तम संस्थान है जहां अनुभवी शिक्षकों द्वारा बच्चों को बेसिक शिक्षा दी जाती है। उन्होंने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संस्कार और राष्ट्रीय मूल्यों के साथ सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को समय पर नामांकन करने की अपील किया ताकि वे आगामी सत्र में शिक्षा का पूर्ण लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि लि ओरिजिन किड्स प्ले स्कूल में नए सत्र के लिए नामांकन शुरू हो गए हैं इसके लिए अभिभावक अधिक जानकारी के लिए स्कूल से संपर्क कर सकते हैं।

ग्राम सरैया में संविधान दिवस पर बच्चों में संविधान पुस्तक और कलम का किया गया वितरण

पदमा : ग्राम सरैया में बुधवार को संविधान दिवस के शुभ अवसर पर एक प्रेरणादायक और भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर को श्रद्धा सुमन अर्पित करने और भारतीय संविधान की महत्ता को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ की गई। इसके उपरांत, सभा को संविधान की प्रस्तावना (ढवीं ी) के पाठ के साथ विधिवत रूप से प्रारंभ किया गया, जिसने पूरे वातावरण को संवैधानिक मूल्यों से ओत-प्रोत कर दिया। इस महत्वपूर्ण आयोजन की अध्यक्षता विजय कुमार (शिक्षक) ने की। कार्यक्रम के सफल संचालन में सचिव रवींद्र रविदास ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह में गाँव के कई गणमान्य व्यक्तियों और बुद्धिजीवियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई: आयोजक: कपूर रविदास, प्रदीप रविदास, किशोर कुमार दास, सुरेंद्र, महेंद्र, संतोष, दीपक, उमेश, मिथुन मेहता, सुबोध कुमार दास, सिकंदर कुमार। सेवानिवृत्त शिक्षक: जागो रविदास। अन्य गणमान्य: राजू रविदास, सुरेश रविदास, देवकी रविदास, मथुरी रविदास, भीम कुमार दास, अवध कुमार दास। अन्य गाँव से भागीदारी: केवला ग्राम से: अशोक रविदास (शिक्षक), दिलीप कुमार दास। दोनयखुर्द से: राजकुमार दास। आरार से: प्रकाश पासवान, चंदेश्वर पासवान, प्रदीप रविदास। इनके अलावा, बड़ी संख्या में महिलाएं एवं बच्चे भी कार्यक्रम में शामिल हुए, जो आयोजन के प्रति सामुदायिक उत्साह को दर्शाता है।

झारखंड की धरती क्षमता, सपनों और संघर्ष की धरती है : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज आर.टी.सी. इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, आनंदी, ओरमांझी के 18वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह अवसर केवल उत्सव का नहीं, बल्कि आत्ममंथन, संकल्प और भविष्य की योजनाओं पर विचार का भी है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि हर्ष है कि वर्ष 2008 में पूर्व लोकसभा सांसद राम टहल चौधरी जी के मार्गदर्शन में स्थापित यह संस्थान राज्य की उच्च एवं तकनीकी शिक्षा की दिशा में एक सशक्त स्तंभ की ओर अग्रसर है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आर.टी.सी. इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, झारखंड

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के अंतर्गत NAAC मान्यता प्राप्त करने वाला पहला निजी संस्थान है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखंड की धरती क्षमता, सपनों और संघर्ष की धरती है। प्राकृतिक संसाधनों के साथ-साथ यहाँ की असली शक्ति हमारे युवा हैं, जिनमें आगे बढ़ने की असीम ऊर्जा और नवाचार की अपार सम्भावनाएं हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस संस्थान के विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से समाज और राज्य के विकास को नई दिशा देंगे। राज्यपाल महोदय ने कहा कि स्थापना दिवस केवल संस्थान की यात्रा का उत्सव नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सपनों और उपलब्धियों का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों को उद्योग, स्टार्टअप तथा अनुसंधान के क्षेत्रों में आगे बढ़कर देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप, डिजिटल तकनीक, हरित ऊर्जा, रक्षा निर्माण और अंतरिक्ष विज्ञान जैसे क्षेत्रों में देश नई ऊंचाइयां छू रहा है। आज का युवा केवल 'जॉब सीकर' नहीं, बल्कि 'जॉब क्रिएटर' बनकर देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्यपाल महोदय ने शिक्षकों से कहा कि शिक्षक किसी भी शिक्षण संस्थान की आत्मा होते हैं और यह आवश्यक है कि वे विद्यार्थियों में जिज्ञासा, नैतिकता, नवाचार और जिम्मेदारी की भावना का विकास करें। उन्होंने संस्थान से आह्वान किया कि वह स्थानीय उद्योगों, MSMES, खनन, कृषि-प्रौद्योगिकी, आईटी और रोजगार उन्मुख क्षेत्रों के साथ मजबूत साझेदारियाँ बनाए, ताकि विद्यार्थियों को उद्योग-आधारित ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सके। उन्होंने आशा व्यक्त की कि RTC Institute of Technology के विद्यार्थी भविष्य में आधारभूत संरचना, ऊर्जा, खनन, डिजिटल सेवाओं और उद्यमिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देंगे।

झारखंड होमगार्ड घोटाले में कार्रवाई, चार अधिकारी कार्यमुक्त, बर्खास्त कमांडर के आरोपों ने बढ़ाई हलचल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड होमगार्ड विभाग में बर्खास्त कंपनी कमांडर कैलाश प्रसाद यादव द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। इस प्रकरण का संज्ञान लेते हुए होमगार्ड महानिदेशक एम.एस. भाटिया ने आरोपी चार अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर दिया है और उनसे स्पष्टीकरण तलब किया है। स्पष्टीकरण के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। कार्यमुक्त अधिकारियों में अनुज कुमार , सूरज प्रकाश सिंह ,दीपक पुंज और संजय सिंह शामिल हैं।

सोशल मीडिया पर आरोपों के बाद कार्रवाई

होमगार्ड विभाग ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली कि बर्खास्त कमांडर कैलाश प्रसाद यादव ने भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि विभाग में तैनात इन अधिकारियों को उन्होंने करोड़ों रुपये की फर्जी भर्ती और नियुक्तियों को छुपाने के एवज में आठ लाख रुपये की मांग की गई थी। इसके बाद विभाग ने तुरंत संज्ञान लेते हुए सभी आरोपित अधिकारियों को पद से मुक्त कर दिया।

अवैध कोयला कारोबार पर बाबूलाल मरांडी का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में बड़े पैमाने पर चल रहे अवैध कोयला कारोबार को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने दावा किया कि अवैध खनन में प्रशासन, पुलिस और मुख्यमंत्री आवास तक की मिलीभगत है। मरांडी ने कहा कि पहले अवैध कोयला कारोबार में केवल कोयला माफिया और स्थानीय स्तर के लोगों की संलिप्तता होती थी, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। उनके मुताबिक अब पुलिस और कोयला माफिया साझेदारी में काम कर रहे हैं और इस अवैध व्यापार को संगठित ढंग से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धनबाद क्षेत्र में निरसा, बाघमारा और झरिया में 20-25 थानों के दायरे में लगभग 30-40 जगहों से अवैध कोयला निकाला जा रहा है। मरांडी के अनुसार चर्चा है कि कोयला साइट लेने के लिए मुख्यमंत्री आवास से अनुमति जरूरी होती है और ऐसे अनुमोदन के बाद एक करोड़ रुपये एडवांस के रूप में वसूले जाते हैं। नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि प्रतिदिन 150-200 ट्रक कोयला अवैध रूप से निकाला जाता है और प्रति टन 8 से 10 हजार रुपये का लेनदेन होता है। इस पूरे नेटवर्क में मुख्यमंत्री आवास 'महाराजा', एसएसपी 'प्रधान सेनापति' और डीसी 'महामंत्री' की भूमिका में होते हैं, जबकि थाना प्रभारी से लेकर डीएसपी, एसडीओ, ग्रामीण एसपी और खनन विभाग के अधिकारियों तक का हिस्सा तय है।

संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और लोकतंत्र की आत्मा है : शिल्पी तिर्की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बुधवार को पशुपालन निदेशालय में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पठन किया। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर और भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हुई। समारोह को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि भारत का संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता और लोकतंत्र की आत्मा है। उन्होंने कहा कि संविधान हमें अधिकारों के साथ कर्तव्यों के निर्वहन का संदेश देता है।

सरकारी योजनाएं जनता के द्वार तक पहुंच रहीं : मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

रांची: झारखंड की कृषि, पशुपालन और सहकारिता मंत्री ने शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार एक बार फिर योजनाओं का लाभ सीधे ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम इसका प्रमुख उदाहरण है, जिसने जनता का सरकार पर विश्वास मजबूत किया है। कृषि मंत्री बुधवार को मांडर विधानसभा क्षेत्र के चान्हो प्रखंड अंतर्गत टांगर और लुंडरी पंचायत भवन में आयोजित शिविर में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अधिकारी सरकार और जनता के बीच मजबूत कड़ी बनकर काम कर रहे हैं, जिससे योजनाओं का लाभ तेजी से पात्र लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार की इस पहल से विरोधियों की परेशानियां बढ़ गई हैं और वे भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं।

छात्रवृत्ति में देरी पर आदिवासी छात्र संगठन ने दी राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में ई-कल्याण योजना के तहत छात्रवृत्ति भुगतान में एक वर्ष से हो रही देरी के खिलाफ आदिवासी छात्र संघ ने राज्य सरकार पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। बुधवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय परिसर स्थित जैकब हॉल में आयोजित बैठक में संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा। संगठन के अध्यक्ष विवेक तिर्की ने कहा कि छात्रवृत्ति का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर आदिवासी और पिछड़े वर्ग के छात्रों की मदद करना है, लेकिन देरी से हजारों छात्र आर्थिक संकट में हैं और पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि समस्या जल्द हल नहीं हुई तो छात्र सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। एसीएस के सचिव अमित टोप्पो ने बताया कि छात्र फीस जमा करने, फॉर्म भरने और हॉस्टल खर्च के लिए छात्रवृत्ति राशि की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिससे उनकी शिक्षा बाधित हो रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार इस मुद्दे का स्थायी समाधान करे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि डीएसपीएमयू में स्थायी कुलपति की नियुक्ति की मांग को लेकर राज्यपाल को पत्र भेजा जाएगा। साथ ही 28 नवंबर से सदस्यता अभियान चलाया जाएगा और निकट भविष्य में संगठन की ओर से पिकनिक का आयोजन किया जाएगा। बैठक में कोषाध्यक्ष नितेश टोप्पो, उप कोषाध्यक्ष पायल बांडो, मनीष मिंज, सृष्टि तिर्की, गुड़िया रानी कुजूर, राहुल उरांव, आयुष मुंडा, सीताराम उरांव सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

सीसीएल मुख्यालय में 76वां संविधान दिवस राष्ट्रीय गौरव, एकता और सम्मान के साथ मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में 76वाँ संविधान दिवस राष्ट्रीय सम्मान, गर्व और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भारत के संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह, निदेशक पवन कुमार मिश्रा, निदेशक हर्ष नाथ मिश्र, मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं कर्मिगण उपस्थित रहे। पुष्पांजलि के पश्चात कोल इंडिया कॉर्पोरेट गीत प्रस्तुत किया गया तथा सीएमडी, निदेशकगण और सीवीओ को स्मृति-चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ जीएम वि.पी जोबी के

स्वागत भाषण से हुआ, जिसमें उन्होंने संविधान दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही सेवा-संबंधी केस लॉ पर आधारित E-Journal-का भी शुभारंभ किया गया। सीएमडी, सीसीएल निलेंदु कुमार सिंह ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया और कहा कि भारत का संविधान जनता के अधिकारों का सुदृढ़ ढाँचा है। उन्होंने 'हम' की भावना, परस्पर सम्मान एवं राष्ट्र निर्माण में सामूहिक योगदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत प्रबलता से आगे बढ़ रहा है और सीसीएल अपने दायित्वों को ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ निभाता रहेगा। निदेशक पवन कुमार मिश्रा ने E-Journal की सराहना की और कहा कि संविधान का मूल सार न्याय, स्वतंत्रता और समानता में निहित है। उन्होंने इन मूल्यों को कार्य संस्कृति और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। निदेशक हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है। उन्होंने 'न्याय में विलंब, न्याय का निषेध है' कहते हुए संवैधानिक मूल्यों के प्रभावी पालन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहाँ संविधान को केवल पढ़ा नहीं जाता, बल्कि जिया जाता है, और यही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। सीवीओ, सीसीएल पंकज कुमार ने अपने संबोधन में संविधान की महत्ता, लोकतंत्र की संरचना तथा जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए बनाए गए कानूनों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने संविधान के चार स्तंभों "न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व" के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि बच्चों को संविधान की मूलभूत समझ देना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने इसे राष्ट्र के लिए गर्व की बात बताया। वंदे मातरम् गीत की 150वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में सामूहिक वंदे मातरम् का भावपूर्ण गायन किया गया। इसके साथ ही संविधान आधारित क्विज प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ गरिमापूर्ण तरीके से किया गया।

एक नजर

झारखंड में बढ़ी ठंड, रांची में न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री पर पहुंचा

रांची: झारखंड में ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। राजधानी रांची समेत सभी 24 जिलों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। बुधवार को रांची में न्यूनतम तापमान दो डिग्री की गिरावट के साथ 11.1 डिग्री से घटकर 9.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। वहीं जमशेदपुर में तापमान 13.5 से गिरकर 11.6 डिग्री, डालटेनगंज में 10.2 से घटकर 8.2 डिग्री, बोकारो में 13.8 से घटकर 9.1 डिग्री और चाईबासा में 13.8 से कम होकर 11.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में दिनभर पछुआ हवाएं चलने से ठंड और बढ़ गई। सर्द हवा और कनकनी के कारण लोग सुबह से स्वेटर, जैकेट, मफलर, टोपी और ग्लब्स पहनकर बाहर निकले। वहीं ठंड के कारण बच्चों को स्कूल जाने में भी परेशानी हुई। पिछले 24 घंटों में राज्य में सबसे कम तापमान खूंटी में 6.8 डिग्री सेल्सियस और सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 28.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 23.6 डिग्री, जमशेदपुर में 28.2 डिग्री, डालटेनगंज में 28.4 डिग्री, बोकारो में 24.5 डिग्री और चाईबासा में 28.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

डोरंडा कॉलेज बम विस्फोट की घटना निंदनीय : अजय राय

रांची: झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने राजधानी रांची स्थित डोरंडा कॉलेज परिसर में बीते मंगलवार दोपहर हुए बम विस्फोट की घटना की कड़ी निंदा की है। बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि डोरंडा कॉलेज जैसा प्रतिष्ठित और संवेदनशील शैक्षणिक संस्थान अगर इस प्रकार की घटना का केंद्र बनता है, तो यह न केवल छात्रों की सुरक्षा पर सवाल उठाता है, बल्कि प्रदेश की संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधन की गंभीर विफलता को भी दशार्ता है। उन्होंने घटना की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार से इस मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का गठन कर निष्पक्ष जांच करा ने की मांग की। अजय राय ने कहा कि सौभाग्य से विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन यह घटना बच्चों की सुरक्षा के साथ सीधा खिलवाड़ है। उन्होंने प्रशासन से दोषियों की पहचान कर उन्हें शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं छात्रों और अभिभावकों में भय और असुरक्षा की भावना उत्पन्न करती हैं।

रांची नगर निगम ने दो होटलों का बैंक खाता फ्रीज करने की प्रक्रिया शुरू की

रांची: रांची नगर निगम की राजस्व शाखा ने होल्डिंग टैक्स नहीं भरने वाले दो प्रतिष्ठानों- होटल रेडियंट और ए-वन गेस्ट हाउस के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। निगम द्वारा बताया गया कि 11 दिसंबर 2024 को झारखंड नगरपालिका संपत्तिकर निर्धारण एवं वसूली नियमों के तहत दोनों संस्थानों को नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद 12 दिसंबर 2024 को दोनों धृतियों की मापी की गई और डिमांड की सुलभ प्रति भी अस्थायी धारकों को सौंप दी गई थी। इसके बावजूद दोनों द्वारा निगम कार्यालय में कोई भुगतान नहीं किया गया। अब निगम की सख्ती होल्डिंग टैक्स नहीं चुकाने पर नगर निगम ने झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 184 (ड़) के तहत दोनों धृतिधारकों के बैंक खाते और वित्तीय दस्तावेज फ्रीज करने के लिए लीड डेवलपमेंट मैनेजर को पत्र भेज दिया है।

संक्षिप्त खबरें

रांची में नई श्रम संहिता के खिलाफ सीटू का प्रदर्शन, पुतला दहन कर सरकार पर बोला हमला

रांची: झारखंड की राजधानी रांची में बुधवार को हटिया मजदूर यूनियन (सीटू) की ओर से एचईसी मुख्यालय के समक्ष केंद्र सरकार की नई श्रम संहिताओं के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने श्रम संहिताओं को मजदूर विरोधी बताते हुए सरकार का पुतला दहन किया और श्रम कानून वापस लेने की मांग उठाई। धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने किया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई चारों श्रम संहिताएं मजदूरों के अधिकारों को समाप्त करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि सरकार व भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) इन्हें सुधार बता रहे हैं, जबकि हकीकत में ये कॉरपोरेट और ठेकेदार व्यवस्था को बढ़ावा देने वाला कदम हैं। भवन सिंह ने कहा कि नई संहिता से पूर्व लागू न्यूनतम मजदूरी, बोनस, ग्रेच्युटी, समान वेतन और वेतन भुगतान कानून कमजोर हो गए हैं। उन्होंने बताया कि 50 से कम कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों पर अधिकांश प्रावधान लागू नहीं होंगे और मालिक अपनी मनमानी कर सकेंगे। वहीं 300 कर्मचारी वाले संस्थान बिना सरकारी अनुमति के छंटनी, तालाबंदी और लॉकआउट कर सकेंगे, जो चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि फिक्स्ड टर्म रोजगार व्यवस्था के लागू होने से स्थायी नौकरियां खत्म हो जाएंगी और 11 महीने के अनुबंध के कारण मजदूरों को ग्रेच्युटी से वंचित होना पड़ेगा। हड़ताल करने या दूसरों को प्रेरित करने पर कठोर सजा का प्रावधान भी किया गया है। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में मजदूर, यूनियन पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में मजदूर अधिकारों की रक्षा और श्रम संहिताओं को वापस लेने की मांग की।

पुलिस मुख्यालय में "संविधान दिवस" के अवसर पर संविधान की प्रस्तावना का किया गया पठन

रांची : बुधवार को पुलिस मुख्यालय में "संविधान दिवस" के अवसर पर पटेल मयूर कनैयालाल, पुलिस महानिरीक्षक, प्रोवि०, झारखण्ड द्वारा संविधान की प्रस्तावना का पठन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस मुख्यालय के सभी वरीय पदाधिकारी/पुलिसकर्मी को भारतीय संविधान के उद्देशिका 'हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई० को एतद्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते है की शपथ दिलाई गई।

26/11 आतंकी हमले की बरसी पर रांची में छात्रों के बीच वितरित किए गए 100 फलदार वृक्ष

रांची:। 26/11 मुंबई आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों की याद में बुधवार को रांची नगर निगम और समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, रांची विश्वविद्यालय में 100 फलदार पौधों का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों और शिक्षकों ने कैंपस में पौधरोपण भी किया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं और विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विभाग के डॉ. बसंत कुमार झा, फैकल्टी संतोष उरांव, मनोज कुमार शर्मा, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, रेडियो खांची की आरजे वैभवी, समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया, लोकेश कुमार सिंह, निधि तिर्की और राजकुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुधाकर यादव, मुकेश कुमार, राहुल कुमार समेत अन्य लोगों का विशेष सहयोग रहा।

आजसू छात्र संघ का भिक्षा जनाक्रोश मार्च, छात्रवृत्ति रोके जाने का विरोध

रांची: आजसू छात्र संघ गुरुवार को बापू वाटिका, मोरहाबादी से राजभवन तक शिक्षा के लिए भिक्षा जनाक्रोश मार्च निकलेगा। मार्च में संघ राज्य भर के लाखों छात्रों की छात्रवृत्ति रोके जाने के खिलाफ प्रदर्शन करेगा। यह जानकारी आजसू के हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में आजसू छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो सहित अन्य पदाधिकारियों ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि भिक्षा जनाक्रोश मार्च मोरहाबादी के बापू वाटिका से राजभवन तक निकाला जाएगा। इसके बाद आजसू छात्र संघ राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेगा और उनसे लंबित 2024झ25 की छात्रवृत्ति वितरण में हस्तक्षेप करने की मांग करेगा। साथ ही संघ राज्यपाल से आग्रह किया जाएगा कि वे राज्य सरकार को ई-कल्याण पोर्टल पर सभी लंबित आवेदनों की स्थिति सार्वजनिक रूप से जारी करने का निर्देश दें।

एक नजर

स्कूल बस में नियम का उल्लंघन होने पर अंचल अधिकारी ने की कार्रवाई

जयनगर : प्रखंड के नईटांड में सरकार आपके द्वारा शिविर का निरीक्षण कर लौटने के दौरान अंचल अधिकारी सारांश जैन ने मंगलवार को डीएवी स्कूल आल्हो के बस में करीब 72 बच्चे बैठाकर परिचालन किया जा रहा था साथ ही बस में कोई कंडक्टर भी नहीं था। जिसको अंचल अधिकारी सारांश जैन ने रुकवा कर कार्रवाई के लिए जिला परिवहन कार्यालय को पत्र भेजा है। यह जानकारी अंचल अधिकारी ने देर शाम को दी।

शीतलहर का प्रकोप तेज, गरीबों तक नहीं पहुंच रही कंबल वितरण की सुविधा

कोडरमा : जिले क्षेत्र में शीतलहर लगातार बढ़ती जा रही है। देर रात से लेकर सुबह तक गलन वाली ठंड ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है, लेकिन गरीब और जरूरतमंद परिवारों तक कंबल वितरण की कोई व्यवस्था अभी तक नहीं दिखाई दे रही है। प्रशासन द्वारा हर वर्ष सर्दी के मौसम में राहत सामग्री उपलब्ध कराने की बात कही जाती है, लेकिन इस बार जमीनी हकीकत इसके उलट दिख रही है। ग्रामीण इलाकों में हालात और भी खराब हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है, लेकिन न तो पंचायत स्तर पर और न ही प्रखंड स्तर पर कंबल वितरण की कोई सूचना दी गई है। गरीब परिवार खुले में आग तापकर रात काटने को मजबूर हैं। जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने प्रशासन से मांग की है कि शीतलहर को ध्यान में रखते हुए तुरंत कंबल वितरण शुरू किया जाए, ताकि गरीब परिवारों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि राहत सामग्री समय पर नहीं पहुंची तो हालात और गंभीर हो सकते हैं।

'विधि दिवस': न्याय, समानता और संविधान रक्षा के प्रति निष्ठा का संकल्प

कोडरमा : बुधवार को विधि दिवस के पावन अवसर पर, कोडरमा के अधिवक्ता द्वारा भारतीय संविधान के अंगीकरण को ऐतिहासिक बताया।। संविधान के प्रति निष्ठा दशार्ते हुए कोडरमा के अपर सरकारी अधिवक्ता धीरज जोशी ने इस अवसर पर कहा कि विधि दिवस, 26 नवंबर, हमारे संविधान के अंगीकरण का पावन दिवस है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक अधिवक्ता के लिए यह दिन केवल औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि न्याय, समानता, स्वतंत्रता और विधि के शासन के प्रति हमारी अटूट निष्ठा का प्रतीक है।धीरज जोशी ने बताया कि संविधान हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है और अधिवक्ता उस नींव का संरक्षक है। न्यायालय में दिया गया प्रत्येक तर्क संविधान की आत्मा और मूल्यों से प्रेरित होता है।?विधि दिवस पर,प्रत्येक अधिवक्ता को संविधान और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण संकल्प लेने की आवश्यकता है– नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहना। विधि के शासन को समाज में सर्वोपरि रखना। न्याय को प्रत्येक नागरिक के लिए सुलभ, निरपेक्ष एवं प्रभावी बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाना। धीरज जोशी ने अंत में कहा कि, ?विधि दिवस हमें याद दिलाता है कि कानून ही सर्वोच्च है, और न्याय की स्थापना ही अधिवक्ता का वास्तविक धर्म है।

संविधान दिवस पर कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, केंद्र सरकार पर सवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : संविधान दिवस के अवसर पर बोकारो जिला कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को जोधाडीह मोड़ स्थित कांग्रेस कार्यालय में एक अहम सभा आयोजित की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे, जिससे यह सभा कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन बन गई। सभा को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष जवाहर लाल महथा ने केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर संविधान और संवैधानिक संस्थाओं पर "लगातार हमले" करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान देश की आत्मा है, लेकिन सरकार नई-नई तरकीबें अपनाकर इसे कमजोर करने का प्रयास कर रही है। संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर आम जनता के अधिकारों को सीमित किया जा रहा है और चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिशें खुले तौर पर दिख रही हैं। महथा ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और कहा–हम कांग्रेस कार्यकर्ता कदम से कदम मिलाकर जनांदोलन के लिए तैयार हैं। यदि जरूरत पड़ी तो आम आदमी के हितों की रक्षा के लिए अपनी प्राण-आहुति तक देने से पीछे नहीं हटेंगे। सभा के दौरान कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने राष्ट्रपति, संसद, चुनाव आयोग और न्यायपालिका जैसी संस्थाओं की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए संघर्ष को तेज करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में देवाशीष मंडल, कौशल किशोर, जमील अख्तर, अली अंसारी, नेहा यादव, परवेज आलम, घनश्याम नारायण, निवारण तिवारी, संघमित्रा सिंह, नीरा सिंह, असीम शर्मा, अमित कुमार सिंह, धनंजय झा, रमन कुमार, अशोक मिश्रा, नाजिर अहमद, सुनील शर्मा, शैलेन्द्र कुमार राय, अजीत कुमार राय, कृष्णा कुमार तांती, शोएब हसन, डॉ. बिपिन कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। संविधान दिवस के मौके पर आयोजित यह सभा कांग्रेस की एकजुटता और आगे की राजनीतिक रणनीति का संकेत मानी जा रही है। पार्टी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वह संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष के लिए तैयार है।

दुंदीबाजार झुग्गी-झोपड़ी बचाओ अभियान: नोटिस के विरोध में आमसभा, कमेटी बनाने का निर्णय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बुधवार को दुंदीबाजार में झुग्गी-झोपड़ी बचाओ अभियान को लेकर स्थानीय विक्रेताओं और विभिन्न राजनीतिक दलों ने संयुक्त रूप से आमसभा आयोजित की। हाल ही में बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन द्वारा क्षेत्र में नोटिस चिपकाए गए हैं, जिसमें निवासियों और दुकानदारों को जल्द से जल्द जगह खाली करने का निर्देश दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई प्रस्तावित एयरपोर्ट प्रोजेक्ट से संबंधित है। आमसभा में बीजेपी जिला अध्यक्ष जयदेव राय, झामुमो के कार्यकर्ता मंटू यादव, पूर्व मेयर भोलू पासवान समेत कई दलों के नेता शामिल हुए। सभी ने एकमत होकर कहा कि वे दुंदीबाजार के विक्रेताओं के साथ खड़े हैं और बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए किसी को भी हटाना उचित नहीं होगा। भाजपा कार्यकताओं ने यह भी बताया कि धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने स्पष्ट कहा है–दुंदीबाजार से एक भी तिनका नहीं हटेगा। हालांकि महतो स्वयं निजी कारणों से कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके। बैठक में निर्णय लिया गया कि एक संयुक्त कमेटी बनाई जाएगी, जो जल्द ही बीएसएल प्रबंधन तथा बोकारो डीसी से मिलकर अपना पक्ष रखेगी और ज्ञापन सौंपेगी। नेताओं का कहना है कि एयरपोर्ट निर्माण की प्रक्रिया पिछले दो वर्षों से लंबित है।

सहयोगिनी संस्था ने बोकारो में मनाया 'संविधान दिवस', प्रस्तावना की शपथ ली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिले के विभिन्न स्थानों पर सहयोगिनी संस्था द्वारा भारतीय संविधान दिवस बड़े हर्षोल्लास और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों और उपस्थित लोगों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना की शपथ ली और इसके मूल्यों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया। इस संबंध में सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत के इतिहास में संविधान का निर्माण एक परिवर्तनकारी क्षण है। उन्होंने कहाःसंविधान ने हमारी सोच, हमारे अधिकारों और हमारे सामाजिक ढाँचे को नई दिशा दी है। इसने न केवल हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त किया, बल्कि स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे सिद्धांतों को हमारे जीवन का आधार बनाया है। उन्होंने आगे कहा कि संविधान हर प्रकार के भेदभाव और शोषण को अस्वीकार करते हुए, हमें एक न्यायपूर्ण, समतामूलक और मानवीय समाज के निर्माण की प्रेरणा देता है। गौतम सागर ने कहा, आज संविधान की शक्ति और उसकी आत्मा हम सभी के साथ खड़ी है। हम संविधान दिवस की 76वीं वर्षगाँठ को गर्व, सम्मान और उल्लास के साथ मना रहे हैं। उन्होंने कामना की कि प्रत्येक दिन संवैधानिक मूल्यों को मजबूती से जीने और आगे बढ़ाने का अवसर बने।

मंजुला शर्मा मेमोरियल अकादमी में संविधान दिवस का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच/कोडरमा : मंजुला शर्मा मेमोरियल अकादमी, डोमचांच में संविधान दिवस अत्यंत गरिमामय, अनुशासित एवं प्रेरणादायी वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य श्री अभिषेक कुमार पांडे द्वारा भारतीय संविधान के निमार्ता एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके महान योगदान को नमन करते हुए हुई। विद्यालय परिसर देशभक्ति और संवैधानिक चेतना की भावना से ओतप्रोत हो उठा। इस अवसर पर विद्यालय में अनेक शैक्षणिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं–भाषण, निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण, प्रश्नोत्तरी तथा लघु-नाटिका–का सफल आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने संविधान की महत्ता, नागरिक कर्तव्य, समता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के निदेशक रजनीश कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान विश्व का सर्वाधिक प्रगतिशील एवं जीवंत संविधान है, जो हर नागरिक को समानता, न्याय एवं स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने छात्रों से संविधान के आदर्शों को चरित्र और व्यवहार में अपनाने का आग्रह किया। विद्यालय प्रशासक आर. पी. पांडेय ने भी सभी को संविधान को राष्ट्र की आत्मा बताते हुए इसके प्रति निष्ठा और सम्मान बनाए रखने का संदेश दिया। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में प्राचार्य ए. के. पांडे ने कहा कि संविधान दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों में संवैधानिक जागरूकता विकसित करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रहित में जिम्मेदार, जागरूक और आदर्श नागरिक बनने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक शिव कुमार साव, रीता कुमारी, कुमुदिनी लकड़ा, संजीत शर्मा, प्रिंस बर्णवाल,अमीता राय एवं प्रीति प्रीयदर्शी–अपनी गरिमामयी उपस्थिति के साथ कार्यक्रम में सहभागी रहे।

संविधान दिवस पर प्रखंड मुख्यालय और थाना परिसर में शपथ ग्रहण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को प्रखंड मुख्यालय परिसर तथा जयनगर थाना परिसर में संविधान की शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मियों और पुलिस बल ने संविधान के प्रति निष्ठा, राष्ट्र की एकता-अखंडता और कर्तव्य पालन की शपथ ली। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के दौरान अंचल अधिकारी सारांश जैन ने कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की आत्मा और दिशा है। हमें इसके मूल्यों को जीवन में उतारने की आवश्यकता है। प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार ने कहा कि संविधान हमें समानता, न्याय और स्वतंत्रता का अधिकार देता है। सरकारी कर्मियों के रूप में हमारी जिम्मेदारी है कि हम सेवा में पारदर्शिता और संवेदनशीलता बनाए रखें। इसी क्रम में थाना प्रभारी उमानाथ सिंह ने कहा कि कानून-व्यवस्था को बनाए रखना हमारा कर्तव्य है और संविधान हमें यही दिशा देता है कि हम हर नागरिक के साथ निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यवहार करें।कार्यक्रम में पुलिस अवर निरीक्षक इस्लाम अंसारी, आशीष हसदा, प्रमोद कुमार, शमसुद्दीन खान, केडी प्रसाद, प्रखंड समन्वयक विवेक कुमार तथा आकांक्षी प्रखंड फेलो अशोक कुमार सहित अन्य कर्मी मौजूद रहे। थाना परिसर में शपथ ग्रहण के बाद पुलिसकर्मियों के बीच संविधान से संबंधित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता में बेहतर जवाब देने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया।

छोटानागपुर सांस्कृतिक महोत्सव समिति ने माँ मनसा देवी मंदिर की केंद्रीय समिति का किया पुनर्गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेक्टर 2 स्थित प्राचीन माँ मनसा देवी मंदिर मौजा हरला के परिसर में छोटानागपुर सांस्कृतिक महोत्सव समिति का समुचित प्रबंधन, विकास और धार्मिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से, सर्वसम्मति से एक नई 37 सदस्यीय मंदिर प्रबंधन केंद्रीय समिति का पुनर्गठन किया गया है। इस नई समिति का पुनर्गठन मंदिर के संरक्षकों, स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों और वरिष्ठ भक्तों की एक बैठक के दौरान किया गया, जिसमें मंदिर के आगामी कार्यों और सेवाओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। यह समिति 25/11/25 से तत्काल प्रभाव से कार्यभार संभालेगी। छोटानागपुर सांस्कृतिक महोत्सव समिति में निम्नलिखित पदाधिकारियों को सर्वसम्मति से चुना गया है: अध्यक्ष- शंकर लाल गोप उपाध्यक्ष- प्रकाश चटर्जी, जनार्दन महतो, घनश्याम हजाम,सुचाँद गोप सचिव - गौतम सिंह चौधरी सहसचिव- अमुल्य महतो संगठन सचिव- कृष्ण कुमार मंडल कोषाध्यक्ष- बन बिहारी गोराई उपकोषाध्यक्ष - संतोष महतो एवं नगेन्द्र नाथ रजवार कार्यालय प्रभारी - रामेश्वर सिंह, मुकुल कुमार कानुनी सलाहकार - श्रीधर कुमार महतो संगरक्षक सह सलाहकार - मुनि लाल सिंह, अमर नाथ देवघरिया कार्यकारिणी सदस्य - सतीश कुमार महतो, घनश्याम गोप,राजु महतो, जनार्दन मिश्रा, उमेश चन्द्र बाउरी, निर्मल महतो, उमा चरण महतो,मदन मोहन महतो, उपेन्द्र महतो,मिठु गोप, विन्देश्वर साह, प्रकित लाल महतो, मोती लाल महतो, कालीचरण महतो, विजेन्द्र यादव, कृति सिंह, दिनबन्धु गोप, अरुण महतो, प्रेमचंद महतो, ध्रुव मिश्रा, सुखदेव सिंह। समिति के प्रमुख उद्देश्य नवगठित समिति ने मंदिर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए निम्नलिखित प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने का संकल्प लिया है: व्यवस्था सुधार: मंदिर परिसर में स्वच्छता, सुरक्षा और दर्शनार्थियों के लिए बेहतर सुविधाओं को सुनिश्चित करना। विकास कार्य: मंदिर के जीर्णोद्धार, नवीनीकरण और आवश्यक निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना। धार्मिक आयोजन:सभी धार्मिक पर्वों और अनुष्ठानों का भव्य और शास्त्रसम्मत आयोजन करना। पारदर्शिता : मंदिर के सभी कार्यों और वित्तीय लेनदेन में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखना। नव नियुक्त अध्यक्ष, शंकर लाल गोप ने कहा, ?यह समिति भक्तों के सहयोग और विश्वास के साथ प्राचीन माँ मनसा देवी की गरिमा और पवित्रता को बनाए रखने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेगी।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय संविधान दिवस पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोडरमा : भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर उप विकास आयुक्त रवि जैन द्वारा समाहरणालय परिसर में सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व–संपन्न, समाजवादी, पंथ–निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने तथा देश के सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय; विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता; प्रतिष्ठा और अवसर की समता सुनिश्चित करने के लिए दृढसंकल्पित होकर संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करने की शपथ दिलाई गई। यह शपथ कार्यक्रम जिले एवं प्रखंड स्तर के अन्य कार्यालयों में भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता पूनम कुजूर, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, भू–अर्जन पदाधिकारी ओम प्रकाश मंडल, जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम, जिला शिक्षा अधीक्षक अजय कुमार, जिला खेल पदाधिकारी तुषार राय, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा नीतीश कुमार निशांत सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

सेवा का अधिकार सप्ताह: रूपायडीह, गोहाल और घरौंजा पंचायत में लगा शिविर का हुआ आयोजन

कोडरमा : सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत बुधवार को रूपायडीह, गोहाल और घरौंजा पंचायतों में शिविर का आयोजन किया गया। विभिन्न विभागों के संयुक्त प्रयास से लगाए गए इस शिविर में ग्रामीणों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और योजनाओं से जुड़ी कई सुविधाओं का लाभ उठाया। शिविर का निरीक्षण बीडीओ गौतम कुमार, सीओ सारांश जैन, पशुपालन पदाधिकारी शोहेब खान एवं एई तारीक अनवर द्वारा किया गया। अधिकारियों ने सभी स्टॉलों पर जाकर कार्यों की जानकारी ली और उपस्थित कर्मियों को आमजन की समस्याओं के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया।बीडीओ गौतम कुमार ने कहा कि सेवा का अधिकार सप्ताह का उद्देश्य योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुँचाना और लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। प्रशासन पूरी संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ शिविरों का संचालन कर रहा है।सीओ सारांश जैन ने कहा कि शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही निदान किया जा रहा है। सभी पंचायतों में त्वरित समाधान हमारी प्राथमिकता है।शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहाँ कई आवेदनों का ऑन–द–स्पॉट निष्पादन किया गया। पात्र लाभुकों को पेंशन योजना,आवास, वित्तीय स्वीकृति, मनरेगा से जुड़ी मांग और अद्यतन कार्य,स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच और नि:शुल्क दवा वितरण,बाल विकास परियोजना द्वारा महिलाओं और किशोरियों के लिए पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया। मौके पर आकांक्षी प्रखंड फेलो अशोक कुमार, विवेक कुमार, सुभाष कुमार, आलोक शर्मा,मुखिया गणपत यादव, विनोद दास, अजय यादव, दिलीप दास, चंदन कुमार, अरविंद कुमार,सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

केटीपीएस बंजेडी में ऐक्टू और अटैक के नेतृत्व में किया प्रदर्शन

कोडरमा : डीवीसी केटीपीएस बंजेडी में ऐक्टू और अटैक के नेतृत्व में किया प्रदर्शन कर शर्म कोड जो श्रमिक विरोधी कॉर्पोरेट पक्षियों कानून को जबरन मोदी सरकार के द्वारा 21 नवंबर 2025 को लागू करने के खिलाफ केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने 26 नवंबर 2025 को विरोध प्रदर्शन का आवाह्न किया था इसके समर्थन में डीवीसी केटीपीएस बॉझेडीह के मजदूरों ने भी सुबह डीवीसी मेन गेट के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया जिसका नेतृत्व ऐक्टू जिला सचिव विजय पासवान एटक जिला अध्यक्ष विनोद पासवान ने किया कार्यक्रम में मजदूरों ने केन्द्र सरकार को मजदूर विरोधी कहां और जमकर नारेबाजी किया जिसमें 4 श्रम कोड वापस लो, सरकार की मनमानी नहीं चलेगी, 12 घंटे का कार्य दिवस नहीं चलेगा, डीवीसी प्रबंधक और ठेकेदारी गठजोड़ नहीं चलेगा, आदि नारों के साथ विरोध किया गया कार्यक्रम में एटक के राज्य नेत्री सोनिया देवी , सीटू से प्रेम प्रकाश पासवान, झारखंड जनरल मजदूर यूनियन अध्यक्ष राजेंद्र यादव दशरथ पासवान,उदय भारती, रामसुंदर दास, बसंत यादव, महावीर यादव, सचिन पासवान, प्रताप पासवान, परमेश्वर यादव, राजकिशोर यादव, सुरेन्द्र दास, रंजीत भारती,दीपों यादव ,राशमनी साव,गुडडा भुईयां आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

बोकारो सेक्टर-3 सी में बंद घर से 15 लाख की चोरी, गहने मोबाइल और लैपटॉप गायब

बोकारो : सेक्टर–3सी स्थित क्वार्टर नंबर 172 में बीती रात अज्ञात चोरों ने बंद घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के गहने, लैपटॉप और अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। बताया गया कि घर की मालकिन रीना श्रीवास्तव अपने परिजनों के साथ जैनामोड़ में एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने गई थीं, इसी बीच चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। पीड़िता के पुत्र शुभम श्रीवास्तव ने बताया कि शाम को वह भी घर बंद कर अपनी बहन के यहां गए थे। रात करीब 2 बजे जब वापस लौटे, तो देखा कि पीछे वाले गेट का ताला टूटा हुआ था और घर के अंदर दोनों अलमारियों के सामान बिखरे पड़े थे। शुभम के अनुसार, करीब 15 लाख रुपए मूल्य के आभूषण, लैपटॉप और अन्य जरूरी सामान चोरी हो गए हैं।घटना की सूचना तुरंत बोकारो थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, चोरी गए सामानों की पूरी सूची तैयार की जा रही है और आसपास के इलाकों की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर दहशत का माहौल है। उनका कहना है कि क्षेत्र में लगातार बढ़ती चोरी की घटनाओं से लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

शिक्षा केवल डिग्री नहीं, चरित्र, विवेक और संवेदनशीलता का विकास भी जरूरी : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चाईबासा : राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा के छठा दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों/शोधार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि कोल्हान की धरती प्राकृतिक संसाधनों, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विशिष्ट जनजातीय परंपराओं के कारण पूरे देश में अपनी अलग पहचान रखती है। यहाँ के युवाओं में अपार प्रतिभा, दृढ़ता और आगे बढ़ने की अद्भुत क्षमता है। उन्होंने कहा कि कोल्हान क्षेत्र भारत की विशिष्ट जनजातीय संस्कृति का केंद्र है और यहाँ के युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने समाज व राज्य का गौरव बढ़ाने के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़े हुए हैं, यह पूरे देश के लिए प्रेरणादायक है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का मंत्र देश में शिक्षा, कौशल विकास और नवाचार को नई दिशा दे रहा है। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय ज्ञान परंपरा, कौशल आधारित शिक्षा और आधुनिक तकनीकी शिक्षा को समावेशित कर उच्च शिक्षा को नई गति दे रही है और कोल्हान विश्वविद्यालय इन संकल्पों को मूर्त रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आप आज केवल उपाधि नहीं, बल्कि नई जिम्मेदारियाँ भी प्राप्त कर रहे हैं। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। ईमानदार प्रयास, अनुशासन, चरित्र और विनम्रता ही आपको जीवन में आगे ले जाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वे जहाँ भी देश, विदेश जाएँ या अपने गाँव- समाज–झारखंड की पहचान, संस्कृति और मूल्यों को गर्व के साथ आगे बढ़ाएँ तथा समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील रहें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि चरित्र, विवेक और संवेदनशीलता का विकास है। विश्वविद्यालयों का दायित्व है कि वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध और नवाचार को बढ़ावा दें, ताकि यहाँ से निकलने वाला प्रत्येक विद्यार्थी राष्ट्र का गौरव बढ़ा सके।राज्यपाल ने वर्तमान समय को कौशल, तकनीक और नवाचार का युग बताते हुए कहा कि युवाओं को केवल नौकरी की प्रतीक्षा नहीं, बल्कि अवसरों का सृजन करने की क्षमता विकसित करनी चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय से उद्योगों, अनुसंधान संस्थानों और स्थानीय उद्यमों के साथ साझेदारी बढ़ाने पर बल दिया, ताकि छात्रों को व्यवहारिक अनुभव के साथ रोजगार के अवसर भी प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि जीवन में चुनौतियाँ आएँगी, पर हर चुनौती अपने साथ अवसर भी लेकर आती है।

एक नजर

संविधान दिवस पर पुलिस कर्मियों को दिलाई गई शपथ

मुरी : बुधवार के दिन संविधान दिवस पर मुरी ओ पी थाना परिसर में थाना प्रभारी राहुल कुमार मेहता के द्वारा पुलिस कर्मियों के बीच शपथ दिलाई गई। पुलिसकर्मियों के बीच संविधान के आदर्शों का पालन करने और राष्ट्र की एकता व अखंडता बनाए रखने की तथा मौलिक कर्तव्यों और संविधान में निहित आदर्शों का स्मरण कराते हुए शपथ दिलाई गई।शपथ ग्रहण कार्यक्रम के दौरान संविधान का सम्मान करने की भी शपथ दिलाई गई। पुलिस कर्मियों द्वारा बताया गया कि संविधान दिवस का उद्देश्य नागरिकों को संविधान की प्रस्तावना,मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है।

सीएचसी पटमदा में रक्तदान शिविर 28 को

पटमदा : पटमदा में माचा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जिला स्वास्थ्य समिति पूर्वी सिंहभूम द्वारा ब्लड बैंक जमशेदपुर के सौजन्य से 28 नवंबर को रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। जानकारी देते हुए सीएचसी के एएम सुकदा मुर्मू ने बताया कि इस मैगा रक्तदान शिविर में ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होकर रक्तदान करने की अपील की गई है। वही सभी संस्थानों से जुड़े लोगों को भी शिविर में शामिल होने का आमंत्रण किया गया है। ताकि ब्लाड बैंक में रक्त संग्रह की संख्या को बढ़ाया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

बाबा गौस अली शाह की मजार शरीफ का भव्य पुनर्निर्माण शुरू

सरिया : सूफी संत हजरत सैयद गौस अली शाह रहमतुल्लाह अलैह की मजार शरीफ को भव्य स्वरूप देने का काम जोर–शोर से शुरू हो गया है। समाजसेवी सुलेमान अंसारी ने बताया कि 1972 में दीन की तबलीग के लिए चिरुवाँ शरीफ तशरीफ लाने वाले और 1981 में परदे में जाने वाले बाबा गौस अली शाह के लाखों आशिकों का यह सबसे बड़ा आस्थाकेंद्र फिर से चमकने को तैयार है।जर्जर हो चुकी पुरानी मजार को शहीद कर दिया गया है और अब अनुयायियों के आपसी सहयोग व दान से नई मजार का भव्य निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। हर साल लगने वाले ऐतिहासिक उर्स मेले की शोभा इस बार और भी बढ़कर दिखेगी।मेले में लगने वाले विशाल झूले, मौत का कुआं, जादू–टोना का खेल, देश–विदेश की मशहूर मिठाइयाँ, लखनऊ की मशहूर हलवा–पराठा की दुकानें और बच्चों के लिए रंग–बिरंगे खिलौनों की चमचमाती दुकानें सजकर तैयार होंगी। मेले की चमक–दमक देखते ही बनती है।रेलवे ने भी आस्थावानों का पूरा खयाल रखा है। चिचाकी रेलवे स्टेशन पर कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का कई माह तक ठहराव रहेगा, ताकि दूर–दराज से आने वाले जायरीन को किसी तरह की परेशानी न हो। बाबा गौस अली शाह के दीवानों का कहना है, इस बार मजार भी नई होगी और उर्स की रौनक भी दोगुनी होगी। हुजूर की बारगाह में हाजिरी देने का सौभाग्य फिर मिलेगा। चिरुवाँ शरीफ एक बार फिर आस्था, मुहब्बत और रौनक का गवाह बनेगा।

सरिया कॉलेज में राष्ट्रीय संविधान दिवस पर भव्य संगोष्ठी आयोजित

सरिया : सरिया कॉलेज में बुधवार को राजनीति विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गिरिडीह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) धनंजय कुमार राम उपस्थित हुए। कॉलेज प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार लाल ने पुस्तक एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्य वक्ता धनंजय कुमार राम ने कहा कि संविधान किसी भी देश की आत्मा होता है। शासन–प्रशासन को सुचारु रूप से चलाने के लिए संविधान का होना अनिवार्य है। उन्होंने संविधान सभा के गठन की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया और बताया कि संविधान सभा में समाज के हर वर्ग, हर समुदाय को प्रतिनिधित्व देने का भरसक प्रयास किया गया था। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस इकाई–2 के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. आशीष कुमार सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार ने किया। इस अवसर पर एनएसएस इकाई–1 के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. आशीष दिवाकर, डॉ. प्रमोद कुमार, प्रो. जितेंद्र कुमार, रंजू कुमारी, अंजू कुमारी, सुदीप, सत्यम, रोहित, सचिन, नितेश, आदित्य, बंटी, शुभम सहित कॉलेज के सैकड़ों छात्र–छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

टाटीसिलवे में अखंड हरी कीर्तन एवम रामायण पाठ का हुआ समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : राम विवाह के शुभ अवसर पर राम शिव मंदिर टाटीसिलवे मैं प्रत्येक वर्ष के किस वर्ष भी 64 व अखंड हरी कीर्तन एवं रामायण पाठ का आयोजन किया गया जिसके मुख्य यजमान अमित श्रीवास्तव पत्नी शंकर साहू रमेश शर्मा राहुल पांडे संध्या कुमारी मुख्य पुजारी श्री राम प्रसाद पांडे मधुसूदन पांडे अरुण मिश्रा थे 25 नवंबर को सुबह 9:00 बजे राम शिव मंदिर में वैदिक मित्रों के द्वारा पूजन आरंभ हुआ संध्या 3:00 बजे धनुष यज्ञ बारात प्रस्थान मंगल गीत वैवाहिक कार्यक्रम अखंड कीर्तन और रामायण पाठ का आयोजन हुआ 26 नवंबर को हवन महाप्रसाद का वितरण भंडारा का आयोजन किया गया जग में शामिल सभी भक्तजनों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया सभी के सहयोग से राम विवाह का आयोजन धूमधाम से संपन्न हुआ इसकी जानकारी प्रेस को डॉक्टर मधुसूदन पांडे सचिव एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा के द्वारा दिया गया।

एसबीयू में झारखंड स्थापना दिवस पर मना उत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : सरला बिरला विश्वविद्यालय रांची के फाइन आर्ट्स विभाग एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के संयुक्त तत्वावधान में 25वां झारखंड स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार, छात्र, संकाय सदस्य, प्रशासनिक अधिकारी और आमंत्रित अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय परिसर में शोभायात्रा से हुई, जिसमें विवि के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने झारखंड की जनजातीय पहचान को दशार्ते पारंपरिक वाद्ययंत्र, सांस्कृतिक प्रतीक और बैनर का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के आधिकारिक न्यूजलेटर Pulse@SBU का पुनः शुभारंभ माननीय महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक तथा माननीय कुलपति प्रो. सी. जगनाथन द्वारा किया गया। यह पुनर्प्रकाशन विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों और उपलब्धियों को सुदृढ़ रूप से प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। अपने विशेष संबोधन में प्रो. गोपाल पाठक ने झारखंड की सांस्कृतिक समृद्धि, प्राकृतिक संसाधनों और युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य की प्रगति में शिक्षा-व्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने बिरसा मुंडा के जीवन, उनके संघर्ष और जनजातीय समाज में उनके अमर योगदान का उल्लेख करते हुए युवाओं को उनके बताए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

पटमदा में लाभुकों को मिले चावल में हड्डी का टुकड़ा, ग्रामीणों ने किया हंगामा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा प्रखंड के महुलबना पंचायत के मां दुर्गा महिला समूह चौरा द्वारा आपूर्ति विभाग से मिलने वाले चावल में हड्डी का टुकड़ा मिलने के बाद उस क्षेत्र में सभी लाभुको ने आपूर्ति दुकान के डीलर द्वारा बांटे जा रहे चावल से हड्डी मिलने के बाद हंगामा शुरू कर दिया।जिसके बाद मामले की जानकारी मिलने पर सीओ सह प्रभारी आपूर्ति पदाधिकारी डॉ राजेंद्र दास ने पहुंचकर मामले की।जानकारी लेने के बाद मामले को जिला स्तर पर जांच के बाद कार्यवाही करने के लिए अग्रसारित कर दिया।वही मामले में हड्डी मिलने की बात बताते हुए उन्होंने कहा ये जांच का विषय है।जांच के बाद की कोई बात सामने आएगी कि आखिर ये हड्डी किस चीज की है और चावल में कैसे मिली।वही मां दुर्गा महिला समूह ने भी इस मामले से जुड़ी कोई जानकारी देने से असमर्थता जताया। उनका कहना है कि चावल में ये हड्डी कैसे आई मुझे कोई जानकारी नहीं है।इधर मामले की सूचना पर घटना स्थल पहुंचे भाजपा नेता मुचिराम बाउरी ने भी घटना की जानकारी ली।घटना के बाद ग्रामीणों ने चावल लेने से इंकार कर दिया है।वही आगे जांच के बाद दोषी पर कार्यवाही की मांग भी की है।मामले को गंभीरता से लेते हुए मो जुल्फकार अंसारी भी घटना स्थल पहुंचकर मामले की जानकारी ग्रामीणों,आपूर्ति विभाग के डीलर और प्रभारी आपूर्ति पदाधिकारी डॉ राजेंद्र दास से लेते हुए ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि मामले की जांच के बाद दोषी पर कार्यवाही की जाएगी।

लोवाडीह मैसड़ा केनाल निर्माण में मिक्सर ग्राइंडर पलटा, चालक का पैर टूटा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के लोवाडीह मैसड़ा केनाल के चुनीडीह गांव के पास केनाल निर्माण कार्य में लगे मिक्सर ग्राइंडर मशीन केनाल के बाहर खेत में अनियंत्रित होकर पलट गई। मिक्सर मशीन पलटने से चालक नीचे दब गया एवं उसका एक पैर टूट गया। ग्रामीणों के सहयोग से मिक्सर मशीन में दबे घायल चालक पश्चिम बंगाल के बर्धमान निवासी 32 वर्षीय लखींद्र हेम्ब्रम को सुरक्षित निकालकर टीएमएच जमशेदपुर भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि चालक का हालत खतरे से बाहर है। बताया जा रहा है कि निमार्णाधीन केनाल में गीट्टी सीमेंट मिक्स कर ढलाई मसाला ले जाने के क्रम में मिट्टी धंसने से अनियंत्रित होकर मिक्सर ग्राइंडर मशीन पलट गई, जिससे चालक नीचे दब गया। गनीमत रहा कि केनाल निर्माण कार्य में लगे मजदुर एवं ग्रामीणों ने समय रहते उसे निकाल लिया, नहीं तो बड़ा हादसा भी हो सकता था। घटना की सूचना पर ईचागढ़ पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई में जुटी। थाना प्रभारी बजरंग महतो ने बताया कि ग्रामीणों के सहयोग से चालक को सुरक्षित निकाला गया एवं इलाज हेतु जमशेदपुर भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि केनाल निर्माण कर रहे अभिकर्ता के द्वारा घायल चालक का इलाज कराया जा रहा है। घटना कि सुचना मिलते ही ईचागढ़ विधायक सविता महतो ने टीएम एच प्रबंधन से बात कर बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

साउथ प्वाइंट स्कूल पटमदा में 'संविधान दिवस' के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पटमदा : साउथ प्वाइंट स्कूल पटमदा में 'संविधान दिवस' बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि सुधांशु ओझा, पार्षद प्रदीप बेसरा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष नीलू मछुआ, आलोक वाजपेई कार्यक्रम सह संयोजक वन्दे मातरम्, वासुदेव मण्डल, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप महतो जमशेदपुर, मंटू दत्ता पूर्व मण्डल अध्यक्ष पटमदा, शांतानू मुखर्जी मण्डल अध्यक्ष बोड़ाम, सुब्रतो दता, तथा अमित सिंह सोशल मिडिया प्रभारी भारतीय जनता पार्टी जमशेदपुर, विद्यालय के डायरेक्टर शिवम शर्मा, प्राचार्य अरूण कुमार सिंह द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। छात्राओं द्वारा वन्दे मातरम् प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात विधालय के डायरेक्टर शिवम शर्मा ने अतिथियों का स्वागत सम्बोधन करते हुए पुष्प भेंट की। बच्चों ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कक्षा चौथी की छात्रा पायल सेन ने संविधान दिवस पर एक कविता प्रस्तुत कर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। मुख्य अतिथि सुधांशु ओझा ने अपने संबोधन में संविधान की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत का संविधान न केवल देश की आत्मा है, बल्कि विश्व के श्रेष्ठतम संविधानों में से एक है।

जमशेदपुर में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर यूनिटी मार्च का हुआ आयोजन, राष्ट्रीय एकता का दिया संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : देश के प्रथम गृहमंत्री एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को जमशेदपुर में विशाल यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया। जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो के नेतृत्व में निकाले गए इस मार्च में जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू, भाजपा प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद, भाजपा महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा समेत माय इंडिया, एन एस एस के सदस्य, छात्र-छात्राओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, गणमान्य व्यक्तियों और स्थानीय नागरिकों की भारी मौजूदगी रही। यूनिटी मार्च की शुरूआत आदित्यपुर पुल के समीप स्थित सरदार पटेल स्मारक पर सभी अतिथियों द्वारा सरदार पटेल की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं नमन कर की गयी। युवा हाथों में तिरंगा लिए भारत माता की जय और सरदार पटेल अमर रहें के उदघोष करते हुए मार्च में हिस्सा लिया। यह मार्च पटेल स्मारक से आरंभ होकर बिस्टुपुर ट्रैफिक लाइट से एन रोड होते हुए आउटर सर्किल रोड के मार्ग से होकर पुनः स्मारक पहुंचकर संपन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद विद्युत महतो ने कहा कि आज हम जिस विराट और विस्तृत भारत का स्वरूप देख रहे हैं, इसके निर्माण में देश के पहले गृहमंत्री लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का अतुलनीय योगदान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरदार पटेल की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार कर रहे हैं। गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में धारा 370 और 35ए की समाप्ति से कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बना है। सरदार पटेल ने छोटी-बड़ी 565 रियासतों का एकीकरण करके एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना की आधारशिला रखी थी। यह यूनिटी मार्च देश के नागरिकों विशेष रूप से युवा वर्ग में सरदार पटेल के अतुलनीय योगदान के प्रति कृतज्ञता और सम्मान का भाव जागृत करने, उन्हें राष्ट्रीय हितों और एकता के प्रति संकल्पित करने के उद्देश्यों को समर्पित है। इस अवसर पर सांसद विद्युत महतो ने सभी नागरिकों से राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और भाईचारे को बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि ये तत्व ही देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। विद्युत महतो ने जोर दिया कि समाज में प्रेम, सहयोग और समरसता को बढ़ावा देकर ही सरदार पटेल के सपनों के सशक्त भारत के निर्माण में वास्तविक योगदान दिया जा सकता है। वहीं, जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की 565 से अधिक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत की एकता को जिस रूप में गढ़ा, वह प्रेरणादायी है।

MINOR IRRIGATION DIVISION,KHUNTI

e-Procurement Notice

(2nd Call)

Short Tender Reference No.WRD/MID/KHUNTI/F_2-12/2025-26Date:-25.11.2025

1.	Group No.	Name of Scheme	Estimated Cost (Rs. In Lakh)
	01	Construction of Single Check Dam at Jaradih Nala,Block-Bundu,Dist.-Ranchi	75.08727
	02	Construction of Single Check Dam at Roladih Nala,Block-Murhu,Dist.-Khunti	78.48333
2.	Time of Completion	335 Days	
3.	Date of Publication of E-Tender on website	05.12.2025 at 2.00 PM	
4.	Last date/Time for submission of E-Tender BID's	11.12.2025 up to 5:00PM	
5.	Last Date for online Submission of Tender fee and EMD	e-Procurement Portal (jharkhandtenders.gov.in) 11.12.2025 up to 5:00 pm	
6.	Date of Opining Tender	13.12.2025at 2:00 PM	
7.	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Khunti.	
a.	Contact no.& Email ID of e-Procurement officer	06528-295012 midivkhunti@gmail.com	
b.	Help line number of e-Procurement cell	0651-2491232	

Note:-(1).Only e-Tenders will be accepted.
(2).Published Estimated Cost may be Increase or Decrease

Further detail scan be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Khunti.

PR 367106 Minor Irrigation(25-26)D

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग

ई- अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं0 :– RE-RDSPL/SD/HZB/16/2025-26 (2nd call)

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

ग्रुप सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	RE-RDSPL/SD/HZB/16/2025-26	चौपारण	प्राथमिक विद्यालय, बिघा में चार अतिरिक्त कमरे का निर्माण एवं उन्नयन कार्य।	9453200.00	189100.00	10000.00	08 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 05.12.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 05.12.2025 से दिनांक 12.12.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –13.12.2025 अपराह्न 5:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430154806
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

PR 367155 Rural Development (25-26)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला।
mail-rdsdgumla123@gmail.com

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/GUMLA/15/2025-26

1. कार्य की विस्तृत विवरणीः (आई०टी०डी०ए० मद)

ग्रुप० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Comprehesive Renovetion for Setting up Dental, Eye & NCD Unit at Kalyan Hospital Nagfeni, Gumla	24,99,400.00	50,000.00	5000.00	06 माह
2	Construction of Shed (36 x15) at Kalyan Hospital Nagfeni, Gumla	8,63,000.00	17,300.00	1250.00	03 माह
3	Construction of Kitchen in Kalyan Hospital, Sisai, Gumla	20,48,900.00	41,000.00	5000.00	06 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि –29.11.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 29.11.2025 से दिनांक 06.12.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, गुमला।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 09.12.2025 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06524223013 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,
गुमला।

PR 367167 (Rural Development) 25-26 (D)

ममता एसआईआर के विरोध के नाम पर दे रही हैं घुसपैठियों का साथ

पश्चिम बंगाल में वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिविजन) प्रक्रिया का जबर्दस्त विरोध कर रही हैं, क्योंकि उनका मानना है कि यह प्रक्रिया भाजपा द्वारा अल्पसंख्यकों, खासकर मुस्लिम वोटर्स को निशाना बनाने के लिए एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल की जा रही है। ममता का यह भी आरोप है कि एसआईआर के तहत घुसपैठियों को वोटर लिस्ट से हटाने का नाम लेकर असली वोटरों को भी परेशान किया जा रहा है, जिससे उनका वोट बैंक प्रभावित हो सकता है। इस विरोध के पीछे दो पहलू हैं: एक तो ममता का अल्पसंख्यक वोट बैंक बचाने का प्रयास, और दूसरा पश्चिम बंगाल में चुनावी फायदे की नजर से यह विरोध। उन्होंने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए असम जैसे भाजपा शासित राज्यों में इस प्रक्रिया को लागू न करने की निंदा की है। ममता ने चुनाव आयोग को कई बार पत्र लिखकर इस प्रक्रिया को अव्यवस्थित, खतरनाक और बिना तैयारी के बताया है और इसे रोकने की मांग की है। पश्चिम बंगाल में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) को इस प्रक्रिया में काम करने में जो परेशानी हो रही है, वह तृणमूल कांग्रेस और ममता सरकार के एसआईआर विरोध के चलते है। बीएलओ यूनाइटेड फोरम के अनुसार, प्रदेश में बीएलओ को राजनीतिक संरक्षण वाले अपराधी तत्व धमका रहे हैं, जिससे वे अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहे। बीएलओ के लिए उचित सुरक्षा, ट्रेनिंग और प्रशासनिक सहूलियत नहीं मिल रही है; वे अपने स्कूलों में भी उपस्थिति दर्ज नहीं करवा पा रहे हैं और उनके ड्यूटी आवंटन में अनियमितता है। इसके अलावा, उन्हें काम का अत्यधिक दबाव, डेटा में त्रुटियां, सर्वर फेलियर जैसी तकनीकी समस्याएं झेलनी पड़ रही हैं और बिना कारण बताए डिसिप्लिनरी एक्शन की धमकियां मिल रही हैं। ममता सरकार की यह रणनीति बीएलओज को भयभीत करके एसआईआर प्रक्रिया को बाधित करने की है, ताकि फर्जी वोटर सूची में बने रह सकें और घुसपैठियों या फर्जी वोटर्स को हटाने की प्रक्रिया सफल न हो। इस कारण प्रभावी तरीके से केवल पश्चिम बंगाल में ही बीएलओ को काम करने में दिक्कतें आ रही हैं। ममता ने चुनाव आयोग पर भी आरोप लगाया है कि वे एसआईआर प्रक्रिया के तहत लगने वाले दबाव और समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं, जबकि बीएलओ अपने हद से ज्यादा काम कर रहे हैं। चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया के रूप में पुलिस कार्रवाई व अन्य समर्थन नहीं मिल रहा, जिससे बीएलओ और ज्यादा दबाव में हैं। इस प्रकार, ममता सरकार का एसआईआर विरोध और बीएलओ पर हो रहे दबाव की जड़ में सीधा राजनीतिक हित है। ममता बनर्जी अल्पसंख्यक वोटरों को सुरक्षित रखने के साथ-साथ अपने राजनीतिक प्रभाव को बचाने के लिए इस प्रक्रिया का विरोध कर रही हैं। बीएलओ, जो घर-घर जाकर वोटर लिस्ट की जांच कर रहे हैं, उन्हें दंडित करने, धमकाने एवं उनकी सहायता रोकने की क्रियाएं इस विरोध का हिस्सा हैं। पश्चिम बंगाल में यह स्थिति इसलिए विशेष रूप से गंभीर है, क्योंकि यहां के वोट बैंक में अल्पसंख्यकों का बड़ा हिस्सा है और ममता सरकार उसे खोना नहीं चाहती। कुल मिलाकर, ममता बनर्जी का एसआईआर विरोध घुसपैठियों के वोट को लेकर उनकी चिंता के साथ-साथ चुनावी रणनीति का हिस्सा है, जबकि बीएलओ को इस प्रक्रिया में कानूनी, प्रशासनिक और राजनीतिक दबाव की वजह से काम करना कठिन हो रहा है, और ममता सरकार इन दबावों और बाधाओं को बढ़ा रही है ताकि एसआईआर प्रक्रिया पूरी तरह से प्रभावी न हो सके।

आक्रामक साजिशों के बीच संविधान की असल ताकत

संजय सक्सेना

26 नवम्बर आज केवल एक तारीख नहीं, आज की तारीख देश की आत्मा, उसके बुनियादी ढांचे और जनता की सर्वोच्चता की याद दिलाने वाला दिन है। संसद के गौरवशाली भवन में जब राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, प्रधानमंत्री और विभिन्न दलों के नेता संविधान दिवस पर अपने विचार रखते हैं तो सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों जानते हैं कि असली नैतिक शक्ति उस मोटी किताब में दर्ज जनता के अधिकारों से आती है। इसी वजह से आज की राजनीति में संविधान दिवस केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि विचारधाराओं की टकराहट, जनता के समर्थन की होड़ और भविष्य के भारत की दिशा तय करने का अहम मौका बन चुका है। सवाल यह उठता है कि जब संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ तो फिर संविधान दिवस 26 नवम्बर को क्यों मनाया जाता है। इसका उत्तर इतिहास के उस निर्णायक क्षण में छुपा है जब 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने बहस, मतभेद और भारी मंथन के बाद भारत के संविधान को औपचारिक रूप से अपनाया था। कुल 2 वर्ष 11 माह 18 दिन की लगातार मेहनत के बाद तैयार हुए इस संविधान को उसी दिन स्वीकार किया गया और यह दिन हमारे लोकतांत्रिक सफर की असली दस्तावेजी जन्मतिथि बन गया। बाद में 26 जनवरी को लागू करने के पीछे भी एक राजनीतिक और सांकेतिक निर्णय था, ताकि 1930 के पूर्ण स्वराज दिवस की याद के साथ गणराज्य की नई शुरूआत जोड़ी जा सके, इसलिए लागू होने की तारीख 26 जनवरी रखी गयी, जबकि अपनाने की ऐतिहासिक तारीख 26 नवम्बर ही रही।

आज जो संविधान दिवस राजनीतिक बहस का केन्द्र है, वह दरअसल 2015 में एक नए रूप में सामने आया जब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर केन्द्र सरकार ने 26 नवम्बर को औपचारिक रूप से संविधान दिवस घोषित किया। इस निर्णय के पीछे तर्क यह था कि केवल गणतंत्र दिवस जैसे औपचारिक उत्सव से आगे बढ़कर साल में एक दिन ऐसा भी हो जो खास तौर पर नागरिकों को संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाए। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के बाद से हर वर्ष इस दिन विद्यालयों, महाविद्यालयों, न्यायालयों और सरकारी दफ्तरों में प्रस्तावना का सामूहिक पठन, गोष्ठियाँ, शपथ कार्यक्रम और बहसों का आयोजन होने लगा, जिसने इसे एक जीवंत राजनीतिक और सामाजिक उत्सव में बदल दिया। इस दिन संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित कार्यक्रम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सत्ता और जनमत के बीच संवैधानिक अनुबंध की सार्वजनिक पुनर्पुष्टि होती है। राष्ट्रपति जब प्रस्तावना और मूल अधिकारों पर जोर देती हैं, लोकसभा अध्यक्ष संसद की गरिमा और मयार्दा की बात करते हैं, प्रधानमंत्री संविधान के प्रति निष्ठा दोहराते हैं, तो विपक्ष भी इस मंच को सरकार से सवाल करने और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर अपनी चिंता व्यक्त करने के लिए इस्तेमाल करता है। यही वजह है कि आज संविधान दिवस पर राजनीति गर्म होना स्वाभाविक है, क्योंकि यही मंच सत्ता के चरित्र, नीतियों और मंशा की असली परीक्षा का दिन भी बन जाता है।

अब सवाल यह भी है कि 26 जनवरी 1950 को लागू हुए संविधान में इतने सालों में कितने बड़े बदलाव आ चुके हैं और उनका स्वरूप क्या रहा है। भारत का संविधान दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान है और इसकी मजबूती का सबसे बड़ा प्रमाण यही है कि इसे समय के साथ बदलने और समाज की नई जरूरतों के अनुरूप ढलने की क्षमता दी गयी है। आज तक इसमें सौ से अधिक संशोधन हो चुके हैं, जिनमें से कई ने देश की राजनीतिक व्यवस्था, अधिकारों और शासन संरचना को गहरे तौर पर प्रभावित किया है; इन्हीं बड़े संशोधनों ने संविधान को केवल स्थिर दस्तावेज नहीं रहने दिया बल्कि एक जीवंत, बढ़ती हुई व्यवस्था में बदला है। इन बड़े परिवर्तनों में सबसे प्रमुख स्थान 42वें संशोधन को दिया जाता है, जिसे अक्सर "लघु संविधान" कहा जाता है क्योंकि इसने प्रस्तावना से लेकर मूल कर्तव्यों और केन्द्र-राज्य संबंधों तक कई बुनियादी हिस्सों को बदल दिया। इसी संशोधन के माध्यम से प्रस्तावना में समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष और अखंडता जैसे शब्द जोड़े गये और नागरिकों के मूल कर्तव्यों की सूची पहली बार संविधान में दर्ज की गयी, जिससे अधिकारों के साथ कर्तव्यों की वैधानिक जिम्मेदारी भी रेखांकित हुई। यह संशोधन आपातकालीन दौर की राजनीति की देन था और आज भी इस पर बहस होती है कि इसने संविधान की मूल भावना को कितना मजबूत किया और कहाँ-कहाँ सत्ता के केंद्रीकरण का रास्ता खोला।

44वें संशोधन ने उसी आपातकालीन दौर की कई अतियों पर प्रहार करते हुए मूल अधिकारों की रक्षा को फिर से मजबूत किया और आपातकाल की घोषणा जैसे प्रावधानों को अधिक कठोर और जवाबदेह बनाया। इस संशोधन के जरिये यह प्रयास किया गया कि भविष्य में सत्ता किसी एक व्यक्ति या दल के हाथ में अत्यधिक केंद्रित होकर नागरिक स्वतंत्रताओं को कुचल न सके; यानी संविधान ने खुद अपने भीतर सुधार की प्रक्रिया अपनाकर लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए नई दीवारें खड़ी कीं। इसी क्रम में बाद के संशोधनों ने चुनावी व्यवस्था, पंचायती राज, नगर निकायों और आरक्षण नीति तक को नए रूप में गढ़ा। 73वें और 74वें संशोधनों ने गाँव से लेकर शहर तक स्थानीय स्वशासन की नई नींव रखी, जिससे पंचायतों और नगर निकायों को संवैधानिक दर्जा मिला और आम नागरिक के दरवाजे पर लोकतंत्र की आवाजाही बढ़ी। इन संशोधनों ने महिला सहभागिता बढ़ाने के लिए आरक्षण की व्यवस्था को मजबूती दी, जो बाद में राज्यों द्वारा अलग-अलग स्तर पर और विस्तारित की गयी; इस तरह संविधान ने लोकतंत्र को केवल राजधानी और विधानसभा भवनों तक सीमित नहीं रहने दिया बल्कि उसे मोहल्ले और गाँव की चौपाल तक पहुँचाया। इसी दौरान शिक्षा, नगर नियोजन और स्थानीय संसाधनों के नियंत्रण पर भी जनता और स्थानीय निकायों की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में संवैधानिक सुरक्षा मिली।

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण से जुड़े संशोधन भी संविधान में बड़े बदलाव के रूप में दर्ज हैं, क्योंकि इन्हीं के माध्यम से सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस कदम उठाये गये। उच्चतम न्यायालय के फैसलों और राजनीतिक सहमति के बीच टकराव और समन्वय की कठिन प्रक्रिया से गुजरते हुए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था को संतुलित किया गया, ताकि समता के आदर्श और प्रशासनिक दक्षता दोनों के बीच एक व्यावहारिक रास्ता निकल सके। हाल के वर्षों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण देने वाला संशोधन भी इसी बहस का हिस्सा है, जो दिखाता है कि संविधान की व्याख्या केवल जाति आधारित पिछड़ेपन तक सीमित नहीं रखी जा रही।

इन सभी बड़े संशोधनों के बावजूद संविधान की प्रस्तावना में दर्ज न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल आदर्श आज भी वही हैं, जिन पर पूरी राजनीतिक बहस घूमती है। आज सत्ता पक्ष इन्हीं आदर्शों के नाम पर अपनी नीतियों को जनता के सामने न्यायोचित ठहराता है, तो विपक्ष भी इन्हीं आदर्शों का हवाला देकर सरकार पर हमला बोलता है कि कहीं न कहीं संवैधानिक संस्थाएँ कमजोर की जा रही हैं या अधिकारों को सीमित किया जा रहा है। इसी टकराव में नागरिकों की भूमिका निर्णायक बनती है, क्योंकि लोकतंत्र में आखिरी फैसला मतदाता के हाथ में होता है, जो संविधान को अपने वोट से जिंदा रखता है।

संविधान दिवस की राजनीति इसलिए भी अधिक तीखी हो गयी है क्योंकि यह दिन केवल उत्सव नहीं, आत्ममंथन का भी दिन बनता जा रहा है। आज जब संसद में बहस होती है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता, मीडिया की आजादी, चुनावी व्यवस्था की पारदर्शिता और संघीय ढांचे की मजबूती कितनी सुरक्षित है, तो उसका सीधा संबंध संविधान की आत्मा से जुड़ जाता है; कोई भी दल खुलकर यह स्वीकार नहीं कर सकता कि वह संविधान से ऊपर है, इसलिए सब उसकी व्याख्या अपने हिसाब से करने की कोशिश करते हैं। यही संविधान की असली ताकत है कि हर दल, हर नेता, हर आंदोलन को अंततः उसी किताब का सहारा लेना पड़ता है, जिसमें पहली पंक्ति जनता को सर्वोच्च बताती है। आज भी जब संसद के बाहर नारों, टीवी बहसों और सामाजिक माध्यमों पर आरोप-प्रत्यारोप का शोर गूंजता है, तब भी संविधान की प्रस्तावना शांत, स्पष्ट और अडिग खड़ी रहती है। यह दिन याद दिलाता है कि सरकारें आयेंगी, जायेंगी, बहुमत बदलेंगे, नारे बासी हो जायेंगे, लेकिन अगर नागरिक सचेत रहें, अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझें, तो संविधान किसी भी तानाशाही इरादे को मात दे सकता है।

सूडोकु नवताल- 7626

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7625 का हल

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

हिंदी में शपथः नए भारत की भाषाई चेतना का निर्णायक उद्घोष

ललित गर्ग

भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल एक औपचारिक घटना नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और मनोवैज्ञानिक चेतना का नया शुभारंभ है। यह वह क्षण है जिसने भाषा को लेकर दशकों से चले आ रहे संकीर्ण विवादों, राजनीतिक विरोधाभासों और कृत्रिम विभाजनों पर एक गहरी चोट की है। हिंदी में शपथ का यह निर्णय राष्ट्रीय मानस में इस भावना को पुनः स्थापित करता है कि भाषा का प्रश्न केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक है। यह निर्णय उस विरोधाभास पर भी प्रकाश डालता है जिसमें विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा हिंदी को अपने ही देश में सबसे अधिक उपेक्षा, संकोच और राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ता रहा है।

भारत में भाषा सदैव राजनीति का एक सुविधाजनक औजार रही है। कुछ दशकों से चले आ रहे भाषाई आंदोलन और हिंदी-विरोधी राजनीति ने देश की एकता को अक्सर चुनौती दी है। क्षेत्रवाद की आड़ में कुछ राजनीतिक दलों ने हिंदी को एक क्षेत्र विशेष की भाषा बताकर उसका महत्व कम करने का प्रयास किया। लेकिन यह तर्क न तो व्यावहारिक था और न ही ऐतिहासिक। हिंदी किसी क्षेत्र की भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के हृदय की भाषा है, जनमानस की अभिव्यक्ति है, भारत की आत्मा की धड़कन है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना इस सत्य को पुनः उद्घाटित करता है कि भारतीय लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाएँ केवल कानून और प्रशासन की रक्षा ही नहीं करतीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीय अस्मिता को भी नई दिशा देती हैं। यह कदम यह संदेश देता है कि नई पीढ़ी की संस्थाएँ अब संकोच नहीं, आत्मविश्वास के साथ भारत की भाषा में अपने कर्तव्यों की शुरूआत कर रही हैं।

हिंदी को लेकर जो विरोधाभास पैदा किया जाता रहा है, वह वास्तव में एक कृत्रिम एवं आग्रह-दुराग्रहपूर्ण द्वंद्व है। आज के वैश्विक दौर में भाषा का महत्व उसकी लोकस्वीकृति और उपयोगिता से तय होता है। हिंदी वैश्विक भाषाओं की सूची में तेजी से ऊपर बढ़ रही है। करीब 113 करोड़ के साथ अंग्रेजी पहले स्थान पर है. 111 करोड़ के साथ चीनी दुसरे स्थान पर है,इसके बाद हिन्दी का स्थान आता है। करीब 61.5 करोड़ विश्व में, हिन्दी को बोलने वाल लोगों की संख्या के आधार पर तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा का स्थान प्राप्त है। हिंदी का प्रभाव विश्व में बढ़ रहा है और यह सोशल मीडिया व संचार माध्यमों में भी लगातार उपयोग हो रही है। दुनिया भर के 175 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ाई जा रही है। देवनागरी लिपि को दुनिया की सबसे वैज्ञानिक लिपियों में से एक माना जाता है। भारत सरकार की पहल के बाद से, संयुक्त राष्ट्र ने भी साप्ताहिक हिंदी समाचार बुलेटिन शुरू किया है। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, मोरिशस, दक्षिण अफ्रीका, खाड़ी देशों और यूरोप में हिंदी सीखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विश्व के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी साहित्य, भाषाविज्ञान और अनुवाद अध्ययन का विस्तार हुआ है। हिंदी फिल्में, वेब प्लेटफॉर्म और मीडिया विश्व संस्कृति पर गहरा प्रभाव छोड़ रहे हैं। यह वह समय है जब हिंदी वैश्विक मंच पर उभर रही है, लेकिन अपने ही देश में उसे राजनीति और संकीर्णताओं का शिकार होना पड़ रहा है। यही वह असंगति है जिसे न्यायमूर्ति सूर्यकांत की शपथ ने बड़े सौम्य किंतु तीव्र संदेश के साथ उजागर किया है कि जब दुनिया हिंदी को सम्मान दे रही है तो भारत में उसकी उपेक्षा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकती। राष्ट्रीय प्रतीक केवल वस्तुएँ नहीं होते, वे राष्ट्र की चेतना के वाहक होते हैं। राष्ट्रध्वज केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं, करोड़ों लोगों के स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है। राष्ट्रगान केवल धुन नहीं, बल्कि भारत की समष्टिगत भावना का सूत्र है। उसी प्रकार राष्ट्र की भाषा-चाहे उसे हम राजभाषा कहें या राष्ट्रभाषा भारतीय पहचान और राष्ट्रीय एकता का अदृश्य धागा है। नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब हम इन प्रतीकों का सम्मान केवल संविधान की धाराओं में नहीं, बल्कि हृदय में करें। हिंदी को लेकर जो संकोच, झिझक और कृत्रिम विरोध दशकों से बना हुआ था, वह राष्ट्रीय आत्मविश्वास के लिए बाधक था। हिंदी में शपथ लेकर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस मानसिक दरार को पाटने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में हिंदी को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने का साहसिक कार्य किया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा से लेकर ब्रिक्स, जी-20 और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने हिंदी में संबोधन देकर दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी भाषा को लेकर हिचकता नहीं, बल्कि गर्व करता है। इससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने भी संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देकर ऐतिहासिक परंपरा की शुरूआत की थी। उनकी वाणी में हिंदी केवल शब्द नहीं थी, बल्कि भारत की आत्मा की ध्वनि थी। नरेंद्र मोदी ने इस परंपरा को राष्ट्रीयता, आधुनिकता, आत्मविश्वास और वैश्विक उपस्थिति के साथ आगे बढ़ाया है। उन्हें यह समझ थी कि भाषा राष्ट्रीय चेतना की नींव होती है, और जिस राष्ट्र को विश्व नेतृत्व की आकांक्षा है, उसे अपनी भाषा पर गर्व करना ही होगा। जब राष्ट्र का प्रधानमंत्री अपनी भाषा को वैश्विक मंचों पर प्रतिष्ठा दिलाता है और जब राष्ट्र का प्रधान न्यायाधीश उसी भाषा में शपथ लेता है, तब यह संकेत मिलता है कि नए भारत की भाषा नीति संकोच नहीं, बल्कि स्वाभाविक भारतीयता की पुनर्स्थापना है।

हिंदी केवल भावनात्मक आग्रह नहीं है। यह शासन, न्याय, शिक्षा, प्रशासन, मीडिया और तकनीक की भाषा बनती जा रही है। डिजिटल इंडिया और नई तकनीकी क्रांति में हिंदी की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। आज इंटरनेट पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली भाषाओं में हिंदी शीर्ष पर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन अनुवाद और डिजिटल पत्रकारिता में हिंदी का उपयोग बढ़ाना भारत की ज्ञान-आर्थिक उन्नति के लिए अनिवार्य है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी भाषाई आत्मनिर्भरता पर भी निर्भर करती है। जितनी अपनी भाषा मजबूत होगी, उतना ही विचार-निर्माण, नवाचार और जनसक्रियता मजबूत होगी। इस दृष्टि से हिंदी के प्रति उपेक्षा केवल सांस्कृतिक अपराध नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास को बाधित करने वाला संकीर्ण एवं राष्ट्र-विरोधी दृष्टिकोण भी है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ वास्तव में एक वैचारिक उद्घोष है। यह घोषणा है कि भाषा को लेकर चलने वाला हमारा पुराना आत्मद्वंद्व समाप्त होना चाहिए। राष्ट्रभाषा का सम्मान किसी क्षेत्र या समुदाय पर थोपा हुआ बोझ नहीं, बल्कि वह प्राकृतिक बंधन है जो विविधता को सामूहिकता में बदलता है। यह वह बंधन है जो भारत को भारत बनाता है। यह वह अदृश्य शक्ति है जो उत्तर से दक्षिण, पश्चिम से पूर्व और ग्रामीण से महानगरीय भारत को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोती है, व्यापार एवं विकास को गति देता है। हिंदी किसी पर थोपी जाने वाली भाषा नहीं, वह तो स्वयंस्फूर्त रूप से जनमानस की भाषा बन चुकी है। उसका विरोध अब एक राजनीतिक नाटक भर रह गया है जिसका वास्तविकता से कोई सरोकार नहीं। नए भारत ने अपने संकोचों को त्यागना शुरू कर दिया है। अपनी परंपराओं, अपने प्रतीकों और अपनी भाषा पर गर्व करना नया मानसिक स्वरूप बनता जा रहा है। न्यायपालिका से लेकर कार्यपालिका तक और वैश्विक मंचों से लेकर डिजिटल मंचों तक-हिंदी का सम्मान बढ़ रहा है। यह सम्मान न किसी के आदेश से आया है, न किसी दवाब से; यह सम्मान राष्ट्र की आत्मा से उठा है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ नए भारत की सांस्कृतिक स्वाधीनता का प्रतीक बन गई है। यह उस स्वाभिमान का उद्घोष है कि भारत अब अपनी भाषा से संकोच नहीं करेगा। यह वह क्षण है जिसने भाषा के प्रश्न को संवैधानिक गरिमा और राष्ट्रीय चेतना के सर्वोच्च स्तर पर स्थापित कर दिया है। इस कदम ने यह सिद्ध कर दिया है कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मा का प्रकाश है, एक ऐसा प्रकाश जो आत्मविश्वास, सांस्कृतिक प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय एकता की नई राहें रोशन कर रहा है। यही वह दिशा है जिसमें नया भारत आगे बढ़ रहा है-अपनी भाषा में, अपने स्वभाव में और अपनी अस्मिता में आत्मविश्वास से भरपूर।

अरुणाचल प्रकरण से उठी राष्ट्रीय एकता की आवाज

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

बीते वर्षों में भारत ने जिस प्रकार अपनी कूटनीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमाई संप्रभुता और नागरिक हित को मूल केंद्र में रखकर निर्णायक फैसले लिए हैं, उसने विश्व को यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि आज का भारत किसी भी दबाव या चुनौती के सामने झुकने वाला नहीं है। वह पूरी दृढ़ता के साथ खड़ा रहने वाला, साहस और आत्मसम्मान से भरा राष्ट्र है। सीमा पर घुसपैठ का मुंहतोड़ जवाब देना हो, अंतरराष्ट्रीय फोरम पर भारत की संप्रभुता की रक्षा करना हो, आतंकवाद के विरुद्ध सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक जैसे साहसिक कदम उठाने हों या फिर दुनिया के किसी भी संकटग्रस्त क्षेत्र में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए बड़े सैन्य अभियान चलाने हों। भारत ने हर मोर्चे पर यह सिद्ध किया है कि उसके प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा सर्वोपरि है।

अब इन सभी का नवीनतम उदाहरण अरुणाचल प्रदेश की युवती पेमा वांग थोंगडोक का मामला है, जिसमें चीन द्वारा किए गए अनावश्यक उत्पीड़न पर भारत की कड़ी और तत्पर प्रतिक्रिया ने एक बार फिर साबित किया कि भारतीय नागरिक कहीं भी हों, देश की सरकार उनके साथ खड़ी रहती है। यह कहना असंगत नहीं होगा कि भारत की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा का पूरा ढांचा पिछले 11 वर्षों में जिस तेजी से बदला है, वह केवल कूटनीतिक व्यवहार का परिवर्तन नहीं है; वह एक व्यापक, गहन और नागरिक केंद्रित बदलाव है, जिसने आम भारतीय को यह भरोसा दिया है कि उनकी सुरक्षा और सम्मान किसी भी परिस्थिति में समझौते का विषय नहीं हैं।

केंद्र सरकार ने अनेक अवसरों पर यह दिखाया है कि भारत अपने नागरिकों के हितों पर किसी प्रकार का दबाव स्वीकार नहीं करता। पेमा वांग थोंगडोक का शंघाई एयरपोर्ट पर चीनी अधिकारियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार का मामला इसी नीति का एक और सशक्त उदाहरण है, जिसने दुनिया को संकेत दिया कि भारत अब पुराने ढर्रे का शांत दर्शक नहीं, बल्कि आत्मविश्वासी, सजग और संवेदनशील राष्ट्र है। उल्लेखित है, पेमा को चीन के अधिकारियों ने करीब 18 घंटे रोके रखा। उनका भारतीय पासपोर्ट अमान्य घोषित करने का प्रयास किया गया और यह तक कहा गया कि उनका जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है।

भारतीयता के संदर्भ में यह एक नागरिक को प्रताड़ित करने की घटना से अधिक भारत की संप्रभुता को चुनौती देने का स्पष्ट प्रयास था। घटना सामने आते ही भारत ने चीन को कड़ा संदेश दिया और यह दर्शाया कि देश अपनी सीमाई अखंडता के मुद्दे पर किसी प्रकार का दबाव या अपमान सहन नहीं करेगा। इसलिए पेमा ने कहा भी कि भारत सरकार का हर कदम सभी भारतीयों के हित में होता है। वस्तुतः यह वाक्य आज के भारत की कूटनीतिक सोच और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का सार है।

यथार्थ यह है कि पेमा का मामला कोई अपवाद नहीं है, पिछले 11 वर्षों की उस निरंतरता का हिस्सा है जिसमें मोदी सरकार ने हर संकट में अपने नागरिकों को प्राथमिकता दी है। इसी वर्ष ईरान-इजरायल संघर्ष तेज होने पर 18 जून को भारत ने ऑपरेशन सिंधू चलाया। युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे भारतीयों खासकर छात्रों को सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया तत्काल आरंभ हुई। शुरूआती चरण में लगभग 110 लोगों को सुरक्षित लौटाया गया और बाद में यह अभियान व्यापक रूप से जारी रहा। दक्षिण-पूर्व एशिया, विशेष रूप से कंबोडिया में फर्जी नौकरी एजेंटों के जाल में फंसे भारतीयों की समस्या को भी भारत ने गंभीरता से लिया। 05 दिसंबर 2024 को दूतावास सक्रिय हुआ और स्थानीय प्राधिकारियों के सहयोग से लगातार बचाव तथा प्रत्यावर्तन कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही बहुभाषी हेल्पलाइन, ई-माइग्रेट पोर्टल और सोशल मीडिया के माध्यम से एक उत्तरदायी शिकायत तंत्र तैयार किया गया है, जो दुनिया भर में किसी भी संकट में भारतीय नागरिकों के लिए तुरंत सहायता सुनिश्चित कर रहा है। साल 2023 में सूडान में युद्ध के हालात बने तो भारत ने ऑपरेशन कावेरी चलाया। 24 अप्रैल से 05 मई तक भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना के संयुक्त अभियान में लगभग 3,862 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। अंधेरे में बिना किसी प्रकाश व्यवस्था वाले हवाई पट्टी पर वायुसेना के विमानों का उतरना और नौसेना के जहाजों का युद्ध क्षेत्र से लोगों को समुद्री मार्ग से निकालना, ये सभी निर्णय इस बात के प्रमाण हैं कि भारत बड़े युद्धकालीन संकटों में ही नहीं बल्कि रोजमर्रा की चुनौतियों में भी अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा कवच तैयार रखता है।

साल 2022 के ऑपरेशन गंगा को कौन भूल सकता है? रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच हजारों भारतीय विद्यार्थियों को सुरक्षित निकालना, युद्धक्षेत्र में विमान भेजना, यह भारत की नागरिक हित प्रतिबद्धता का अभूतपूर्व उदाहरण था। साल 2021 में तालिबान कब्जे के दौरान ऑपरेशन देवशक्ति चलाकर भारत ने अपने नागरिकों के साथ अन्य मित्र देशों के लोगों को भी सुरक्षित निकाला। कोविड-19 महामारी के दौरान चला वंदे भारत मिशन तो इतिहास का सबसे बड़ा नागरिक-उद्धार अभियान सिद्ध हुआ है, जिसमें लाखों भारतीयों को दुनिया भर से सुरक्षित वापस लाया गया। इसी प्रकार साल 2020 और उसके बाद समुद्री डकैती और जहाज-हाइजैकिंग की घटनाओं में भारतीय नौसेना ने दुनिया के किसी भी हिस्से से भारतीय नाविकों और जहाजों को संरक्षित कर यह दिखा दिया कि वह वैश्विक समुद्री सुरक्षा में भी सबसे विश्वसनीय शक्ति है। इससे पूर्व साल 2015 में यमन से चलाया गया ऑपरेशन राहत भी हजारों लोगों की जान बचाने में सफल रहा।

दैनिक पंचांग

27 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

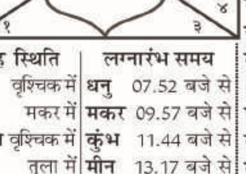

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.52 बजे से
चंद्र	मकर में	मकर	09.57 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	11.44 बजे से
बुध	तुला में	मीन	13.17 बजे से
गुरु	कर्क में	मेष	14.47 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	16.27 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	18.26 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.39 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.55 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	कन्या	01.07 बजे से
		तुला	03.18 बजे से
		वृश्चिक	05.32 ब.से

गुरुवार 2025 वर्ष का 331 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 00.31 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 02.32 बजे रात्र को समाप्त।
योग ध्रुव 12.09 बजे को समाप्त।
करण गर 12.22 बजे तदनन्तर वणिज 00.31 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 6.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 21°08'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872541
जूलियन दिन 2461006.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 05

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

आदिवासी छात्र संघ ने बाबा साहब की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

सिमडेगा : संविधान दिवस के अवसर पर आदिवासी छात्रसंघ सिमडेगा जिला समिति के प्रतिनिधिमंडल मंडल ने संविधान निमार्ता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। छात्रसंघ ने कहा बाबा साहब का संदेश शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। इसको आदर्श मानकर युवाओं को आगे बढ़ना चाहिए। मौके पर ठेठईटांगर पश्चिमी जिप सदस्य सह आदिवासी छात्रसंघ के जिला संयोजक अजय एक्का, आदिवासी छात्रसंघ के जिलाध्यक्ष रोशन डुंगडुंग, एरेन समद, रवि प्रधान, इग्नासियुस बाः सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

डोमचांच में संविधान दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

डोमचांच : बुधवार को प्रखंड के विभिन्न कार्यालय, शिक्षण संस्थानों व सभी पंचायत सचिवालयों में भारतीय संविधान दिवस सम्मान के साथ मनाया गया। जैसा कि मालूम हो यह दिन 26 नवंबर भारत के इतिहास में बेहद महत्वपूर्ण है इसी दिन हमारे देश को एक ऐसा दस्तावेज मिला था जिसमें सभी नागरिकों को समान अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बेहद जीवन जीने का अधिकार प्राप्त हुआ। इस अवसर पर बच्छेडीह पंचायत सचिवालय में स्थानीय मुखिया बीना देवी की अध्यक्षता में भारतीय संविधान दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां मुख्य रूप से पंचायत सेवक प्रशांत तरर्वे, उपस्थित थे । इस दौरान मुखिया बीना देवी के द्वारा भारतीय संविधान के लोकतंत्र नींव को सलाम करते हुए विभिन्न पहलुओं का व्याख्या प्रस्तुत किया गया जबकि रोजगार सेवक रविकांत रवि के द्वारा संविधान के प्रस्तावना की शपथ दिलाई गईं तत्पश्चात राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। मौके पर वार्ड सदस्य युसूफ अंसारी, आशा देवी, चंद्रावती देवी, वीरेंद्र यादव, सीएससी संचालक दीपक कुमार कई जलसहिया एवं सहिया दीदी मौजूद थे।

पलामू में अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत

पलामू : झारखंड में पलामू जिले के पांकी, सदर और पिपरा थाना क्षेत्र में पिछले 24 घंटे के दौरान हुए तीन अलग–अलग सड़क हादसों में एक किशोर सहित तीन लोगों की मौत हो गई। सभी शवों का बुधवार को मेदिनीनगर स्थित मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एमएमसीएच) में पोस्टमार्टम कराया गया। पहला हादसा सदर थाना क्षेत्र के सिंगरा गांव में हुआ, जहां चार पहिया वाहन की टक्कर से बाइक सवार मिथिलेश कुमार (29) गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए उसे एमएमसीएच लाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मिथिलेश कोकरसा गांव का निवासी था और मेदिनीनगर से इलाज कराकर लौट रहा था। उसकी शादी इसी वर्ष जून में हुई थी और वह माइंस का वाहन चलाता था। दूसरी घटना पांकी थाना क्षेत्र के ताल गांव में हुई। यहां एक पिकअप वाहन की चपेट में आने से 10 वर्षीय लीलेश कुमार की मौत हो गई। वह अपने भाई के साथ मिठाई की दुकान से लौट रहा था, तभी ओवरटेक करने के दौरान पीछे से वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल बच्चे को पांकी सीएचसी से एमएमसीएच भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लीलेश आसेहार गांव का रहने वाला था और अपनी बुआ के घर ताल गांव में रहता था।

चोरी-गृहभेदन गिरोह का मास्टरमाइंड पकड़ाया, चार सहयोगी भी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

माण्डू : थाना काण्ड सं0-126/2025, दिनांक-18.06.2025, धारा-317(4)/317(1) (112(2)/3(5)/ 61(2) इठर के अनुसंधान के क्रम में अजय कुमार, पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कांड के प्रा०अभि० मो० हरिरा उर्फ अरमान खान उर्फ दानिश उर्फ राजू को गिरफ्तार किया गया, जिसके अपराध स्वीकारोक्ति बयान एवं निशानदेही पर टीम गठित कर रामगढ़, हजारीबाग, रांची के विभिन्न जगहो पर छापामारी करते हुए चोरी/गृहभेदन के विभिन्न कांडों का उदभेदन किया गया साथ हीं कई कांडों में चोरी के जेवरात, कांड में प्रयुक्त चार पहिया वाहन, मोटरसाईकिल तथा चोरी के पैसों से खरीदा गया कार, बुलेट मोटर साईकिल, लैपटॉप, टी०वी० आदि सामान को बरामद किया साथ ही चोरी के कांडों में संलिप्त रहे अपराधकर्मी एवं चोरी के सामानों को खरीद-बिक्री करने वाले अन्य 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया एवं सामान जप्त किया गया है। प्रा०अभि० मो० हरिरा उर्फ अरमान खान उर्फ दानिश उर्फ राजू जो हजारीबाग, रामगढ़ के कुज्जू, घाटो, बरकाकाना जगहों पर विगत कई महीनो से गिरोहो बनाकर बन्द घर को निशाना बनाकर चोरी की घटना को अंजाम देते आ रहा था, इसकी तलाश हजारीबाग एवं अन्य कई जिलों की पुलिस के द्वारा लगातार किया जा रहा था तथा इसकी गिरफ्तारी हेतु कई स्थानों पर छापामारी भी किया जा रहा था। वर्तमान में बिहार राज्य में हो रहे विधान सभा चुनाव के दौरान हो रहे रैलीयों में अपने गिरोह के सदस्यों के द्वारा पॉकेट मारी जैसी घटना को अंजाम दिया जा रहा था। वर्तमान में यह पश्चिम बंगाल में होने वाले विधान सभा चुनाव में मी रैली में पॉकेट मारी की योजना बनाकर पश्चिम बंगाल जाने की तैयारी में था। इसके पकड़े जाने से हजारीबाग, रामगढ़ एवं अन्य कई जिलों में गृहभेदन/चोरी जैसे काण्डों का उद्‌भेदन हुआ है। मो० हरिरा उर्फ अरमान खान उर्फ दानिश उर्फ राज चोरी/ गृहभेदन/ छिनतई/पॉकेट मारी से काफी पैसा कमाता था और उन पैसो से महंगे होटल, गाड़िया एवं अन्य कई तरह के शौक को पूरा करता था।

40 लाख रुपए लेकर कोलकाता जा रहे युवक को जीआरपी ने किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जीआरपी कोडरमा ने मंगलवार को 40 लाख रुपए के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा है। जीआरपी को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मोटी रकम के साथ कोडरमा से कोलकाता जाने वाला है। इसके बाद जीआरपी ने कोडरमा स्टेशन परिसर पर गश्त बढ़ा दी। स्टेशन परिसर के प्लेटफॉर्म संख्या 3 पर शाम 4:30 बजे संदेह के आधार पर एक व्यक्ति को एक बैग के साथ पकड़ा गया। बैग में रखे सामान के बारे में पूछा गया, तो उसने बताया कि उसमें 25 लाख रुपए नगद हैं। बैग की तलाशी लेने के बाद पैसों की गिनती की गयी, तो 40 लाख रुपए मिले। इस व्यक्ति की पहचान अमित कुमार पिता सुनील बरनवाल ग्राम सिकंदरा, जिला जमुई, बिहार के रूप में हुई है। पकड़े गये व्यक्ति ने बताया कि वह सोना-चांदी का व्यवसाय करता है। आभूषण खरीदने के लिए पैसे लेकर कोलकाता जा रहा था। वह कोडरमा स्टेशन से वंदे भारत ट्रेन से कोलकाता जाने वाला था।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत एक कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ कैंट मण्डल अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव के अध्यक्षता में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान एवं हर घर स्वदेशी घर घर स्वदेशी कार्यक्रम को लेकर एक कार्यशाला अशोका होटल के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता डॉ संजय प्रसाद सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के तस्वीर पर माल्यार्पण कर और पुष्प निवेदित करते हुए दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया गया। आए हुए अतिथियों को अंगवस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर मंडल के पदाधिकारियों द्वारा स्वागत और सम्मानित किया गया।संचालन कार्यक्रम संयोजक एवं महामंत्री ऋषिकेश सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन नगर मंत्री अजीत गुप्ता ने दिया। कार्यशाला में संबोधित करते डॉ संजय जी ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य संगठन द्वारा निर्धारित कार्य योजना को कैसे करना है की जानकारी दी जाती है। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान और हर घर स्वदेशी घर घर स्वदेशी को कार्यान्वित करना है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर छोटी छोटी चीजों को लेकर आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने में लगे हैं हम सब अपने गिलहरी प्रयास से विकसित भारत के संकल्प को साकार कर सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित जिला मीडिया प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद, वरिष्ठ नेता सहदेव ठाकुर मनोज जायसवाल बसुध तिवारी, धीरज साहू,बृजेश पाठक, मिथलेश कुमार कश्यप, राजेश ठाकुर , मणिशंकर ठाकुर ,कुणाल दास , सुरेंद्र शर्मा, अरविंद सिंह, संजय श्रीवास्तव, शिवकुमार गुप्ता मनोज कुमार सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता कार्यशाला में उपस्थित थे।

योजनाओं का लाभ अब सीधे जनता तक यही सरकार की प्रतिबद्धता : प्रवीण कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चंदवारा : चंदवारा प्रखंड के चंदवारा पश्चिमी पंचायत पंचायत सचिवालय में आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम एवं सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी सुमित कुमार मिश्रा सांसद प्रतिनिधि प्रवीण कुमार बंटी उपप्रमुख खुशबू मुखिया संतोष कुमार कुशवाहा दीप प्रज्वलित कर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में आए ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि प्रवीण कुमार बंटी ने कहा सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक जनसेवा अब आपके द्वार पर उपलब्ध हो। इस शिविर के माध्यम से ग्रामीणों की जरूरतों और समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। आम जनता को योजनाओं का लाभ बिना किसी परेशानी के मिले यही हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जॉब कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आय एवं निवास प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, दाखिल-खारिज, वृद्धा, विधवा, दिव्यांग पेंशन सहित अनेक सेवाओं से संबंधित आवेदनों का ऑन-द-स्पॉट निवारण किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को बार-बार प्रखंड कार्यालय नहीं जाना पड़े।

मेश प्रसाद यादव बीएड कॉलेज में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में दिनांक 26.11.2025 दिन बुधवार को महाविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास समिति के तत्वधान में भारत में सीबीएसई, आईसीएसई और जैक बोर्ड के वर्तमान मानदंडों एवं विनियम विषय पर एकदिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथी के तौर पर शिक्षाविद सह मंजुला शर्मा मेमोरियल अकादमी डोमचांच के प्रशासक राम प्रवेश पांडेय व पीएम श्री प्रोजेक्ट गर्ल्स प्लस टू हाई स्कूल के प्रभारी प्राचार्य ओमप्रकाश सिन्हा एवं बीपीएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्राचार्य भूपेंद्र ठाकुर मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती की छायाचित्र एवं द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत पौधा देकर किया गया। कार्यक्रम का विषय प्रवेश सहायक प्राध्यापक राजेश पांडेय ने किया। ओमप्रकाश ने जैक बोर्ड से सबंधित नियम परिनियम पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने वर्ग अष्टम बोर्ड, नवम बोर्ड, माध्यमा बोर्ड, मदरसा बोर्ड के परीक्षा पैटर्न के बारे में अलग-अलग बताया। वहीं रामप्रवेश पांडेय ने सीबीएसई पैटर्न के शुरूआती दौर से वर्तमान दौर तक के नियम-परिनियम पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षुओं को सीबीएसई के अंतर्गत चलने वाले स्कूलों और उनमें पढ़ाने वाले शिक्षकों के द्वारा क्वालिटी ऑफ एजुकेशन पर फोकस किये जाने से संबंधित बातों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि, सीबीएसई पैटर्न में बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार हो रहा है, जिससे रटने की बजाय समझ और अनुप्रयोग पर जोर दिया जा रहा है।

संविधान हमें समानता, न्याय और स्वतंत्रता का मार्ग दिखाता है और बच्चों को इन मूल्यों से जोड़ना हमारा कर्तव्य है : विजयंत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर ए ला एंगलाइज विद्यालय में लायन क्लब भुरकुंडा के सौजन्य से एक भव्य एवं प्रेरणादायी पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में संविधान के प्रति सम्मान, लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ एवं नागरिक दायित्वों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय की प्राचार्य विजयंत कुमार, लायन क्लब के अध्यक्ष लायन अशोक सिंहा,सचिव अखिलेश शर्मा तथा कोषाध्यक्ष निर्मल अग्रवाल द्वारा संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ की गई। इसके उपरांत सभी छात्रझ्छात्राओं द्वारा संविधान की प्रस्तावना का जोरदार सामूहिक पाठ किया गया, जिसने पूरे वातावरण को देशभक्ति से भर दिया। इस अवसर पर विद्यालय में आयोजित दो महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं के विजेताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया 1. पीस पोस्टर प्रतियोगिता 2. स्टोरी टेलिंग प्रतियोगिता पीस पोस्टर प्रतियोगिता में छात्रों ने विश्व में शांति, सहअस्तित्व, सद्भाव और भाईचारे का संदेश कला के माध्यम से बड़े ही प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। रंगों और कल्पनाओं का अद्भुत मिश्रण देखकर निर्णायकगण ने छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा की प्रशंसा की। सीबीएसई की कहानी वाचन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी आवाज, अभिव्यक्ति, संवाद शैली और नैतिक संदेशों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों ने समाज, पर्यावरण, नैतिकता, साहस और एकता पर आधारित कहानियाँ सुनाकर खूब तालियाँ बटोरीं।
पीस पोस्टर प्रतियोगिता में विजय सपना टुडू एवं उसके अभिभावक को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया वहीं विद्यालय स्तर पर कहानी वाचन प्रतियोगिता में माही सोनी प्रथम स्थान तथा दूसरे स्थान पर विनय कुमार रहे। माध्यमिक वर्ग में इकरा प्रवीण प्रथम स्थान हासिल की तथा दूसरे स्थान पर आफिया नाज रही। लायन क्लब भुरकुंडा के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने सभी विजयी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र एवं मेडल प्रदान कीं। उन्होंने बच्चों के उत्साह और प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ह्रकला और कहानी कहना केवल प्रतियोगिताओं का विषय नहीं, बल्कि यह बच्चों के व्यक्तित्व विकास का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजन उनके आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील बनाते हैं। प्राचार्य विजंयत कुमार ने संविधान दिवस के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संविधान केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं, बल्कि यह देश की आत्मा और एकता का आधार है।

संक्षिप्त खबरें

श्री अग्रसेन स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मना संविधान दिवस

भुरकुंडा : श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में बुधवार को संविधान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम विशेष सभा का आयोजन हुआ। जिसमें विद्यार्थियों को संविधान से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें बताई गई। संविधान दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को भारतीय लोकतंत्र, न्याय और समानता के बारे में बताया गया। सभी ने सामूहिक रूप से भारतीय संविधान की प्रस्तावना प्रस्तुत किया। सभी को संवैधानिक मूल्यों के पालन, कर्तव्यों के निर्वहन और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य विवेक प्रधान ने कहा कि भारतीय संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की आत्मा है, जो हमें एकता, समानता और न्याय के मार्ग पर चलना सिखाता है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रस्तावना का पाठ केवल शब्दों का वाचन नहीं, बल्कि मूल्यों का संकल्प है, जिसे हमें अपने जीवन में उतारना चाहिए। शिक्षिका साधना सिन्हा ने डॉ भीमराव आंबेडकर सहित संविधान निमार्ताओं के अथक परिश्रम पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों से ज्ञान, अनुशासन और जागरूकता के माध्यम से देश के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की बात कही। संविधान दिवस के मौके पर वाद–विवाद प्रतियोगिता, कविता पाठ, भाषण प्रतियोगिता में बच्चों ने लोकतंत्र, समानता, अधिकारों तथा कर्तव्यों जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। आयोजन को सफल बनाने में मम्पी पॉल, दीपशिखा कुमारी, ज्योति कुमारी, सोनम खातून का योगदान रहा।

सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत विभिन्न पंचायतों में शिविर का हुआ आयोजन

रामगढ़ : राज्य सरकार ने पूर्व निर्धारित आपकी योजना–आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम को सेवा का अधिकार सप्ताहत्र के रूप में 21 से 28 नवम्बर 2025 तक मनाये जाने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में शिविर के छठे दिन बुधवार को रामगढ़ जिले के 27 स्थलों पर शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। मौके पर शिविरों के लिए जिला स्तर से प्रतिनियुक्त वरीय अधिकारियों, नोडल अधिकारियों सहित प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों के द्वारा सरकार के विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ एवं परीसंपत्तियों का वितरण लाभुकों के बीच किया गया। शिवर के दौरान झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 को प्राथमिकता देते हुए लोगों से आवेदन लिए गए ।इस कार्यक्रम अन्तर्गत पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन कर त्रझारखण्ड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 में सूचीबद्ध राज्य सरकार के विभिन्न सेवाओं का अधिकाधिक लाभ शिविर में ही आमजनों को समयबद्ध रूप में उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही इन शिविरों में सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी भी आम–जन तक पहुँचाने हेतु विशेष व्यवस्था की गयी है। इसके अलावा इस कार्यक्रम अन्तर्गत जिले की सभी पंचायतों में एक शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

जिले भर के विद्यालयों में मनाया गया संविधान दिवस

रामगढ़ : संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के निदेर्शानुसार संविधान दिवस के अवसर पर जिले भर के सभी सरकारी व निजी विद्यालयो में संविधान दिवस मनाया गया। शिक्षक व बच्चे भी संविधान के नियम एवं कर्तव्यों का पालन करने का सामूहिक रूप से शपथ लिए। वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम ने कहा कि हमारे देश के संविधान मानवीय गरिमा,समानता और स्वतंत्रता को सर्वोच्च महत्व देता है सभी लोगों को उनके कर्तव्यों की याद दिलाता है कि वे इन कर्तव्यों को हमेशा पूरा करने का प्रयास करें। वहीं जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर के द्वारा निर्मित संविधान को 26 नवंबर 1949 ई.को संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया । संविधान हमारे देश का मूलभूत कानून है जो सरकार की शक्तियों और सीमाओं तथा नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों का पालन करने का याद दिलाता हैं। वहीं अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी नलिनी रंजन ने कहा कि जिले भर में अनुशासन और सम्मान के साथ संविधान के नियमों का पालन करने का शपथ लेते हुए संविधान के महत्व को बच्चों को बतलाया गया।

लोकतान्त्रिक आदर्शो का प्रतिक है सविंधान : बी एन साह

रामगढ़ : बुधवार को राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में सविधान दिवस मनाया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने कहा की भारतीय सविंधान केवल सर्वोच्च मानवीय मूल्यों, सामाजिक न्याय, समानता और लोकतान्त्रिक आदर्शो का प्रतिक ही नहीं है बल्कि यह नागरिकों के सम्मान का आधारशिला भी है यह हमारे आदर्श का प्रतीक है। भारतीय संविधान हमारी एकता अखंडता और सतत प्रगति का परिचायक है। संस्था सचिव प्रियंका कुमारी ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम सबों का कर्तव्य है कि हम सभी संविधान में निहित मूल्य और सिद्धांतों का निष्ठा पूर्वक पालन करें और विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभावें। कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि ने छात्र–छात्राओं को हमारे संविधान की महत्ता को समझाया साथ ही उन्होंने कहा कि संविधान राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति का आधार होने के साथ ही हर नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और अवसर भी प्रदान करता है।

एक नजर

बांधडीह चौक के पास कार पेड़ से टकराई, एक ही परिवार के चार लोग घायल

बोकारो : जरीडीह थाना क्षेत्र के बांधडीह फोरलेन चौक के समीप एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। हादसे में एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए।जानकारी के अनुसार, सभी लोग रांची से एक शादी समारोह में शामिल होकर बोकारो लौट रहे थे। इसी दौरान बोकारो को-ऑपरेटिव कॉलोनी निवासी जितेंद्र प्रसाद द्वारा चलाई जा रही कार बांधडीह चौक के पास अनियंत्रित हो गई। बताया जा रहा है कि ड्राइव करते वक्त जितेंद्र प्रसाद को झपकी आ गई, जिससे गाड़ी पर नियंत्रण खो बैठने से सड़क किनारे पेड़ से जोरदार टक्कर हो गई।हादसे में जितेंद्र प्रसाद, उनकी पत्नी जोली प्रसाद, धनबाद निवासी भवदेश प्रसाद और उनकी पत्नी मीणा प्रसाद घायल हो गए। बताया जाता है कि दोनों परिवार आपस में रिश्तेदार हैं।स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को जैनामोड़ रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए बोकारो सदर अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं, जरीडीह थाना पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

दोहरे हत्या का पुलिस ने किया खुलासा आरोपित गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिम सिंहभूम जिले के गुवा थाना क्षेत्र के लिपुंगा गांव स्थित बालमुचू टोला में 24 नवंबर की रात हुई दोहरे हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपित जंगम बालमुचू (35) को गिरफ्तार किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (किरीबुरू) अजय केरकेट्टा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम में गुवा थाना प्रभारी नीतीश कुमार, पुलिस पदाधिकारियों और सशस्त्र बलों की टीम ने छापेमारी अभियान शुरू किया। जांच के दौरान पुलिस ने दो स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में आरोपित जंगम बालमुचू (35), पिता बुधराम बालमुचू, निवासी लिपुंगा (साकेझार टोला) को उसके घर के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपित ने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया है। छापेमारी टीम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजय केरकेट्टा, गुवा थाना प्रभारी नीतीश कुमार, बड़ाजामदा ओपी प्रभारी बालेश्वर उरांव, ललन कुमार मंडल, गणेश शंकर गौड़, सीमल हांसदा, सतीश कुमार सिंह सहित गुवा थाना के अन्य सशस्त्र बल शामिल थे। इस मामले में पीड़ित चरण बालमुचू के आवेदन पर गुवा थाना (कांड संख्या 48/2025) 25 नवंबर 2025 को दर्ज किया गया था।

लूटकांड में शामिल एक आरोपित गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : बिरसानगर थाना क्षेत्र में विश्वकर्मा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय में हुई लूट की घटना का पुलिस ने बुधवार को एक अन्य आरोपित सूरज कांरवा को गिरफ्तार किया है। इस कांड में 10 लाख 25 हजार रुपये और दो मोबाइल फोन की लूट की गई थी। 10 नवंबर को हुई घटना के वादी पंकज कुमार सिंह ने पुलिस को लिखित शिकायत में बताया था कि जोन नंबर-11 स्थित उनके कार्यालय में हथियार के बल पर अज्ञात अपराधियों ने नकदी और मोबाइल लूटकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर बिरसानगर थाना में मामला दर्ज किया गया। वहीं घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक, नगर के नेतृत्व में एक एसआईटी टीम गठित की गई। टीम ने पूरे शहर की सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपितों की पहचान की।

प्री-बोर्ड परीक्षा के दौरान राजकीयकृत उच्च विद्यालय लिट्टीपाड़ा केंद्र का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

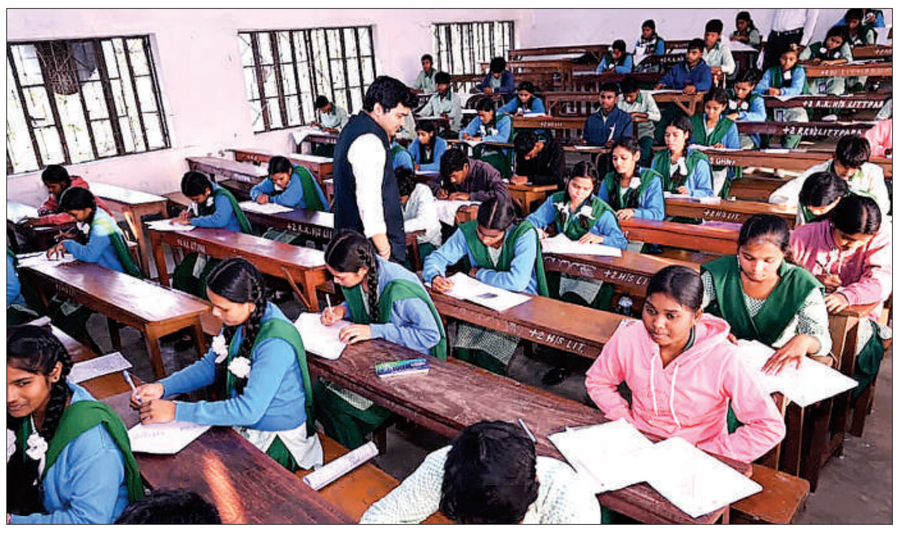

पाकुड़/लिट्टीपाड़ा : ज़िले में आगामी मैट्रिक एवं इंटर बोर्ड परीक्षा 2026 में विद्यार्थियों की तैयारी को सुदृढ़ करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा परख टेस्ट के अंतर्गत प्री-बोर्ड परीक्षा का आयोजन जिलेभर में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 24 से 27 नवम्बर 2025 तक किया जा रहा है। इसी क्रम में उपायुक्त मनीष कुमार ने आज राजकीयकृत उच्च विद्यालय लिट्टीपाड़ा परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया और परीक्षा संचालन की सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से आकलन किया। उपायुक्त ने कहा कि प्री-बोर्ड परीक्षा को फाइनल परीक्षा की भांति आयोजित करने का उद्देश्य छात्रों में समय प्रबंधन, अनुशासन और वास्तविक परीक्षा-दबाव की समझ विकसित करना है। उन्होंने परीक्षा कक्षों, बैठने की व्यवस्था, प्रश्नपत्र वितरण प्रणाली तथा पर्यवेक्षण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए केंद्राधीक्षक और शिक्षकदल को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि बोर्ड पैटर्न पर आधारित प्रश्नपत्र छात्रों की वास्तविक तैयारी जानने में अत्यंत सहायक होंगे।

जिलेभर में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई परीक्षाएँ

आज जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में प्री-बोर्ड परीक्षा सुचारू और अनुशासित माहौल में संचालित हुई। कक्षा 10 के विद्यार्थियों ने प्रथम पाली में विज्ञान, द्वितीय पाली में उर्दू/बंग्ला/संस्कृत/संथाली की परीक्षा दी। कक्षा 12 के विद्यार्थियों ने प्रथम पाली में गणित/राजनीतिक विज्ञान एवं द्वितीय पाली में अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा दी। उपायुक्त ने कहा कि प्री-बोर्ड परीक्षा विद्यार्थियों की वास्तविक तैयारी को परखने और उनकी कमजोरियों की पहचान कर उन्हें समय रहते सुधार का अवसर देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल गुणवत्तापूर्ण शिक्षण को बढ़ावा देने के साथझसाथ मुख्य परीक्षा में बेहतर एवं उत्कृष्ट परिणाम सुनिश्चित करने में सहायक होगी।

व्यवहार न्यायालय में संविधान दिवस का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : संविधान दिवस के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार ने आज व्यवहार न्यायालय में न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना को पढ़ाया। उन्होंने कहा कि संविधान देश का सर्वोच्च विधान है, जो सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा अवसर की समानता प्रदान करता है। इस अवसर पर सभी ने संविधान के मूल सिद्धांतों-न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व-को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम शेखर कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सिंधुनाथ लमाये, सीनीयर सिविल जज अलोक मरांडी, रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी राहुल कुमार, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सुमित कुमार वर्मा, चीफ लीगल एड डिफेन्स कौसिल-न्याय रक्षक अरविन्द गोयल और उनकी टीम न्यायालय कर्मी, पारा लीगल वॉलिंटियर्स आदि थे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि इस अवसर पर प्रत्येक प्रखंडों और विद्यालयों में पारा लीगल वॉलिंटियर्स-न्याय मित्रों द्वारा बच्चों एवं आम जनमानस को भी संविधान की प्रस्तावना को दोहराया गया।

हाजीपुर-दियारा व भीठा में घरेलू एयरपोर्ट निर्माण के लिए प्री-स्टडी टीम का स्थल निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के सदर अंचल क्षेत्र के हाजीपुर दियारा व भीठा में घरेलू एयरपोर्ट व एयर कार्गो हब निर्माण को लेकर प्रशासन की चिन्हित 484.30 एकड़ जमीन का भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, नई दिल्ली की छह सदस्यीय टीम ने मेघा रोहिल्ला के नेतृत्व में प्री विजिबिलिटी स्टडी की। इस दौरान अपर समाहर्ता गौतम भगत, सदर एसडीओ अमर जॉन आइन्द, सदर सीओ बासुकीनाथ टूडू ने टीम को स्थल भ्रमण करा उन्हें आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई। टीम ने स्थल का भौतिक निरीक्षण कर नक्शे से इसका मिलान किया। वहीं प्रस्तावित भूमि के प्रकार, एयरपोर्ट एरिया, रनवे सहित एनएच 80, व एनएच 33 से इसकी दूरी, रास्ते व अप्रोच, आसपास पहाड़ व नदी, तालाब की पूरी जानकारी हासिल की। अपर समाहर्ता गौतम भगत ने बताया कि दिल्ली से आई टीम ने स्थल निरीक्षण किया है। एक महीने बाद इसकी रिपोर्ट आएगी। टीम को बताना है कि यहां एयरपोर्ट बनाना है या नहीं। प्रशासन ने इसके लिए 495 एकड़ जमीन चिन्हित की है। जिसमें 57 एकड़ सरकारी व शेष जमीन रैयती है। सभी रैयती जमीन का अधिग्रहण कर एयरपोर्ट निर्माण कराया जाएगा। विमानपत्तन की टीम ने बोट से बंदरगाह का भी जायजा लिया। मौके पर टीम का नेतृत्व गिरिराज शर्मा के साथ मेघा रोहिल्ला, नवीन जाकुला, सुनील कुमार, संजीव सरकार व मोहित गुप्ता शामिल थे। संजीव कुमार पूर्णिया एयरपोर्ट पर कार्यरत हैं जबकि शेष दिल्ली से आए हैं।

पाकुड़ में जिला शिक्षा अधीक्षक ने सभी पदाधिकारियों को दिलाई संविधान की शपथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में संविधान दिवस के शुभ अवसर पर बुधवार को समग्र शिक्षा सभागार, पाकुड़ में सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड एम.आई.एस., प्रखंड साधन सेवी एवं संकुल साधन सेवियों की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत संविधान के प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर सभी पदाधिकारियों एवं शिक्षाकर्मियों को संविधान की शपथ दिलाने के साथ हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार द्वारा की गई। उन्होंने संविधान दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा विभाग देश के भावी नागरिकों के निर्माण का आधार है, अतः सभी कर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और अनुशासन के साथ करना चाहिए। इसके उपरांत शिक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण एजेंडों की गहन समीक्षा की गई। UDISE में बच्चों का डाटाबेस अपडेट, शिक्षक उपस्थिति दर्जा एवं निगरानी, छात्र उपस्थिति सुनिश्चित करने की रणनीति, उहरठ नामांकन एवं अनुवर्ती प्रक्रियाएँ, वोकेशनल शिक्षा में नामांकन की प्रगति, निपुण भारत मिशन की उपलब्धियाँ एवं आगामी लक्ष्य, छात्रों का आधार नामांकन और अद्यतन, प्रोजेक्ट फ्अक्छ के क्रियान्वयन की स्थिति आदि की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। जिला शिक्षा अधीक्षक ने सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्यालयों में उपस्थिति, गुणवत्ता सुधार, नामांकन वृद्धि और सीखने के स्तर को बेहतर करने के लिए सतत रूप से मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सहित समग्र शिक्षा कार्यालय के सभी सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति कल्याण समिति ने अंबेडकर भवन के प्रांगण से पथ संचलन निकाला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर से बुधवार 26 नवम्बर 2025 को सुबह 11 बजे स्थान दहिया टोला स्थित अंबेडकर भवन के प्रांगण से मुलनिवासी संघ जिला ईकाई साहेबगंज बैनर के द्वारा बामसेफ, अंबेडकर संस्था, भीम आर्मी, अनुसूचित जाति कल्याण समिति, डॉ अंबेडकर सेवा संस्था, नगर परिषद साहेबगंज के तत्वावधान में पथ संचलन कार्यक्रम का आरंभ हुआ। शहर के भ्रमण करते हुए नगर परिषद् साहेबगंज परिसर में जाकर बाबा साहब अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं संविधान की प्रस्तावना पढा गया, नगर परिषद परिसर से लौटते समय लौह पुरुष बल्लभभाई पटेल के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर स्टेशन चौक, ग्रीन होटल, कुलीपाड़ा दुर्गा स्थान होते हुए दहिया टोला स्थित अंबेडकर भवन के प्रांगण में पहुंचकर संविधान पर विचार गोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ। गणसभा के अध्यक्षता बालदेव उरॉव ने किया, विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने फुलकुमार रजक, अनिल पासवान, रामेश्वर मंडल, रामाआशिष यादव, मंच संचालन आदित्य नारायण ने किया, पंथ संचलन एवं गणसभा उपस्थित लोग - बालदेव उरॉव, अनिल पासवान, चंद्रशेखर मंराडी, रंजीत पासवान, फुलकुमार रजक, अनुपलाल हरि, शिव हरि, छोटेलाल पासवान , शंभू पासवान, शेखर पासवान, वीरेन्द्र मंडल, अजमत हुसैन, कपिल दास, विजय रविदास, सोनू कुमार रजक, महावीर मंडल, लक्ष्मण रविदास, पशुपतिनाथ मंडल, दिनेश पासवान, रणधीर चौरसिया, दिलीप कुमार, रामसरूप यादव, धर्मेद्र उरॉव, आदित्य कुमार विजय कुमार, बुद्ध राम उरॉव, प्रकाश उरॉव, अभिजित कुमार, सोनू कुमार, आकाश उरॉव, राजेश मंडल व अन्य लोग शामिल थे।

डीपीएस बोकारो में विद्यार्थियों ने ली संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की शपथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भारतीय संविधान अंगीकार करने के 76 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बुधवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो में संविधान दिवस विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं समस्त कर्मियों ने भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के दूरदर्शी योगदानों को नमन किया। विद्यालय की प्राइमरी व सीनियर, दोनों ही इकाइयों में विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के साथ मिलकर संवैधानिक प्रावधानों और नियमों के अनुपालन तथा इसकी रक्षा की शपथ ली। सभी ने अपने दैनिक जीवन में संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों को बनाए रखने का संकल्प लिया। प्राथमिक कक्षाओं के छात्र-छात्राओं के लिए एक विशेष सभा आयोजित की गई। इसमें विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने, भारतीय संविधान के महत्व तथा इसे तैयार करने वाली संविधान सभा की प्रक्रिया के बारे में की जानकारी दी गई। शुरूआत भारत के संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक पाठ के साथ हुई, जिसने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल मूल्यों पर विशेष बल दिया। इसके बाद संवैधानिक दायित्वों व अधिकारों की महत्ता से अवगत कराने के उद्देश्य से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, कविता पाठ और भाषण का भी आयोजन किया गया। तदुपरांत शपथ-ग्रहण हुआ। इसके अलावा, रचनात्मक गतिविधियों में बच्चों ने संविधान की प्रस्तावना एवं मूल संवैधानिक अधिकारों को रंग-बिरंगे अक्षरों में कलाकृति बनाकर लिखा। उन्होंने संविधान-निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर बनाई तथा आकर्षक चित्रकारी करते हुए पोस्टर आदि भी तैयार किए। सीनियर विंग के विद्यार्थियों ने भी संविधान की उद्देशिका का पाठ किया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने 26 नवंबर, 1949 के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इसी दिन संविधान सभा ने औपचारिक रूप से संविधान को अपनाया था। वास्तव में हमारे देश का संविधान हर भारतवासी के लिए एक अनमोल विरासत है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का यह आधार है। राष्ट्र के उत्थान, समृद्धि व शांति के लिए इसका सम्मान और अनुपालन आवश्यक है। हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित दस्तावेज व राष्ट्रीय ग्रंथ स्वरूप है। संविधान दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं, जहां सभी नागरिकों को समान अधिकार और स्वतंत्रता प्राप्त है।

संक्षिप्त खबरें

नाबालिक दहेज पड़तना से आकर कर ली आत्महत्या, मार्च में तय हुई थी शादी

बरहेट : थाना क्षेत्र के एक गांव के नाबालिक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के चंद्रढीपा गांव के एक 17 वर्षीय नाबालिक का राजीभीट्ठा थाना के केडो गांव के अजय मड़ैया से चार माह पूर्व से प्रेम प्रसंग चल रहा था और दोनों के परिजन की समहती से मार्च में शादी तय कर दिया गया। वही पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया है कि शादी तय होने को लेकर दहेज के रूप में मोटरसाइकिल का डिमांड शुरू हो गया। वहीं कुछ दीन बाद ही उसकी पुत्री को भगा कर ले गया। जहां करीब 25 दिन बाद उसके दामाद उसे लेकर वापस आया। इसके बाद 19 नवंबर को उसका दमाद के साथ किसी बात को लेकर विवाद होता रहता था। वही 25 नवंबर को जब सभी लोग खेत में काम करने चले गए तब दोपहर बाद जब उसकी मां घर पहुंची तो देखा कि उसके पुत्री ने अपने दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतका के भाई राजकुमार मढैया ने बताया कि मेरी बहन अक्सर पिताजी के मोबाइल से दोनों की बातचीत होती रहती थी, उक्त दोनों की बातचीत मोबाइल में रिकॉर्ड था। इसे सुनकर प्रतीत होता है कि लाइव इन रिलेशनशिप में दोनों लंबे समय में रहा और मेरी बहन प्रेग्नेंट हो गई तो अजय अपनाने से इनकार कर दिया। जिससे मेरी बहन तनाव में आकर आत्महत्या कर ली। वही मामले की जानकारी मिलता है बरहेट थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर बहर थाना ले आई, जहां बुधवार की सुबह को पोस्टमार्टम के लिए साहिबगंज भेज दिया गया है। वही मामले को लेकर लड़की के पिता के आवेदन पर अजय मढैया और गंगाराम मढैया पर प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही थी।

जलसंकट पर महिलाओं का हंगामा, कनिष्ठ अभियंता को घेरा- तीन दिन में बहाली का आश्वासन

बरहेट : प्रखंड क्षेत्र के बरहेट बाजार में मेघा जलापूर्ति 7 महीने से बंद होने के कारण बरहेट बाजार के एक दर्जन महिला भोगनाडीह पहुंचकर आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में पहुंचकर कनीय अभियंता संजीव कुमार को घेर कर हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। इधर महिलाओं ने कनीय अभियंता को जलापूर्ति बहाल को लेकर एक घंटा से अधिक समय तक शिविर में डेट रहे। महिला आर्य रानी, रूपा देवी, लक्ष्मी देवी, प्रिया देवी, रेखा देवी, स्वीटी गुप्ता, नीलम देवी, उषा देवी लकी देवी ने बताया कि बरहेट बाजार में विगत 7 महीने से जलापूर्ति बंद है, जिससे हम सभी बाजार की महिलाओं को परेशानियां बढ़ गई है। वही गुमानी नदी से जलापूर्ति योजना संचालित होती है। लेकिन लापरवाही के कारण ओर बार बार विभाग मेंटेनेंस के नाम पर खानापूर्ति करती है। बाजार के आक्रोशित महिलाओं ने कनीय अभियंता संजीव कुमार को खरी खोटी सुनाई। वही कनीय अभियंता संजीव कुमार नहीं आशवासन देते हुए कहा कि अगले तीन दिनों के अंदर जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी, काफी समझाने के बाद आक्रोशित महिलाएं समझा बुझाकर शांत कराया। इधर कनीय अभियंता संजीव कुमार ने पक्ष रखते हुए कहा की मोटर जल जाने के कारण जलापूर्ति बाधित था,जल्दी जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग नवोदय स्कूल ने 6 विकेट से की जीत दर्ज

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत बुधवार को जवाहर नवोदय विद्यालय बनाम मां गायत्री क्रिकेट बोरियो के बीच मैच खेला गया। मां गायत्री क्रिकेट ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 17 .5 ओवर में 114 रन बना कर ऑल आउट हो गई। शुभम ने 18, चंद्रेशखर साह ने 17, अंकित ने 13 रन की पारी खेली। नवोदय विद्यालय के गेंदबाज संजीत कुमार ने 4, दाऊद आलम व सोनू कुमार ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी नवोदय विद्यालय की टीम 12.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 117 रन बना कर 6 विकेट से मैच जीत लिया। मां गायत्री क्रिकेट के गेंदबाज पीयूष कुमार ने 2 विकेट लिए। नवोदय विद्यालय के खिलाड़ी संजीत कुमार को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि संतोष सिंह ने संजीत को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग श्याम रंजन तिवारी व अभिषेक मिर्घा एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह अंसारी ने किया।

जिला स्तरीय अभिसरण योजना की समीक्षा बैठक संपन्न, डीसी ने दिए आवश्यक निर्देश

साहिबगंज : डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में आज जिला स्तरीय अभिसरण योजना की समीक्षा बैठक कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित की गई। बैठक में पशुपालन, भूमि संरक्षण, आत्मा, लघु सिंचाई, उद्यान, कृषि, जलछाजन, मत्स्य, सहकारिता, गव्य विकास, जेएसएलपीएस, नाबार्ड एवं आर-सेटी से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। कृषि, उद्यान, गव्य विकास एवं आत्मा परियोजना के तहत चल रही गतिविधियों पर चर्चा करते हुए डीसी ने कहा कि किसानों को उन्नत तकनीक, गुणवत्ता बीज एवं आधुनिक कृषि यंत्रों से सशक्त बनाया जाए, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी राहुल गुप्ता, जिला मत्स्य पदाधिकारी वीरेन्द्र विन्हा, जिला सहकारिता पदाधिकारी महादेव मुर्मू, जेएसएलपीएस के डीपीएम मतिन तारीक, नाबार्ड एवं आर-सेटी के प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राजद बोली: किसी हाल में राबड़ी आवास खाली नहीं करेंगे

नीतीश ने 20 साल में ऐसा फैसला क्यों नहीं लिया; सरकार के नोटिस पर भड़की पार्टी

पटना। 20 साल बाद लालू परिवार को 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास (राबड़ी आवास) खाली करने का नोटिस मिला है। मंगलवार को बिहार भवन निर्माण विभाग ने ये नोटिस भेजा है। भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि बिहार विधान परिषद के आवासन के लिए पटना केन्द्रीय पुल की आवास संख्या 39 हार्डिंग रोड अलॉट किया गया है। इसी सिलसिले में आज राजद कार्यकर्ता राबड़ी आवास पहंचेंगे। लालू यादव और राबड़ी देवी से मिलने की कोशिश भी करेंगे। नोटिस को लेकर लालू परिवार एकजुट है। रोहिणी आचार्या और तेजप्रताप ने नीतीश कुमार को घेरा है। वहीं राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा है कि, किसी हालत में राबड़ी आवास खाली नहीं करेंगे। ये लालू परिवार को अपमानित करने की साजिश है। 20 साल से नीतीश कुमार सीएम हैं। उन्होंने ऐसा फैसला क्यों नहीं लिया। भाजपा नेता नीरज कुमार ने तंज कसते हुए कहा कि राबड़ी देवी पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास खाली करने के दौरान टोंटी और अन्य सरकारी संपत्ति की चोरी ना हो, इसका ध्यान रखें।नोटिस के खिलाफ लालू परिवार एकजुट नोटिस को लेकर लालू परिवार एकजुट है। तेजप्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'छोटे भाई ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और बड़े भाई के बंगले को खाली करने का आदेश दे दिया। लालू जी और उनका परिवार अब 10 सर्कुलर रोड के बंगले में नहीं रहेगा। 28 साल से जिस आवास से बिहार और राजद के लाखों कार्यकताओं का एक भावुक रिश्ता जुड़ा था, उसे एक सरकारी नोटिस में खत्म कर दिया गया है। इस घर के जाने के साथ ही नीतीश जी और लालू जी के बीच के भैयारी वाले नैतिक रिश्ते का भी अंत हो गया है।'लालू जेल गए थे तो राबड़ी को CM बनाया था... तभी से राबड़ी आवास 23 जून, 1997 को लालू समेत 55 लोगों के खिलाफ CBI ने चारा घोटाला मामले में चार्जशीट दाखिल की। उनके खिलाफ 63 केस दर्ज किए गए। लालू समझ गए थे कि गिरफ्तारी तय है। 25 जुलाई 1997 की शाम उन्होंने इस्तीफे का ऐलान किया और पत्नी राबड़ी देवी को सीएम बनवाया। बाद में एक बार जब लालू से वंशवाद पर पूछा गया, तो उन्होंने कहा था, 'मैं राजनीति में शक्ति अर्जित करने के लिए आया हूं और मैं उसे सिर्फ इसलिए नहीं त्याग दूंगा, क्योंकि किसी ने मेरे ऊपर आरोप लगाए हैं। अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाकर मैंने क्या गलती कर दी? क्या मैं अपनी सत्ता अपने राजनीतिक विरोधियों के हाथों में सौंप देता?' पत्नी को CM बनाने के बाद 30 जुलाई, 1997 को लालू यादव ने चारा घोटाला मामले में सरेंडर किया और दिसंबर 1997 तक जेल में रहे। हालांकि लालू यादव RJD के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहे। इसके बाद से राबड़ी देवी को 2005 में 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास अलॉट किया गया था। इससे पहले 15 नवंबर की देर रात लालू यादव को किडनी देने वाली बेटी रोहिणी ने रोते-रोते राबड़ी आवास भी छोड़ दिया था। पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में रोहिणी ने कहा, 'मेरा कोई परिवार नहीं है। उन्होंने ही मुझे परिवार से निकाला है। सारी दुनिया सवाल कर रही है कि पार्टी का ऐसा हाल क्यों हुआ है, लेकिन उन्हें जिम्मेदारी नहीं लेनी है।' तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव और रमीज पर दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए रोहिणी ने कहा- 'ये सवाल अब तेजस्वी यादव से पूछिए। सवाल पूछोगे तो गाली दी जाएगी, चप्पल से मारा जाएगा।' 2005 में भी लालू परिवार को मिला था नोटिस 24 नवंबर 2005 को नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बन चुके थे। सत्ता से बेदखल राबड़ी देवी को अब मुख्यमंत्री का आधिकारिक आवास 1 अणे मार्ग खाली करना था। राबड़ी देवी के लिए 10, सर्कुलर रोड आवास आवंटित किया गया था। उन्हें मुख्यमंत्री आवास खाली करने के लिए एक नोटिस मिल चुका था, लेकिन उन्होंने तय समय में उट हाउस खाली नहीं किया। तब बिहार भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को एक बहुत ही सख्त नोटिस भेजा। इसमें लिखा था- आपको 7 दिनों के अंदर 1, अणे मार्ग आवास खाली करना होगा, अन्यथा जबरन बेदखल किया जाएगा। आपको चेतावनी दी जाती है कि अगर आप उपरोक्त अवधि में मकान खाली नहीं करते हैं तो जबरन बेदखल किया जा सकता है। इस नोटिस के बाद राबड़ी देवी और लालू यादव की चिंता बढ़ गई। नोटिस की भाषा पर भड़क गए थे लालू उस वक्त राजद से जुड़े लोग बताते हैं कि लालू यादव और राबड़ी देवी दो कारणों से 1 अणे मार्ग आवास खाली करने देरी कर रहे थे। उनका मानना था कि चूंकि अभी समय अच्छा नहीं (खरमास) चल रहा है इसलिए 14 जनवरी के बाद नए आवंटित भवन में जाना ठीक रहेगा। दूसरा कारण ये था कि राबड़ी देवी को आवंटित 10, सर्कुलर रोड आवास में अभी मरम्मत का काम चल रहा था। नोटिस में जिस तरह के शब्दों (चेतावनी, जबरन बेदखल) का प्रयोग किया गया था उससे लालू यादव बेहद नाराज हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार सत्ता में आते ही बदले की भावना से काम कर रहे हैं।

नोटिस के खिलाफ लालू परिवार एकजुट

नोटिस को लेकर लालू परिवार एकजुट है। तेजप्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'छोटे भाई ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और बड़े भाई के बंगले को खाली करने का आदेश दे दिया। लालू जी और उनका परिवार अब 10 सर्कुलर रोड के बंगले में नहीं रहेगा। 28 साल से जिस आवास से बिहार और राजद के लाखों कार्यकताओं का एक भावुक रिश्ता जुड़ा था, उसे एक सरकारी नोटिस में खत्म कर दिया गया है। इस घर के जाने के साथ ही नीतीश जी और लालू जी के बीच के भैयारी वाले नैतिक रिश्ते का भी अंत हो गया है।'

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड, बेटा गिरफ्तार

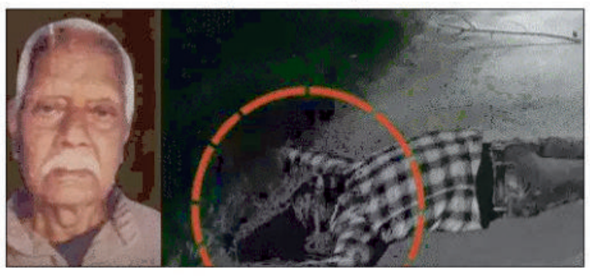

पटना। में 24 नवंबर की देर शाम प्रॉपर्टी डीलर अशरफी राय की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मर्डर के बाद भाग रहे दोनों शूटर्स को भीड़ ने पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। इस मामले में मृतक अशरफी राय के बेटे बीरेंद्र राय उर्फ मिर्चाई गोप को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। बताया जा रहा है कि वह मॉब लिंचिंग की घटना में शामिल था। फिलहाल, पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। इस मामले में दोनों मृतक शूटर्स की पहचान हो गई है। पहले शूटर का नाम प्रवीण उर्फ रोहन कुमार है वो पटना के कंकड़बाग में कुम्हार टोली का रहने वाला था। वहीं, दूसरे शूटर का नाम विजय कुमार है जो कि यारपुर का रहने वाला था। दोनों की उम्र 37 साल के आसपास थी। शूटर रोहन की पत्नी दूसरों के घरों में साफ सफाई करती है, उसी से परिवार चलता है। रोहन की पहचान उसकी शर्ट, हुलिया और हाथ पर बने बेटी के नाम (आरोही) के टैटू से हुई है। अभी तक की जांच में मृतक अशरफी राय के खिलाफ गोपालपुर थाने में एक भी आपराधिक मामला नहीं मिला है। 6 जमीनों को लेकर मामला कोर्ट में जरूर था। 60 अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्जDSP रंजन कुमार ने भास्कर को बताया, 'फिलहाल पुलिस ने अपने बयान पर 25 से 30 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। परिजन के आवेदन के आधार पर केस दर्ज किया गया है। फिर पुलिस अपने स्तर से पूरे मामले की छानबीन करेगी।' घटनास्थल से एक क्लासिक पिस्टल, 5 जिंदा कारतूस और एक रिवॉल्वर बरामद की गई है। परिजन के मुताबिक, मृतक अशरफी राय की बॉडी पर 11 बुलेट्स के निशान मिले हैं। हालांकि पुलिस 6 गोली लगनी की बात कह रही है। पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया,'इस घटना में दो FIR दर्ज हुई है। एक मृतक अशरफी राय के परिजन के आवेदन पर हुई है। दूसरी पटना पुलिस ने लिंचिंग के मामले में खुद दर्ज की है'। 'अशरफी राय के परिजनों में अपने 5 गोतिया को नामजद आरोपी बनाया है। हालांकि आवेदन में उन्होंने भी स्पष्ट नहीं किया है। पूछताछ के आधार पर पता चला है कि प्रॉपर्टी डिस्प्यूट में हत्या हुई है। वहीं, पटना पुलिस ने 25 से 30 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। जिन चार लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है, उनके खिलाफ पुख्ता साक्ष्य मिलेंगे तब कार्रवाई होगी। दोनों बदमाशों की भी पहचान हो गई है। दोनों पटना के रहने वाले हैं। फिलहाल इन्वेस्टिगेशन जारी है'अशरफी की बहू शकुंतला देवी ने बताया, 'गोतिया (पाटीदार) से जगनपुरा में लगभग 14 कट्ठा के प्लॉट पर विवाद चल रहा था। इस प्लॉट पर हाईकोर्ट के फैसले के बाद अशरफी राय ने मार्केट बनवा लिया है। इसी जमीन पर काम रोकने के लिए गोतिया सुरेश राय के दोनों बेटे रंजीत, टिशू, स्वर्गीय नागेश्वर राय की एक बेटी, दामाद धर्मेंद्र और नाती दोनों ने DSP के पास आवेदन दिया था। काम नहीं रुका था। इसके बाद अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। इन्हीं लोगों ने मिलकर हत्या कराई है। घटना से आधे घंटे पहले रंजीत गया था।

मंत्री नारायण प्रसाद का पश्चिम चंपारण में भव्य स्वागत

आपदा प्रबंधन मंत्री नारायण प्रसाद मंगलवार रात अपने गृह जिले पश्चिम चंपारण पहुंचे। बिहार सरकार में आपदा प्रबंधन विभाग का दायित्व संभालने के बाद यह उनकी पहली यात्रा थी। नौतन विधानसभा क्षेत्र में उनका भव्य स्वागत किया गया। जगदीशपुर में भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों ने फूल-मालाओं और अंग वस्त्र से उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया।स्वागत समारोह का सबसे खास आकर्षण जेसीबी मशीन से की गई पुष्प वर्षा थी। जैसे ही मंत्री का काफिला गांव की ओर बढ़ा, जेसीबी की ऊंचाई से गुलाब और गेंदे के फूल बरसाए गए। इस अनूठे दृश्य को देखने और अपने मोबाइल में कैद करने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।ढोल-नगाड़ों और नारों के साथ निकला जुलूसमंत्री के आगमन पर कार्यकताओं ने एक लंबा जुलूस निकाला। विभिन्न गांवों से आए लोग ढोल-नगाड़ों और नारों के साथ जुलूस में शामिल हुए। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक, सभी अपने नेता को पहली बार मंत्री के रूप में घर लौटते देख उत्साहित थे। रास्ते भर कार्यकताओं ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया। स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री नारायण प्रसाद ने कहा कि सरकार ने उन पर जो भरोसा जताया है, वह केवल जनता की सेवा के लिए है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आपदा प्रबंधन विभाग को मजबूत और सक्रिय बनाने के लिए त्वरित कदम उठाए जाएंगे, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में लोगों को तत्काल सहायता मिल सके।बिहार के विकास को बताया प्राथमिकता मंत्री ने यह भी बताया कि नौतन सहित पूरे पश्चिम चंपारण और बिहार का संतुलित विकास उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कई विकास योजनाओं को लागू किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। मंत्री प्रसाद ने इस भव्य स्वागत के लिए कार्यकताओं और स्थानीय लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता का स्नेह ही उनकी शक्ति है और वे पूरे समर्पण के साथ विकास एवं जनकल्याण के कार्यों में लगे रहेंगे।

सहरसा में फंदे से लटका मिला बैंक मैनेजर

सहरसा। में IDBI बैंक मैनेजर का फंदे से लटका शव मिला है। मैनेजर की पहचान राकेश रौशन (45) के रूप में हुई है। घटना के समय वे घर में अकेले थे। उनकी पत्नी और बच्चे झारखंड के गोड्डा में अपने मामा की शादी में शामिल होने गए थे। कमरे से सुसाइड नोट मिला है। इसमें उन्होंने लिखा है, पारिवारिक विवाद और बढ़ते काम के दबाव की वजह से मैं सुसाइड कर रहा हूं। घटना सहरसा सदर थाना क्षेत्र की है। पुलिस को घटना की जानकारी मिलने के बाद कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को कब्जे में लिया गया। जीजा की मौत पर साली फूट-फूटकर रोती रही। वो बार कहती रही जाने से पहले बताया क्यों नहीं जीजा। मैनेजर की पत्नी मंगलवार देर शाम घटनास्थल घर पहुंची। इसके बाद पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से उतारा। मृतक की पहचान दरभंगा जिले के लहेरियासराय थाना क्षेत्र के रहने वाले राकेश रौशन (45) के रूप में हुई है। वह सहरसा में क्छ्क बैंक में मैनेजर पद पर थे।पुलिस के अनुसार कमरे से मिले सुसाइड नोट में राकेश ने पारिवारिक तनाव और बैंक में बढ़ते काम के दबाव से परेशान होकर यह कदम उठाने की बात लिखी है। खास बात यह है कि आखिर में उन्होंने अपनी पत्नी पर भरोसा जताते हुए बैंक प्रबंधन से अनुरोध किया है कि उनकी पत्नी को नौकरी दी जाए। लव मैरिज, पत्नी की दूसरी शादी राकेश रोशन परिवार में इकलौते भाई थे। उनकी दो बहनें हैं, दोनों ही उनसे बड़ी हैं। राकेश ब्राह्मण परिवार से थे जबकि उनकी पत्नी पूजा रोशन नाई समाज से आती हैं। पूजा दूसरी शादी राकेश से 2017 में देवघर के मंदिर में हुई थी। पत्नी की पहली शादी कटिहार में हुई थी, जहां पति की सड़क हादसे में 2017 में मौत हो गई थी। उस समय पूजा 8 महीने की गर्भवती थीं और बाद में एक बेटे को जन्म दिया। पति की मौत के बाद पूजा ने साल 2016 में रांची में GNM कोर्स शुरू किया। इसी दौरान राकेश रोशन की बहन भी GNM की पढ़ाई कर रही थीं। इसी बीच दोनों की मुलाकात शुरू हुई। नजदीकियां बढ़ने के बाद 2017 में देवघर के बाबा मंदिर में दोनों परिवारों की सहमति से शादी हुई। शादी के बाद राकेश ने पूजा के पहले पति से जन्मे बेटे को अपना बेटा स्वीकार कर लिया। इसके बाद दंपती को एक बेटा शौर्य (8) और एक बेटी (3) हुई।

सुबह बैंक नहीं पहुंचे तो घर आया स्टाफ मंगलवार सुबह 10 बजे तक राकेश रौशन जब बैंक नहीं पहुंचे तो चपरासी ने उन्हें फोन किया। करीब 4-5 कॉल करने के बाद उनका फोन स्विच ऑफ हो गया। इसके बाद चपरासी मोहम्मद मोहिद ने इस घटना की जानकारी बैंक के अन्य कर्मचारियों को दी। इसी दौरान राकेश की पत्नी का फोन भी बैंक में आया। उन्होंने भी कहा, मेरा उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है, आप बात करवा देंगे। इसके बाद चपरासी ने मैनेजर की पत्नी को बताया, सर अभी तक ऑफिस नहीं आए हैं। हम लोगों ने भी फोन किया तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। अब घटना की जानकारी पुलिस को दी जा रही है।

छात्राओं को डंपर ने उड़ाया, 200 मीटर घसीटा

चशमदीद बोला- टक्कर के बाद चीख पड़ी लड़कियां; वैशाली में 1 घंटे सड़क जाम-आगजनी

वैशाली। में बुधवार सुबह स्कूल जा रही 2 छात्राओं को डंपर ने उड़ा दिया। ट्रक की स्पीड ज्यादा थी। ड्राइवर दोनों को करीब 200 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। इसके बाद उसने गाड़ी रोकी। गांव के लोगों ने दोनों छात्राओं को डंपर के नीचे से निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों की हालत गंभीर बनी है। नाराज परिवार के लोगों ने सड़क जाम कर दी। आगजनी कर प्रदर्शन किया। पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें 2 लड़कियां साइकिल से स्कूल जाती दिख रही हैं। सर्विस रोड से जैसे ही वो मेन रोड पर आती हैं सामने से डंपर आ जाता है। डंपर की स्पीड ज्यादा थी। वो लड़कियों को उड़ाते हुए करीब 200 मीटर तक घसीटता है। हादसा लालगंज के रामपुर चौक पर फकुली मुख्य मार्ग पर हुआ। घायल छात्राओं के नाम आशा कुमारी और लक्ष्मी कुमारी हैं। छात्राओं की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। आशी कुमारी को इलाज के लिए मुजफ्फरपुर और लक्ष्मी कुमारी को पटना रेफर किया गया है।हादसे के वक्त शशि भूषण प्रसाद सिंह अपने दरवाजे पर झाड़ू लगा रहे थे। उन्होंने बताया कि अचानक तेज रफ्तार से बालू लदा डंपर आया और साइकिल से जा रही छात्राओं को टक्कर मारते हुए दूर तक घसीटता ले गया। मैंने भी किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। हादसे के बाद लोगों में गुस्सा है। पूर्व प्रमुख और गांव वालों ने रामपुर चौक पर टायर जलाकर सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलते ही बेलसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया है। ड्राइवर की तलाश जारी है। शशि भूषण प्रसाद ने आगे बताया कि, सुबह साढ़े पांच बजे के करीब 18 चक्का ट्रक बेकाबू होकर आ रहा था। इसी दौरान 2 बच्चियां पश्चिम साइड से आ रही थीं। मैं खुद उस गाड़ी की चपेट में आने से बाल-बाल बचा हूं। हादसे के बाद लोग ट्रक में आग लगाने जा रहे थे, लेकिन काफी समझाने पर रुक गए। दोनों ट्रक पर बालू लदा है और दोनों पर एक की नंबर लिखा है। मौके पर मौजूद गांव वाले ने बताया कि, लड़कियां साइकिल से स्कूल जा रही थीं। जैसे ही वो सड़क पर आई डंपर ने उन्हें उड़ा दिया। ड्राइवर काफी दूर तक दोनों को घसीटते हुए ले गया। डंपर से टकराते ही लड़कियां चीख पड़ी थीं। ड्राइवर ने जैसे ही गाड़ी रोकी लोगों की भीड़ जुट गई। लड़कियों को अस्पताल भेजा गया है। दोनों की हालत गंभीर है। गलती लड़कियों की ही है उन्हें देखकर सड़क पर आना चाहिए था। अगर वो दाएं-बाएं देखकर सड़क पर आती तो हादसा नहीं होता। डंपर वाले की भी गलती है ऐसे मोड़ पर गाड़ी की स्पीड कम होनी चाहिए, लेकिन खतरनाक जगह होने के बाद भी गाड़ियां ओवर स्पीड में चलती हैं। इसकी वजह से आए दिन यहां हादसे होते रहते हैं।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में अगले 4 दिनों तक सामान्य बना रहेगा मौसम

पटना। बिहार में मौसम सामान्य है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में अगले चार दिनों तक किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, दिन में हल्की गर्माहट और सुबह-शाम हल्की ठंड का दौर अभी जारी रहेगा। पटना में बुधवार की सुबह हल्का कोहरा छाया रहेगा। दिन में हल्की गर्मी और शाम होते ही ठंडक का एहसास होगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि पटना में अगले 48 घंटे तक न्यूनतम तापमान 16-18 डिग्री के बीच रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान 2527 डिग्री के आसपास बना रहेगा। बारिश की कोई संभावना नहीं है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि उत्तर-पश्चिमी हवा चलने से सुबह के समय हल्की ठंड बढ़ी है। नमी के कारण कई जिलों में कोहरा बने रहने की स्थिति बनी हुई है। अगले पांच दिनों तक तापमान लगभग स्थिर रहेगा। 1-2 स्थानों पर ही हल्की ठंड अधिक महसूस होगी, लेकिन व्यापक शीतलहर जैसी स्थिति नहीं बनेगी। दिसंबर के पहले हफ्ते में हल्का बदलाव देखने को मिल सकता है, लेकिन फिलहाल मौसम पूरी तरह शांत है। पिछले 24 घंटे में पटना, बेतिया, बगहा, समस्तीपुर गोपालगंज, मधेपुरा, सुपौल, बेगूसराय, जहानाबाद समेत कई जिलों में सुबह घना कोहरा देखने को मिला। हालांकि दिन होते ही तापमान सामान्य हो गया।राज्य के कई जिलों में सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छाने की संभावना अगले तीन दिनों तक बनी रहेगी, जिससे विजिबिलिटी प्रभावित हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार मंगलवार को अधिक तापमान किशनगंज में 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, औरंगाबाद और नालंदा में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो प्रदेश का सबसे कम तापमान है। पटना में अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम 17 डिग्री रहा, जो इस समय सामान्य श्रेणी में माना जा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बिहार में फिलहाल किसी बड़े सिस्टम के सक्रिय होने की संभावना नहीं है।

औरंगाबाद में सड़क हादसे में युवक की मौत

औरंगाबाद। में मंगलवार तेज रफ्तार वाहन ने युवक को टक्कर मार दी। मौके पर ही दम तोड़ दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सिर धड़ से अलग गया। हादसे की बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। घटना एनएच-19 पर कामा बिगहा के पास की है। स्थानीय लोगों की सूचना पर नगर थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल भेज दिया। देर रात होने के कारण पोस्टमार्टम नहीं किया जा सका है। आज(बुधवार) सुबह पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की गई। थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव को 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि पहचान की जा सके। अगर परिजन सामने आते हैं, तो शव उन्हें सौंप दिया जाएगा। पहचान न होने की हालत में सरकारी प्रावधान के अनुसार पुलिस अंतिम संस्कार कराएगी। सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस युवक कौन था, कहां से आ रहा था और कहां जा रहा था, इसकी जानकारी अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के इलाकों में पूछताछ कर रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि टक्कर मारने वाले वाहन और मृतक की पहचान हो सके।

आरा में हथियारबंद बदमाशों ने छात्र को मारी गोली

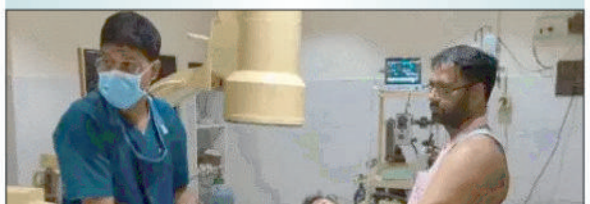

आरा। जमीरा मार्ग पर मंगलवार की देर शाम बाइक सवार हथियारबंद बदमाशों ने छात्र को गोली मार दी। दाहिने साइड कंधे और दाहिने जांघ पर बुलेट लगी है। परिजनों ने इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल में एडमिट कराया है। हालत गंभीर बनी हुई है। घायल की पहचान मुफस्सिल इलाके के जमीरा गांव वार्ड नंबर-7 निवासी रंजीत राय के पुत्र अविनाश कुमार(19) के तौर पर हुई बै। बीए पार्ट टू में पढ़ता था। घटना टाउन थाना क्षेत्र के धरहरा सीमेंट फैक्ट्री के पास की है। सर्जन डॉ. विकाश सिंह ने बताया कि ऑपरेशन करके बुलेट निकाल दिया गया है। ब्लड को सिक्योर कर दिया गया है। मरीज की हालत प्रेजेंट स्टेबल है।वहीं, घायल अविनाश कुमार ने बताया कि दो दोस्तों के साथ सीमेंट फैक्ट्री के पास खड़ा होकर सिगरेट पी रहा था। इस दौरान बाइक सवार 2 हथियारबंद बदमाश पहुंचे। बिना कुछ कहे फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से मैं घायल हो गया। मेरी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। क्यों गोली मारी गई है, इसके बारे में कुछ पता नहीं है।टाउन थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष शैलेश्वर प्रसाद ने बताया कि मामला संदिग्ध लग रहा है। जख्मी युवक के साथ रहे उसके दो दोस्तों को पूछताछ के लिए थाने पर लाया गया। पूछताछ के बाद ही मामला क्लियर हो पाएगा।

सड़क हादसे में कटिहार के राजमिस्त्री की मौत

पूर्णिया। में ओवर स्पीडिंग की वजह से कटिहार के शख्स की जान चली गई। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर रेलिंग से टकरा गई। इस हादसे में न सिर्फ गाड़ी के परखच्चे उड़ गए, बल्कि मौके पर ही बाइक सवार राजमिस्त्री की मौत हो गई। गाड़ी की स्पीड 80 के पार थी। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रानीपतरा बाइक शो-रूम के पास की है। घर-ससुराल में मचा कोहराम मृतक की पहचान कटिहार जिले के रौतारा कोठी टोला वार्ड-3 निवासी मनेस उरांव के बेटे करण उरांव(25) के तौर पर हुई है। पिछले साल ही शादी हुई थी। मौत की खबर घर और ससुराल पहुंचते ही कोहराम मच गया। घर में मां-पिता, पत्नी और एक बच्चा है।मनेस उरांव ने बताया कि करण रोजाना की तरह घर से पूर्णिया में मकान निर्माण के लिए आया था। काम खत्म होने के बाद घर लौट रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक की रफ्तार 80 के पार थी। घर पहुंचने की जल्दबाजी में ओवर स्पीड के कारण उसने अपना नियंत्रण खो दिया और बाइक असंतुलित होकर रेलिंग से जा टकराई। मौके पर ही दम तोड़ दिया।

नारियल तेल के फायदे

नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, नारियल का तेल है

सर्दियों में सभी महिलाएं त्वचा को रुखेपन से बचाने के लिए मॉइश्चराइजर खरीदती हैं पर अगर आप इसकी जगह नारियल का तेल इस्तेमाल करें तो भी आपको पूरा लाभ मिलेगा क्योंकि ये प्राकृतिक रुप से मॉइश्चराइजर का काम करता है। नारियल का तेल कई गुणों से भरपूर होता है। त्वचा संबंधी कई रोगों के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। आइए जानते हैं नारियल का तेल सेहत को किस तरह से फायदा पहुंचाता है। नारियल तेल के इस्तेमाल से कई फायदे होते हैं। कई गुणों से भरपूर यह तेल स्वास्थ्यपरक फायदों के लिए पीढ़ियों से इस्तेमाल में लाया जा रहा है। सेहत के साथ-साथ नारियल का तेल त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए भी सदियों से इस्तेमाल किया जा रहा है।

नारियल तेल के फायदे

तेल स्ट्रेच मार्क्स हटाने में भी सहायक

नारियल तेल त्वचा के लिए नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, यह मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारता है। इसका इस्तेमाल त्वचा रोग, डर्मेटाइटिस, एक्जिमा और स्किन बर्न में किया जा सकता है। नारियल तेल स्ट्रेच मार्क्स हटाने में भी मदद करता है और होंठ को फटने से बचाने के लिए भी इसे नियमित रूप से होंठों पर लगाया जा सकता है।

नारियल तेल बालों को घना, लंबा और चमकदार बनाने में काफी मददगार साबति होता है। सिर की मसाज सिर्फ पांच मिनट नारियल तेल से करने से न सिर्फ रक्त संचार में वृद्धि होती है, बल्कि यह खो चुके पोषक तत्वों की भी भरपाई करता है, नियमित रूप से नारियल तेल से मसाज करने से बालों में रूसी नहीं होती है।

नारियल तेल के इस्तेमाल से वजन भी कम किया जा सकता है। ताजे नारियल से निकाले गए तेल में अन्य नारियल तेलों की अपेक्षा ज्यादा मीडियम चेन फैटी एसिड होता है। मीडियम चेन फैटी एसिड्स आसानी से ऑक्सीडाइज्ड लिपिड्स होते हैं और एडीपोज ऊतक में संग्रहित नहीं होते हैं। इस प्रकार, मुख्य रूप से मीडियम चेन फैटी एसिड युक्त नारियल का तेल वजन घटाने में मददगार साबित होता है।नारियल तेल लॉरिक एसिड और कैप्रिक एसिड की तरह एंटीमाइक्रोबियल लिपिड का एक समृद्ध स्रोत होता है, जो एंटीफंगल और जीवाणुरोधी होते हैं।

गर्भवती महिलाएं तनाव से बचें

अगर आप गर्भवती हैं तो किसी प्रकार का तनाव न लें। एक अध्ययन रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गर्भावस्था के दौरान ज्यादा तनाव में रहने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि गर्भावस्था के दौरान तनाव लेने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा 42 फीसदी बढ़ जाता है। इससे पहले हुए अध्ययन की रिपोर्ट में यह पाया गया था कि 24 सप्ताह की गर्भवती में होने वाले गर्भपात में 20 फीसदी मामले तनाव के कारण होते हैं।

दोबारा अध्ययन के बाद यह पाया गया कि आंकड़ें इससे कहीं ज्यादा हैं क्योंकि गर्भपात के कई मामले दर्ज ही नहीं होते।

यही नहीं अध्ययन की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा किया गया कि युवा होते ही तनाव और अवसाद का सामना करने वाले लोगों को आगे के जीवन में बहुत सी बीमारियों का सामना करना पड़ता है।

गर्भावस्थ में काम का ज्यादा तनाव न लें

गर्भावस्था के दौरान काम का बहुत ज्यादा तनाव न लें। अपनी प्राथमिकताएं थोड़ी कम करें और दोस्तों या रिश्तेदारों से मदद लेने में संकोच न करें।

घर का काम कम करें और उस समय का इस्तेमाल आप किताब पढ़ने और आराम करने में कर सकती हैं।

अगर कामकाजी हैं तो ऑफिस में सिक लीव या अपनी छुट्टियों का भरपूर लाभ लें।

लंबी सांस लें और छोड़ें, योग करें या स्ट्रेचिंग करें।

अगर स्वीमिंग आती है तो स्वीमिंग करें या वॉक करें।

हेल्दी खाएं. संतुलित आहार आपके शरीर और मानसिक सेहत दोनों को ठीक रखेगा।

रात में जल्दी सो जाएं क्योंकि इससे आपके गर्भ में पल रहे बच्चों को विकास के लिए ज्यादा समय मिलेगा।

दूसरों की सुनें पर दिल से न लगाएं। गर्भावस्था के दौरान लोग खूब कहानियां सुनाते हैं, उन्हें सुनें जरूर, पर ज्यादा ध्यान न दें। कुछ लोगों को गर्भावस्था में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, लेकिन ऐसा आपके साथ भी हो, कोई जरूरी तो नहीं।

अगर आपको लगता है कि आप तनाव में हैं और आपका तनाव कम नहीं हो पा रहा है तो अपने डॉक्टर से बात करें।

कम बजट में शानदार हनीमून!

भारत के ये 6 डेस्टिनेशन जहां ट्रिप बनेगी बेहद यादगार

भारत में हनीमून की योजना बना रहे कपल्स के लिए यह लेख 6 आकर्षक डेस्टिनेशन सुझाता है, जहां वे अपनी शादी के बाद बेहतरीन पल बिता सकते हैं। गोवा के सुनहरे समुद्र तटों से लेकर शिमला और मनाली की बर्फीली वादियों तक, ये गंतव्य शांति, प्राकृतिक सुंदरता और एडवेंचर का अनोखा संगम प्रदान करते हैं, जो कम बजट में भी शानदार ट्रिप सुनिश्चित करते हैं।

भारत में शादियों का सीजन शुरु हो चुका है। शादी के बाद कपल्स का हनीमून पर जरुर जाते हैं। अगर आप भारत में हनीमून के लिए डेस्टिनेशन खोज रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए है। वैसे भी भारत में घूमने-फिरने की जगहों की भरमार है। यहां आपको एक से बढ़कर एक एडवेंचर, रोमांटिक जगहें, जहां आप पार्टनर संग घूमने जा सकते हैं। इस लेख में हम आपको भारत में ही हनीमून प्लान करने के लिए कुछ रोमांटिक डेस्टिनेशन्स के बारे बताने जा रहे हैं। इन जगहों पर आपको सुकून, शांति मिलेगी और कम बजट में ट्रिप भी शानदार बन जाएगी।

गोवा

भारत की सबसे फेवरेट हनीमून डेस्टिनेशन में से एक है गोवा। यहां की बीच लाइफ एक्सपीरियंस सबसे शानदार होता है। गोवा के बीच के किनारे आप पत्नी संग रोमांटिक पल बिता सकते हैं। इसके अलावा, गोवा की नाइट लाइफ पार्टी को एन्जॉय करने का एक अलग ही मजा होता है। यहां पर घूमने के लिए कैलेंगुट बीच, अंजुना बीच, बागा बीच, बागाटोर बीच, सिंकेरियन बीच, पालोलेम बीच। गोवा में घूमने के लिए ज्यादा पैसा खर्च नहीं होता है। पहले ही होटल बुकिंग कर लें, वरना बाद में महंगी हो जाती है।

शिमला

यदि आपका पहाड़ पर घूमने का प्लान हैं, तो आप शिमला घूमने जरुर जाएं। शिमला में देवदार, चीड़ और माजू के जंगलों में आप घूम सकते हैं। बर्फीले घाटियां और सुंदर नजारे आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। हनीमून के लिए शिमला घूमना एक परफेक्ट डेस्टिनेशन में से एक है।

मनाली

हिमाचल प्रदेश का खूबसूरत शहर है मनाली। यह जगह हनीमून डेस्टिनेशन के लिए सबसे बढ़िया है। यहां आप सुंदर सी बर्फीली वादियां देख सकते हैं। मनाली में हनीमून मनाना सबसे यादगार हो सकता है। मनाली में दिसंबर-जनवरी के महीने में स्नोफॉल का लुत्फ उठा सकते हैं। यहां आप ट्रेकिंग, स्नो स्कीइंग का तुत्फ उठा सकते हैं।

दार्जिलिंग

क्वीन ऑफ हील्स दार्जिलिंग को कहा जाता है। हनीमून के लिए यह जगह बेहद ही रोमांटिक है। यहां पर चाय के बागन,बर्फ से ढके सुंदर पहाड़, देवदार के जंगल, प्राकृतिक सुंदरता, कल-कल करते झरने देखकर आप इस जगह में खो जाएंगे। कम बजट के अंदर है यह एक शानदार हनीमून की जगह हो सकती है।

श्रीनगर

हनीमून के लिए परफेक्ट डेस्टिशन है श्रीनगर। कश्मीर घाटी में बसा श्रीनगर सुंदर नजारे और घाटियों के लिए जाना जाता है। यहां पर मुख्य आकर्षण केंद्र है डल झील। यहां पर आप मुगल गार्डन, झीलें, सुंदर घाटियों में घूम सकते हैं। यह जगह हनीमून के लिए परफेक्ट है।

माउंट आबू

राजस्थान का स्वर्ग कहा जाने वाल माउंट आबू, हनीमून के लिए एकदम परफेक्ट जगह है। यदि आप भारत में हनीमून के लिए नई जगह पर जाना चाहते हैं, तो माउंट आबू का प्लान जरुर बनाएं। यहां पर आप वाइल्ड लाइफ का मजा ले सकते हैं। यहां पर आप तरह-तरह के पक्षियां, जानवर देखने को मिलेंगे। पहाड़ों पर घूमने या ट्रेकिंग का प्लान कर सकते हैं।

सपनों का हनीमून!

बिना वीजा के इन जगहों पर बिताएं जिंदगी के सबसे रोमांटिक पल

हनीमून हर नवविवाहित जोड़े के जीवन का सबसे खूबसूरत समय होता है, जिसे खास जगह पर बिताना हर किसी का सपना होता है। दुनिया में कई ऐसी रोमांटिक डेस्टिनेशंस हैं जो हनीमून के लिए परफेक्ट मानी जाती हैं। मालदीव अपने शांत समुद्र, वॉटर विला और प्राइवेट बीच के लिए मशहूर है। दुनिया में ऐसी के बीच वाले देश हैं जो वीजा-फ्री है, जहां आप अपने पल को सुकून से बिता सकते हैं। मॉरीशस सुंदर बीच और नेचर के कारण रोमांटिक माहौल प्रदान करता है। मॉरीशस और सेशेल्स भी अपने लग्जरी रिसॉर्ट्स और नीले समुद्र के लिए लोकप्रिय हैं। हनीमून को खास बनाने के लिए आप इन जगहों पर घूमने जरुर जाएं। ये सभी जगहें कपल्स को सुकून, रोमांस और यादगार पलों से भरा अनुभव देंगी।

मालदीव

नवविवाहित कपल्स के लिए मालदीव सबसे बेस्ट जगहों में से एक है। हनीमून के लिए यह बेस्ट डेस्टिनेशन है, जो कि वीजा-फ्री है। यहां के ओवरवॉटर विला, क्लिर ब्लू पानी और रंग-बिरंगी मछलियां किसी स्वर्ग से कम नहीं है। मालदीव में प्राइवेट रिसॉर्ट्स दीपों के लिए जाना जाता है। शाम के समय समुद्र किनारे कैंडललाइट डिनर, कपल स्पा और सनसेट क्रूज आपकी यादों को हमेशा यादगार बना देंगा।

मॉरीशस

मॉरीशस सुंदर बीच, हरे-भरे जंगलों और विविध संस्कृति के लिए जाना जाता है। कपल्स यहां पर ले मॉर्न ब्राबांट, चमरेल की सेवन कलर्ड अर्थ और पाम्पलमूस बोटैनिकस गार्डन देख सकते हैं। यदि आप एडवेंचर का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो स्कूबा डाइविंग, सेलिंग या ट्रेकिंग का मजा ले सकते हैं। यहां आप हनीमून को शानदार तरीके से एन्जॉय कर सकते हैं।

सेशेल्स

एक शांत और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है सेशेल्स, यहां पर सफेद रेत वाले बीच और नीले पानी की लहरें कपल्स को अट्रैक्ट करेगी। यहां के लोकप्रिय स्थानों में अन्से लाजियो बीच और यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट डे शामिल है। कपल्स यहां पर प्राइवेट यॉट में सफर कर सकते हैं।

अल्माटी

अल्माटी कजाखस्तान का सबसे बड़ा और खूबसूरत शहर है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आधुनिकता के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर बर्फ से ढके पहाड़ों, झीलों और हरियाली से घिरा हुआ है। अल्माटी कभी देश की राजधानी था और आज भी इसका सांस्कृतिक और आर्थिक केंद्र माना जाता है। यहां का मेदेओ आइस स्केटिंग रिंक, शिम्बुलक स्की रिसॉर्ट और बिग अल्माटी लेक प्रमुख आकर्षण हैं। अपनी शांत जलवायु और सुंदर दृश्यों के कारण यह हनीमून और पर्यटन के लिए सबसे बेस्ट डेस्टिनेशन है।

फिजी

हनीमून के लिए फिजी एक शानदार डेस्टिनेशन है। फिजी नेचुरल खूबसूरती के लिए जाना जाता है। यहां के साफ बीच, कोरल रीफ और हरियाली से भरे जंगल न्यूली वेड कपल के लिए शानदार है। यहां पर आफ डाइविंग, स्नॉर्कलिंग और हाइकिंग कर सकते हैं।

दिल्ली-एनसीआर वालों के लिए परफेक्ट वीकेंड स्पॉट! भरतपुर नेशनल पार्क दिलाएगा सुकून

अगर आप दिल्ली-एनसीआर में रहते हैं और वीकेंड ट्रिप पर जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल सिर्फ आपके लिए है। भागदौड़ भरी जिंदगी से परेशान होकर लोग कुछ समय के लिए सुकून की तलाश करते हैं। रोजाना 9 टू 5 जॉब करके हम सभी का माइंड और बॉडी दोनों ही थक जाती है। अगर आप वीकेंड पर फैमिली और दोस्तों के साथ समय सुकून बिताना चाहते हैं, तो आप भरतपुर बर्ड सेंचुरी एक्सप्लोर करने जरुर जाएं। यहां पर आपको जंगलों के बीच पक्षियों का सुंदर नजारा और एकांत व सुकून का माहौल देखने को मिलेगा।

भरतपुर बर्ड सेंचुरी जाने का समय

आपको बता दें कि, भरतपुर बर्ड सेंचुरी का असली नाम केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान है। जो कि भरतपुर जिला राजस्थान में बना हुआ है। वीकेंड के दौरान दिल्ली के आसपास जगहों के लिए ये नेशनल पार्क टॉप पर रहता है। अक्टूबर से लेकर मार्च तक महीने तक यहां समय बीतना बेहद ही खास होता है। इस समय यहां पर लोकल बर्ड के अलावा माइग्रेटेड पक्षी भी आते हैं। यह समय जाने के लिए सबसे बेस्ट है।

भरतपुर बर्ड सेंचुरी में देखने के लिए क्या-क्या है?

यहां पर आपको प्रवासी पक्षियों में से साइबेरियन सारस, बार हेडेड गीज, पेलिकन और पेंटेड स्टार्क आते हैं। इसके अलावा, लोकल पक्षियों की ढेर सारी वैराइटी भी देखने को मिलती है। पक्षियों के अतिरिक्त, यहां पर अजगर, मॉनिटर छिपकलियां, कुछ वाइल्ड कैट, गोल्डन सियार, जंगली सुअर, सांभर, हिरण, चितल हिरण भी देखने को मिल जाएंगे। यहां आप कई सारे कछुओं की वैराइटी देख सकते हैं।

भरतपुर में इन जगहों पर घूमें

भरतपुर नेशनल पार्क के अलावा आप यहां पर लोहागढ़ फोर्ट भी टूरिस्ट प्लेस पर घूमने जा सकते हैं। बांके बिहारी मंदिर, भरतपुर पैलेस और म्यूजियम की सैर कर सकते हैं। भरतपुर में लोकप्रिय गंगा मंदिर अपने अनोखे इतिहास के लिए जाना जाता है। यह लगभग 90 साल पुराना है। यहां पर लक्ष्मण मंदिर और गवर्नमेंट म्यूजियम भी देखने के लिए टूरिस्ट जाते हैं।

कैसे पहुंचे भरतपुर

बता दें कि, भरतपुर रेलवे स्टेशन सभी प्रमुख स्टेशनों से पूरी तरह से कनेक्टेड है। दिल्ली से आप भरतपुर ट्रेन पकड़ सकते हैं। दिल्ली से आप बस या फिर प्राइवेट कैब से भी जा सकते हैं। ढाई घंटे में आप यहां आराम से पहुंच जाएंगे।

दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज जीती

- दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम को 408 रनों से हराया, - यानसन बने प्लेयर ऑफ द मैच, - हार्मर 'प्लेयर ऑफ द सीरीज

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को 408 रनों से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से जीत ली है। इसी के साथ ही मेहमान टीम 25 साल बाद भारत में कोई टेस्ट सीरीज जीतने में सफल रही है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम बार साल 1999 में हैंसी क्रोनये की कप्तानी में भारत में 2-0 से टेस्ट सीरीज जीती थी। वहीं ये भारतीय टीम की एक साल में दूसरी सीरीज हार है। इससे पहले नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम को घरेलू सीरीज में 3-0 से हराया था। मार्को यानसन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच तथा सीरीज में कुल 17 विकेट लेने वाले साइमन हार्मर को'प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला

दूसरे टेस्ट में भी भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज दक्षिण अफ्रीकी टीम के सामने नहीं टिक पाये। भारतीय टीम पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका के 489 रनों के जवाब में केवल 201 रन ही बना पायी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। इसके बाद भारतीय टीम 549 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में 2 विकेट पर 27 रनों से आगे खेलते हुए अंतिम दिन 140 रनों पर ही सिमट गयी। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ही ही सबसे अधिक 54 रन बना पाये। भारतीय बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर साइमन हार्मर का सामना नहीं कर पाये। हार्मर ने इस मैच में छह विकेट लिए। अंतिम दिन भारत का छठा विकेट साई सुदर्शन के रूप में गिरा। उन्होंने 14 रन बनाये। वॉशिंगटन सुदंर 44 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुये। 62वां ओवर कर रहे केशव महाराज की पहली गेंद पर छक्का लगाकर जडेजा ने अपना अर्धशतक पूरा किया। अगले ही ओवर में हार्मर, नीतीश कुमार रेड्डी शुन्य पर ही आउट हो गये। इसी के साथ छठी सफलता हार्मर के नाम रहीं। 64वें ओवर की पहली गेंद पर केशव महाराज ने रवींद्र जडेजा को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। जडेजा ने 87 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए 54 रनों की पारी खेली। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर महाराज ने को आउटकर 140 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर दिया। वहीं गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद से ही ये भारतीय टीम की दूसरी सीरीज हार है। इससे पहले 2024 नवंबर में न्यूजीलैंड ने 3-0 से भारतीय टीम को हराया था।

टीम अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रही है : सूर्यकुमार यादव

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बुधवार को कहा कि वह अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप खिताब का बचाव करने के लिए राष्ट्रीय टीम की अगुवाई को लेकर उत्साहित हैं। खास कार्यक्रम के दौरान सूर्यकुमार ने कहा, 'मेरा मतलब है, उस टी-20 विश्वकप में जाना एक बड़ी चुनौती है। मैं इस बार टीम का नेतृत्व करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह बहुत रोमांचक होने वाला है।'

उन्होंने वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी-20 विश्वकप 2024 में भारत की जीत को याद करते हुए कहा, 'मुझे उस ट्रॉफी को देखकर बहुत मोटिवेशन मिलता है। जब हम वेस्ट इंडीज (2024 इवेंट के को-होस्ट) पहुंचे और हर बार जब हमारा राष्ट्र गान बजाया जाता था तो हमारी नजर इस सिल्वरवेयर पर होती थी। हर बार।'

क्रिकेटर ने आगे कहा, 'हमने सोचा है कि जैसे ही हम फाइनल आये, हमें यह ट्रॉफी जीतनी है। और इसे फिर से करीब से देखने के बाद इससे मुझे बहुत मोटिवेशन मिलता है। वह भी भारत में खेलते हुए मुझे लगता है कि यह बहुत रोमांचक होने वाला है। उन्होंने कहा कि लड़के बहुत उत्साहित हैं। हर कोई टी-20 विश्व कप में जाने वाली इस टीम का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्सुक है। मैंने बहुत सारे अनुभव शेयर किए हैं। मैं 2023 में एक शानदार टीम का हिस्सा था, जब हमने भारत में एकदिवसीय विश्व कप खेला था। माहौल बिल्कुल अलग था।'

उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे कहा है कि यह बिल्कुल अलग गेम है। हां, फैंस वैसे ही होंगे (टर्नआउट में), जैसा आप फ्रेंचाइजी क्रिकेट में देखते हैं, लेकिन जब भारत आता है, जब आप देश के लिए खेलते हैं, तो इसका इमोशन बिल्कुल अलग होता है। इसलिए वे बहुत उत्साहित हैं। हम एक अलग तरह का क्रिकेट खेलने की कोशिश कर रहे हैं। उम्मीद है, हम वर्ल्ड कप में भी यही करते रहेंगे।' भारत अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी 2026 को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ करेगा।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे रोहित, मिचेल दूसरे नंबर पर खिसके

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में एक बार फिर शीर्ष पर पहुंच गये हैं। आईसीसी ने बुधवार को पुरुष खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है, जिसमें रोहित न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को पीछे छोड़कर नंबर-1 स्थान पर आ गये हैं। रोहित के अभी 781 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अंतिम एकदिवसीय मैच खेला था। वह अब इस माह के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय सीरीज में खेलेंगे। वहीं मिचेल 766 अंक के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं। मिचेल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 16 नवंबर को पहले एकदिवसीय में शतक लगाने के बाद नंबर एक स्थान हासिल किया था। वह चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए जिससे रैंकिंग में नीचे गिर हैं। वहीं न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र एक स्थान के लाभ के साथ ही 12वें पर आ गए हैं जबकि डेवोन कॉनवे 11 स्थान ऊपर 31वें पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई दूसरे एकदिवसीय में शतक से आठवें नंबर पर आ गए। । कीवी टीम ने वेस्टइंडीज को तीन मैच की सीरीज में हराया। न्यूजीलैंड के गेंदबाज मिचेल सेंटनर छठे और मैट हेनरी अपने शानदार प्रदर्शन के बाद गेंदबाजी रैंकिंग में संयुक्त 10वें नंबर पर आ गए। वहीं, जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा टी20 ऑलराउंडरों में नंबर-1बन गए हैं। उन्होंने अपने करियर में पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। उनके 289 रेटिंग अंक हैं। रजा ने पाकिस्तान में ट्राई सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था जिसका लाभ उन्हें मिला है। रजा के बाद पाकिस्तान के सईम अयूब (269 अंक) हैं। टेस्ट रैंकिंग में भी बदलाव हुए हैं। पर्थ में इंग्लैंड के खिलाफ पहले एशेज टेस्ट जीत के बाद ट्रैविस हेड चार स्थान की छलांग लगाकर छठे नंबर पर आ गए हैं। वहीं इंग्लैंड के ओली पोप चार पायदान के लाभ के साथ ही 24वें पर पहुंच गये हैं। बांग्लादेश के खिलाड़ियों को भी भी आयरलैंड पर जीत के बाद लाभ मिला है।

दक्षिण अफ्रीका से हार का भारी झटका: डब्ल्यूटीसी तालिका में भारत फिसला, पाकिस्तान से भी पिछड़ा

गुवाहाटी (एजेंसी)। बुधवार को घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका से शर्मनाक श्रृंखला हारने के बाद भारत आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गया है। 2000 के बाद यह दूसरी बार है जब उन्होंने देश में टेस्ट श्रृंखला जीती है। इस बीच, आईसीसी के अनुसार, 408 रनों से हार भारत की टेस्ट क्रिकेट में रनों के अंतर से सबसे बड़ी हार है। इस जीत ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंक तालिका में दक्षिण अफ्रीका की स्थिति को और मजबूत कर दिया है। गत चैंपियन अपने चार टेस्ट मैचों में 36 अंकों के साथ ऑस्ट्रेलिया के ठीक पीछे दूसरे स्थान पर है। उनका अंक प्रतिशत (पीसीटी) 66.67 से बढ़कर 75 हो गया है। उन्होंने तीन टेस्ट जीते हैं और सिर्फ एक हारा है।

दूसरी ओर, भारत अंक तालिका में चौथे स्थान पर काबिज पाकिस्तान से नीचे खिसक गया है, और अब वह पांचवें स्थान पर है, जिसका पीसीटी 48.15 पर आ गया है, जिसमें चार हारे, चार जीते और एक ड्रॉ रहा है। पहले दिन 247/6 के स्कोर के साथ धीमी शुरुआत के बाद, ऑलराउंडर सेनुरन मुथुसामी (109) के पहले टेस्ट शतक और मार्को जेनसन (91 गेंदों में 93 रन, छह चौकों और सात छक्कों की मदद से) की जोरदार पारी ने निचले क्रम में महत्वपूर्ण योगदान दिया और प्रोटियाज को पहली पारी में 489 तक पहुंचाया। कुलदीप यादव (4/115) भारत के शीर्ष गेंदबाज रहे।

जेनसन ने गेंद से अपना जादू जारी रखा और 6/48 के आंकड़े हासिल किए, जिससे मेजबान टीम केवल 201 रन पर ढेर हो गई। यशस्वी जायसवाल (97 गेंदों में 58 रन, छह चौकों और एक छक्के की मदद से) और वाशिंगटन सुंदर (92 गेंदों में 48 रन, दो चौकों और एक छक्के की मदद से) के अर्धशतकों ने उल्लेखनीय प्रतिरोध पेश किया। भारत ने 65 रनों की साझेदारी के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन सुंदर और कुलदीप (134 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 19 रन) के बीच 72 रनों की साझेदारी के साथ 122/7 पर फिसल गया, जिससे भारत 200 रनों के आंकड़े तक पहुंच गया।

दक्षिण अफ्रीका ने फॉलो-ऑन न देने का फैसला किया, बल्कि अपनी बढ़त को 500 के पार पहुँचाया। ट्रिस्टन स्टब्स (180 गेंदों में 94 रन, नौ चौकों और एक छक्के की मदद से) ने पारी घोषित होने से पहले अपनी तीसरी पारी में 260/5 का स्कोर बनाया। एक बार फिर स्पिनरों ने कमाल दिखाया, जिसमें जडेजा ने चौका लगाया। लेकिन भारत के सामने 549 रनों का विशाल लक्ष्य था। कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के प्लेयर ऑफ द मैच साइमन हार्मर दूसरी पारी में भी अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर थे। पहली पारी में 64 रन देकर 3 विकेट लेने के बाद, हार्मर (37 रन देकर 6 विकेट) ने आखिरी दिन की सुबह भारतीय बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया।

टी20 विश्वकप सात फरवरी से, पहले ही दिन होंगे तीन मुकाबले : आईसीसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार भारत और श्रीलंका की संुयक्त मेजबानी में होने जा रहे आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप 2026 क्रिकेट मुकाबले 7 फरवरी ये शुरु होंगे । इस टूर्नामेंट के पहले ही दिन तीन मैच खेले जाएंगे । इसमें भारत और पाकिस्तान सहित 6 टीमें उतरेंगी । ये टी20 विश्व कप इतिहास में पहली बार होगा, जब टूर्नामेंट के पहले दिन ही तीन सारे मैच होंगे । इसमें से दो मुकाबले भारत जबकि एक मैच श्रीलंका में खेला जाएगा । आईसीसी के अनुसार अभी तक ये फैसला नहीं हुआ है कि किस मैच से पहले उद्घाटन समारोह होगा। पहला मैच ग्रुप ए में कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच होगा । वहीं दूसरा मुकाबला ग्रुप सी की टीमों वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच दोपहर 3 बजे से कोलकाता के ईडन गार्डेस स्टेडियम में खेला जाएगा । वहीं दिन का अंतिम मुकाबला शाम को सात बजे से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और अमेरिका के बीच होगा । ये दोनों टीमें ग्रुप ए में शामिल हैं । इस प्रकार से एक ही दिन में तीन मुकाबलों में 6 टीमें होंगी । ग्रुप स्तर के मैचों के हर दिन का कार्यक्रम ऐसा ही है । 7 फरवरी से 19 फरवरी तक हर दिन 3-3 मैच खेले जाएंगे । इस प्रकार लीग स्तर के बाद सेमीफाइनल के लिए आठ टीमें ही बचेंगी ।

International Cricket Council

ब्रिसबेन में तीन विकेट लेते ही अकरम का रिकार्ड तोड़ देंगे स्टार्क

ब्रिसबेन । यहां ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चार दिसंबर से ब्रिसबेन में होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं । स्टार्क ब्रिसबेन टेस्ट की दोनों पारियों में अगर 3 विकेट ले लेते हैं, तो अकरम को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बन जाएंगे । स्टार्क ने साल 2011 से 2025 के बीच 101 टेस्ट की 194 पारियों में 412 विकेट लिए हैं । वहीं अकरम ने 1985 से 2002 के बीच 104 टेस्ट की 181 पारियों में 414 विकेट लिए थे । अकरम लंबे समय से टेस्ट प्रारुप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं पर ब्रिसबेन में 3 विकेट लेने ही स्टार्क उनसे आगे निकल जाएंगे । ऐस में स्टार्क के कुल विकेटों की संख्या 415 हो जाएगी और वे अकरम से आगे हो जाएंगे । स्टार्क इसके अलावा टेस्ट विकेटों के मामले में भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह को भी पीछे छोड़ सकते हैं । हरभजन ने 1998 से 2015 के बीच 103 टेस्ट की 190 पारियों में 417 विकेट लिए हैं । वहीं स्टार्क अगर 6 विकेट ले लेते हैं तो वह हरभजन को पीछे छोड़ सकते हैं । स्टार्क ने एशेज सीरीज के पर्थ मे खेले गए पहले टेस्ट में दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट लिए थे । स्टार्क ने पहली पारी में 58 रन देकर 7 और दूसरी पारी में 55 रन देकर 3 विकेट लिए थे ।

भारत को मिली कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी, अहमदाबाद को चुना गया होस्ट शहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 20 साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा और बुधवार को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में अहमदाबाद को मेजबान के तौर पर औपचारिक मंजूरी मिल गई। बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी टी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोगों ने किया । कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉ डोनाल्ड रुकारे ने कहा, 'यह राष्ट्रमंडल खेलों के लिए एक नए सुनहरे दौर की शुरुआत है। भारत व्यापकता, युवा शक्ति, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति, अपार खेल-जुनून और प्रासंगिकता लेकर आता है। हम राष्ट्रमंडल खेलों के अगले शतक की शुरुआत मजबूत स्थिति में कर रहे हैं।'

राष्ट्रमंडल खेल 2030 में अपने 100 साल भी पूरे कर रहे हैं लिहाजा यह संस्करण विशेष रहने वाला है। भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दौड़ में भी है और अहमदाबाद को ही मेजबान शहर के रूप में पेश किया गया है। भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जिसने पिछले एक दशक में अपने खेल ढांचे को नए स्तर तक पहुंचाया है।

राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड ने मूल्यांकन समिति की देखरेख में एक प्रक्रिया पूरी करने के बाद भारत को मेजबानी देने की की सिफारिश की थी। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का 'तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता' के आधार पर मूल्यांकन किया था। राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए अफ्रीका के इस शहर के नाम पर विचार करने का फैसला किया।

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने मंगलवार को एक बयान में कहा, 'यह राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन के भविष्य के लिए एक निर्णायक क्षण होगा तथा इसके 100 साल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ेगा।' भारत ने 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पर लगभग 70,000 करोड़ रुपए खर्च किए थे, जो शुरुआती अनुमान 1600 करोड़ रुपए से कहीं अधिक था। चार साल में एक बार होने वाले इन खेलों में 72 देश हिस्सा लेते हैं जिनमें से ज़्यादातर पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश हैं। राष्ट्रमंडल खेल के अंतरिम अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रुकारे ने कहा था कि कार्यकारी बोर्ड को भारत और नाइजीरिया दोनों के प्रस्ताव 'प्रेरक' लगे, लेकिन आखिर में 2030 में होने वाले खेलों की मेजबानी के लिए अहमदाबाद को चुना गया।

अहमदाबाद ने हाल के महीनों में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप, एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप और फुटबॉल के एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2026 क्वालीफायर की मेजबानी की। यह शहर अगले साल एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप और एशिया पैरा-तीरंदाजी कप की मेजबानी करेगा। इसके अलावा 2029 में विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में आयोजित किए जाएंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल खेल परिसर उन प्रमुख स्थलों में से एक है, जिसको इन खेलों के लिए तैयार किया जा रहा है। इनमें एक लाख से अधिक दर्शकों की क्षमता वाला नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम भी शामिल है। इसके अलावा इस परिसर में एक जलक्रीड़ा केंद्र और एक फुटबॉल स्टेडियम के साथ-साथ इनडोर खेलों के लिए दो मैदान भी होंगे। इस परिसर के अंदर 3,000 लोगों के रहने की क्षमता वाला खेल गांव भी बनाया जाएगा।

ग्लास्गो में 2026 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों का बजट बहुत कम कर दिया गया है। यह शहर पूरे आयोजन को आठ मील (लगभग 12 किमी) के दायरे में आयोजित करना चाहता है। उसने इन खेलों का बजट 114 मिलियन पाउंड (लगभग 1300 करोड़ रुपए) रखा है। इस कारण कुश्ती, निशानेबाजी, बैडमिंटन और हॉकी जैसे कुछ प्रमुख खेलों को बाहर कर दिया गया। भारत इसका कड़ा विरोध कर रहा था क्योंकि इससे उसकी पदक जीतने की क्षमता पर गहरा असर पड़ा। भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) ने हालांकि स्पष्ट कर दिया था कि 2030 के खेलों में उन सभी खेलों को शामिल किया जाएगा जिन्हें ग्लासगो खेलों से हटा दिया गया है। IOA के संयुक्त सचिव कल्याण चौबे ने कहा था, 'योजना यह है कि निशानेबाजी, तीरंदाजी, कुश्ती आदि जैसे सभी खेलों को इसमें शामिल किया जाए। हमारे पारंपरिक खेल जैसे कबड्डी और खो-खो को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए।'

जोकोविच ने हासिल किया बड़ा मुकाम, शीर्ष चार में एक साल पूरा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने

लंदन । सर्बिया के पेशेवर टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच एटीपी रैंकिंग के इतिहास में शीर्ष चार में एक साल पूरा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं । 38 साल और पांच महीने की उम्र में सर्बिया महान खिलाड़ी जोकोविच ने एटीपी रैंकिंग में शीर्ष चार में 2025 सीजन का समापन किया। इसी के साथ उन्होंने एटीपी रैंकिंग के इतिहास में सबसे अधिक टॉप चार फिनिश के लिए रोजर फेडरर और राफेल नडाल को पीछे छोड़ दिया । 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन और पूर्व नंबर वन जाकोविच ने वर्ष 2025 का समापन नंबर चार पर किया । जोकोविच ऐसा करने वाले 14 खिलाड़ियों में से एक हैं । उन्होंने अब यह दूसरी सबसे ज्यादा बार किया है, कॉनर्स और नडाल को पीछे छोड़ दिया है और केवल फेडरर से पीछे हैं । एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स (एटीपी) की 17 नवंबर को जारी रैंकिंग में जोकोविच चौथे स्थान पर थे ।

दूसरे टेस्ट में लियोन की जगह वेबस्टर को शामिल करें : मूडी

ब्रिस्बेन । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ यहां 4 दिसंबर से होने वाले यहां दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच में अनुभवी ऑफ-स्पिनर नाथन लियोन को अंतिम ग्यारह में नहीं रखा जाना चाहिये । मूडी के अनुसार गाबा की तेज और उछाल भरी पिच पर तेज गेंदबाज अधिक प्रभावी होंगे । साथ ही कहा कि इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाजी क्रम को देखते हुए दिन-रात के इस मैच में टीम संयोजन बदला जाना जरुरी है । इसलिए लियोन की जगह ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को मौका मिलना चाहिए । वेबस्टर बल्लेबाजी गहराई बढ़ा सकते हैं और मध्यम गति के तेज गेंदबाजी विकल्प भी टीम को दे सकते हैं । मूडी ने कहा कि ब्रिस्बेन की पिच स्वभाविक रूप से तेज गेंदबाजों का साथ देती है । दिन-रात टेस्ट में गुलाबी गेंद से स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिलती है । पर्थ में पहले टेस्ट के दौरान लियोन प्रभावी नहीं रहे थे । वहीं तेज गेंदबाजों ने मैच पलट दिया था । मूडी ने कहा, 卐मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऑस्ट्रेलिया में किसी टेस्ट में विशेषज्ञ स्पिनर को बाहर रखने की जरूरत पड़ेगी, पर दिन-रात के क्रिकेट में स्पिनर को खेल में शामिल करना ठीक नहीं रहता है ।卐 उन्होंने यह भी कहा कि इंग्लैंड की तेज बल्लेबाजी रणनीति स्पिनर को लंबे स्पेल करने का अवसर नहीं देती है । ऐसे में तेज गेंदाबाज ऑलराउंडर ही बेहतर संतुलन दे पाते हैं ।

0-2 से हार के बाद गंभीर का बड़ा बयान: मेरा फ्यूचर बीसीसीआई के हवाले, पर प्राथमिकता सिर्फ भारतीय क्रिकेट

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की 2-0 की हार के बाद, भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि उनकी प्राथमिकता भारतीय क्रिकेट है, न कि व्यक्तिगत पहचान। उन्होंने मुख्य कोच के रूप में टीम के साथ अपनी पिछली सफलताओं पर प्रकाश डाला, जिसमें इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज़ ड्रॉ, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका ने गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में दूसरे और अंतिम टेस्ट में भारत पर 408 रनों की शानदार जीत हासिल की। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में यह भारत का घरेलू मैदान पर दूसरा वाइटवॉश है। पिछले साल न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 0-3 और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 0-2 से हार गंभीर के नेतृत्व में दो साल में भारत की घरेलू टेस्ट सीरीज़ में दो हार है।

गौतम गंभीर ने पत्रकारों से कहा कि ईमानदारी से कहूँ तो खेल में कोई कमी नहीं होती। हमने जो भी फ़ैसला लिया है, टीम के सर्वोत्तम हित में लिया है और हमें पूरा विश्वास है कि ये सही फ़ैसले थे जो देश और टीम के लिए काम कर सकते थे। और दूसरा सवाल, इसका फ़ैसला बीसीसीआई को करना है। मैंने मुख्य कोच का पदभार संभालने के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि भारतीय क्रिकेट महत्वपूर्ण है, मैं महत्वपूर्ण नहीं हूँ। और मैं यहाँ बैठकर बिल्कुल यही बात कह रहा हूँ। और हाँ, लोग इसे भूल सकते हैं। मैं वही व्यक्ति हूँ जिसने इंग्लैंड में भी एक युवा टीम के साथ अच्छे नतीजे हासिल किए थे और मुझे यकीन है कि आप लोग बहुत जल्द भूल जाएँगे क्योंकि बहुत से लोग न्यूज़ीलैंड के बारे में बात करते रहते हैं। और मैं वही व्यक्ति हूँ जिसकी कप्तानी में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप भी जीता था।

दक्षिण अफ्रीका सीरीज़ में भारतीय कप्तान ऋषभ पंत के प्रदर्शन पर बात करते हुए, गंभीर ने कहा कि उन्हें टीम के सभी खिलाड़ियों से, यहाँ तक कि खुद से भी, उच्च मानकों की उम्मीद है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि टेस्ट मैच जीतने के लिए सिर्फ़ व्यक्तिगत प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि सामूहिक सुधार भी ज़रूरी है। शुभमन गिल की अनुपस्थिति में, जो गर्दन की चोट के कारण आराम कर रहे हैं, पंत ने दूसरे टेस्ट में टीम की कमान संभाली। पंत के लिए यह सीरीज़ निराशाजनक रही, उन्होंने दो मैचों में 12.25 की औसत और 80.32 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ़ 49 रन बनाए।

गंभीर ने आगे कहा कि देखिए, मैं हर किसी से बेहतर की उम्मीद करता हूं। मैं खुद से और उस कमरे में मौजूद हर किसी से बेहतर की उम्मीद करता हूं। मैं यहां बैठकर यह नहीं कहूंगा कि मैं किसी एक व्यक्ति से बेहतर की उम्मीद करता हूं। मुद्दा यह है कि अगर आपको अच्छी टीमों के खिलाफ टेस्ट मैच जीतना है, तो आपको हर किसी से बेहतर की उम्मीद करनी होगी। और इसी तरह आप टेस्ट मैच जीतते हैं। आप किसी एक व्यक्ति के शॉट को दोष नहीं देते। आप किसी एक व्यक्ति को एक खास तरीके से खेलने के लिए दोष नहीं देते। आप सभी को दोष देते हैं। इसलिए, मैंने ऐसा कभी नहीं किया। मैं ऐसा नहीं करने वाला।

सड़क दुर्घटना में मृतक व्यापारी के परिवार को मिलेगा 18 करोड़ का मुआवजा

-मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने 13 साल चली लड़ाई के बाद दिया आदेश

पुणे (एजेंसी)। पुणे-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर एक सड़क दुर्घटना में एक व्यापारी की साल 2012 में मौत हो गई थी। उनके परिजनों को करीब 13 साल की लंबी लड़ाई के बाद 18 करोड़ का मुआवजा दिया गया है। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने यह आदेश जारी किया है। यह मुआवजा एक बीमा कंपनी और ट्रक मालिक को संयुक्त रूप से देना होगा। मुआवजे की मूल राशि 10.9 करोड़ है। यह राशि याचिका दाखिल करने की तारीख 1 मार्च, 2016 से 7.5फीसदी प्रति वर्ष की दर से ब्याज समेत दी जाएगी। ब्याज को मिलाकर कुल मुआवजा 18 करोड़ से ज्यादा का हो गया है। बता दें दुर्घटना में मुंबई के व्यवसायी राजीव विनोद शाह की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई थी। राजीव शाह अपनी होंडा सिटी कार से मुंबई से पुणे जा रहे थे। तभी ट्रक ने एक अन्य कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वह कार सड़क के डिवाइडर को तोड़ती हुई विपरीत दिशा में राजीव शाह की होंडा सिटी कार से टकरा गई। मृतक की कार का पीछे चल रही राज्य परिवहन निगम की एक बस ने भी शाह की कार को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। राजीव शाह के परिवार के छह सदस्यों ने न्यायाधिकरण के समक्ष दुर्घटना दावा याचिका दायर कर ब्याज समेत 17.4 करोड़ के मुआवजे की मांग की थी। न्यायाधिकरण ने ट्रक मालिक के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की क्योंकि वह सुनवाई के दौरान कभी पेश नहीं हुआ। बीमा कंपनी ने इस दावे का यह कहते हुए विरोध किया कि यह दुर्घटना तीनों वाहनों की संयुक्त लापरवाही के कारण हुई थी।

लॉरेंस गैंग के 4 शूटरों का एनकाउंटर, दो घायल

मोहाली (एजेंसी)। मोहाली के डेराबस्सी में चंडीगढ़-अंबाला राजमार्ग पर बुधवार दोपहर बड़ा पुलिस अभियान चलाया गया। स्टील स्ट्रिप्स टावर्स के पास एक घर में छिपे लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के चार गुर्गों को पकडने पहुंची पुलिस टीम पर आरोपियों ने अचानक फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और कुछ देर तक दोनों तरफ से गोलियां चलती रहीं। मुठभेड़ में गिरोह के दो शूटरों को गोली लगी और वे घायल हो गए। मौके पर मौजूद एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और एसएएस नगर पुलिस ने घेराबंदी कर सभी चार आरोपियों को काबू में कर लिया। घायल आरोपियों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह गिरोह विदेशी ठिकानों से अपने हैंडलर के निर्देश पर काम कर रहा था। यह समूह ट्राइसिटी और पटियाला क्षेत्र में टारगेटेड हमलों की योजना बनाने में लगा हुआ था। पुलिस को जानकारी मिली थी कि गिरोह इस क्षेत्र में किसी बड़े हमले की तैयारी कर रहा है।

पाकिस्तान बॉर्डर से पकड़े गए 2 आतंकी

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर देहात पुलिस ने भारत-पाक बॉर्डर पर दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से करीब ढाई किलो का आईईडी और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। यह कार्रवाई खुफिया अलर्ट के बाद हुई है। जिसमें आईएसआई द्वारा हाल ही में दिल्ली धमाके के बाद दोबारा भारतीय क्षेत्र में विस्फोटक भेजने की कोशिश तेज होने की जानकारी मिली थी। अमृतसर के रमदास, अजनाला और घरिंडा में बढ़ाई गई नाकाबंदी के दौरान दोनों आरोपी भाई युवराज और आकाशदीप बाइक पर आईईडी लेने निकले थे, लेकिन कोहरे के बीच पकड़े गए। पुलिस उनसे पूछताछ कर मॉड्यूल के बाकी सदस्यों की तलाश कर रही है।

संविधान का अक्षरश : पालन हुआ तो 2047 तक भारत बनेगा विकसित राष्ट्र : ओम बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कहा कि यदि देश संविधान में निहित सिद्धांतों का पूरी निष्ठा से पालन करे, तो वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य साकार किया जा सकता है। संविधान सदन (पुराना संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में आयोजित संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने लंबे विचार-विमर्श और व्यापक बहस के बाद 26 नवंबर 1949 को संविधान को अंगीकार किया, जिसने भारत को एक जीवंत लोकतंत्र के रूप में स्थापित करने की मजबूत नींव रखी। बिरला ने कहा कि भारतीय संविधान एक जीवंत और गतिशील दस्तावेज है, जो नागरिकों की आवश्यकताओं और उनके अधिकारों का ध्यान रखता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संविधान का पालन करना हर नागरिक और संस्था का कर्तव्य है, क्योंकि यही देश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संविधान सभा द्वारा संविधान अंगीकार किए जाने की स्मृति में 2015 से हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है।

मुंबई एयरपोर्ट पर फर्जी भारतीय पासपोर्ट के साथ नेपाली महिला गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ओमान जाने की कोशिश कर रही एक नेपाली महिला को फर्जी भारतीय पासपोर्ट का इस्तेमाल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई आव्रजन अधिकारियों की सतर्कता के चलते संभव हो सकी। सहार पुलिस थाना क्षेत्र के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि पिछले सप्ताह यह महिला मस्कट जाने वाली उड़ान में सवार होने के लिए आव्रजन काउंटर पर पहुंची थी। उसने अपना नाम काजल बताया और भारतीय पासपोर्ट प्रस्तुत किया, जिसमें उसका जन्म स्थान नोहरा, हिमाचल प्रदेश अंकित था। अधिकारी के अनुसार, महिला की शारीरिक बनावट और बोली से शक पैदा हुआ कि वह भारतीय नहीं है। संदेह होने पर उसे विस्तृत पूछताछ के लिए संबंधित अधिकारियों के पास भेजा गया। पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि वह भारतीय नहीं बल्कि नेपाल की नागरिक है।

बिहार जीत के बाद भाजपा में मंथन: जनवरी 2026 तक मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष!

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में भाजपा की प्रचंड जीत और सबसे बड़ी पार्टी बनने के बाद, सभी राज्यों में पार्टी के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करने वाले निर्वाचक मंडल के गठन की तैयारी शुरू हो गई है। 29 राज्यों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो चुके हैं और केवल उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख राज्यों में ही चुनाव प्रक्रिया जारी है, ऐसे में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया निर्णायक चरण में प्रवेश कर गई है। जनवरी 2026 तक नए पार्टी प्रमुख का चयन होने की उम्मीद है।

पार्टी के एक वरिष्ठ सूत्र ने संकेत दिया कि 14 जनवरी के बाद, जब हिंदू पंचांग में अशुभ माने जाने वाले खरमास का समापन होगा और शुभ चरण शुरू होगा, प्रक्रिया में तेज़ी आएगी। भाजपा के एक शीर्ष पदाधिकारी ने कहा कि सभी तैयारियाँ और प्रक्रियाएँ राज्यों में संगठनात्मक चुनावों के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में समान रूप से आगे बढ़ रही हैं, और नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव जनवरी 2026 तक होने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि चुनावों के लिए निर्वाचक मंडलों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 29 राज्य इकाइयों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो चुके हैं, जबकि उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में औपचारिकताएँ अभी भी जारी हैं। इस बीच, भगवा हलकों में मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, जो वर्तमान में सेवा विस्तार पर हैं, के उत्तराधिकारी के रूप में तीन नाम चर्चा में हैं। एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव और शिवराज सिंह चौहान उन प्रमुख नामों में शामिल हैं जिन पर चर्चा हो रही है। इनमें से, आरएसएस और अमित शाह, दोनों के करीबी माने जाने वाले मौर्य और बिहार चुनाव अभियान के दौरान चुनाव प्रभारी रहे प्रधान, सबसे प्रमुख दावेदारों में उभरे हैं। इसी तरह, मौजूदा मोदी कैबिनेट में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने खुद को एक बेहद प्रभावी भाजपा नेता के रूप में स्थापित किया है, और हाल के वर्षों में बिहार सहित पार्टी की कई चुनावी जीत में अहम योगदान दिया है। एक वरिष्ठ सूत्र ने कहा कि अगर शाह ने रणनीति बनाई, तो प्रधान ने ज़मीनी स्तर पर उसका सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। प्रधान और शिवराज सिंह चौहान, दोनों ही इस पद के प्रबल दावेदार बन सकते हैं।

कंगना का आरोप, विपक्ष घुसपैठियों पर मेहरबान और देश 'कैंसर' से मुक्त होना चाहता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत ने बुधवार को विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर दी जा रही धमकियाँ बेअसर साबित होंगी। मंडी से सांसद कंगना ने कहा कि देश ने घुसपैठियों को बाहर निकालने का मन बना लिया है और पूरा राष्ट्र इस कैंसर से मुक्ति चाहता है। सांसद कंगना की यह प्रतिक्रिया पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उस टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को लेकर कहा था, कि मेरे साथ खेलने की कोशिश मत करो। ममता बनर्जी लगातार एसआईआर अभियान को लेकर भाजपा नीत केंद्र पर हमला बोलती रही हैं। एक बातचीत में कंगना रनौत ने कहा, देश ऐसी धमकियों से नहीं डरने वाला। जैसे शरीर में कैंसर होता है, उसी तरह देश घुसपैठियों से मुक्त होना चाहता है। लोग पूरे देश से इन घुसपैठियों को निकालना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष घुसपैठियों पर नरम है और इसीलिए एसआईआर अभियान का विरोध कर रहा है।

वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज प्रवेश मामला: सीएम उमर बोले- ऐसे में छात्र तुर्की-बांग्लादेश पढ़ने जाएंगे

जम्मू (एजेंसी)। वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज में मुस्लिम छात्रों के प्रवेश को लेकर उत्पन्न विवाद ने प्रदेश की राजनीति को गर्मा दिया है। भाजपा और कुछ दक्षिणपंथी संगठनों के विरोध के बाद राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि विरोधी पक्ष वास्तव में गैर-हिंदू छात्रों को संस्थान से बाहर रखना चाहता है, तो सरकार को इस कॉलेज को अल्पसंख्यक संस्थान घोषित कर देना चाहिए।

मुख्यमंत्री उमर ने चेतावनी देते हुए कहा, कि यदि ऐसी राजनीति जारी रही तो कश्मीरी छात्र बांग्लादेश या तुर्की जैसे देशों में पढ़ने को मजबूर हो जाएंगे। सीएम उमर का यह बयान ऐसे समय आया है, जबकि शिक्षण संस्थान में ज्यादा मुस्लिम छात्रों के प्रवेश को लेकर कुछ धामिर्क संगठनों ने विरोध दर्ज कराया था। इसके बाद दाखिले को लेकर धार्मिक पहचान को आधार बनाने वाली बात देशभर में बहस का विषय बन गई। वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अंतर्गत आता है, और विरोध करने वाले संगठनों का कहना है कि हिंदू-बहुल संस्थान में हिंदू छात्रों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

बदलाव के संकेत: सीक्रेट डील के बाद माने सिध्दारमैया, अब कर्नाटक के मुख्यमंत्री बनेंगे डीके?

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में बीते कई दिनों से चल रही सियासी उथल-पुथल के बीच अब संकेत मिल रहे हैं कि एक सीक्रेट डील के बाद मुख्यमंत्री सिध्दारमैया मान गए हैं और राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार जल्द ही नए मुख्यमंत्री बन सकते हैं। हालांकि ऐसी सियासी अटकलों के बीच एक विधायक ने दावा कर दिया, कि शिवकुमार जल्द मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। हालांकि, मंगलवार को विधायकों ने यह भी कहा कि पार्टी नेतृत्व अंतिम फैसला लेगा। साल 2023 में शिवकुमार और मौजूदा सीएम सिद्धारमैया के बीच हुए कथित समझौते के चलते राज्य में शीर्ष पद को लेकर रस्साकशी जारी है।

शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि वह मुख्यमंत्री बदलने के मुद्दे पर सार्वजनिक तौर पर बात नहीं करना चाहते, क्योंकि यह पार्टी में चार-पांच लोगों के बीच एक गुप्त समझौता है, और उन्हें अपनी अंतरात्मा पर भरोसा है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि शिवकुमार समर्थक छह विधायकों का एक समूह रविवार रात आलाकमान से मिलने दिल्ली पहुंचा था और कुछ और विधायकों के जाने की उम्मीद है। 20 नवंबर को कांग्रेस सरकार के अपने पांच वर्षीय कार्यकाल के ढाई साल पूरा होने के बाद यह चर्चा और तेज हो गई है, क्योंकि 2023 में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच कथित सत्ता साझेदारी समझौते का दावा किया जा रहा है। सिद्धरमैया ने हाल ही में कहा था कि वह पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बने रहेंगे और भविष्य में राज्य का बजट पेश करना जारी रखेंगे। रामनगर विधायक इकबाल हुसैन ने कहा कि सभी लोग आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे, साथ ही उन्होंने शिवकुमार के प्रमोशन पर भरोसा जताया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कहा, मैं हमेशा उस बयान के साथ हूं...। 200 फीसदी वह जल्द ही सीएम बनेंगे। हाईकमान फैसला लेगा। जैसा कि हमारे नेता (शिवकुमार) ने कहा है कि सत्ता हस्तांतरण की सीक्रेट डील 5-6 पार्टी नेताओं के बीच हुई थी और वही 5-6 लोग फैसला लेंगे। मद्दुर से विधायक केएम उदय ने कहा कि विधायकों ने आलाकमान से मंत्रिमंडल फेरबदल के दौरान नए चेहरों और युवाओं को मौका देने का अनुरोध किया है और उन्हें संकेत मिले हैं कि इस पर विचार किया जाएगा। शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग पर उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व फैसला करेगा और सभी उसका पालन करेंगे।

मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मुद्दा फिर गरमाने की तैयारी, संतों के जरिए चलेगा अभियान

मथुरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद को एक बार फिर जनता के बीच लाने की रणनीति तैयार हो रही है। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस मुद्दे से सीधे तौर पर नहीं जुड़ेंगे, लेकिन संत समाज के माध्यम से इसे धार्मिक-सामाजिक आंदोलन का रूप देने की योजना है। हाल ही में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की दिल्ली से वृंदावन तक की विशाल पदयात्रा को इसी कड़ी का पहला कदम माना जा रहा है।

भाजपा और संघ ने वैचारिक स्तर पर अयोध्या के साथ-साथ काशी विश्वनाथ और मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि मुद्दे का हमेशा समर्थन किया है, लेकिन अयोध्या की तरह काशी-मथुरा को कभी पार्टी या संघ का आधिकारिक राजनीतिक-संगठनात्मक एजेंडा नहीं बनाया। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले दिनों स्पष्ट किया था कि संघ के एजेंडे में सिर्फ अयोध्या था, मथुरा नहीं। फिर भी उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि कोई स्वयंसेवक व्यक्तिगत रूप से ऐसे किसी आंदोलन से जुड़ता है तो वह स्वतंत्र है। सूत्रों का कहना है कि अब मथुरा के मुद्दे को अदालती प्रक्रिया के साथ-साथ संतों के जरिए जनजागरण के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। बागेश्वर बाबा की पदयात्रा से यह संकेत मिल गया है कि भगवान कृष्ण के नाम पर ब्रज क्षेत्र में लोगों की भावनाएं कितनी तीव्र हैं। यात्रा में बड़ी संख्या में संतों के साथ-साथ कई राजनेता भी शामिल हुए थे। अब इस भावना को व्यवस्थित रूप से कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के पक्ष में मोड़ा जा सकता है।

इस रणनीति का एक बड़ा लाभ यह भी है कि कृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा यादव समाज को भी जोड़ सकता है, जो खुद को श्रीकृष्ण का वंशज मानता है। इससे समाजवादी पार्टी की राजनीतिक मुश्किलें बढ़ सकती हैं, क्योंकि उसका सबसे मजबूत आधार यादव वोट बैंक ही है। इसी क्रम में मंगलवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ब्रज क्षेत्र में अपनी सक्रियता दिखाई। वे हेलीकॉप्टर से बरसाना पहुंचे और सबसे पहले माताजी गौशाला में गौसेवा की। इसके बाद रोप-वे से राधारानी मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और माथा टेका। वहां मौजूद संतों, भाजपा कार्यकर्ताओं और भक्तों ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया। गडकरी इसके बाद गुजरात के प्रसिद्ध कथावाचक पद्मश्री रमेश बाबा की चल रही भागवत कथा में शामिल हुए और उनसे आध्यात्मिक संवाद किया। उन्होंने कहा, ÷बरसाना केवल भक्ति का केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा का स्रोत भी है। यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा पूरे देश को दिशा दे सकती है। ब्रज क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री की यह यात्रा और संतों से मुलाकातें भी आगामी दिनों में बन रही नई धार्मिक-सामाजिक समीकरण की ओर इशारा कर रही हैं।

बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर पीएमओ ने इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाने के दिए निर्देश

-मानदंडों का उल्लंघन करने वाले सभी वाहनों की जांच और उन पर कार्रवाई की जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लगातार बढ़ते प्रदूषण के बीच सरकार कई कदम उठा रही है। कुछ दिन पहले ही राजधानी में ग्रैप-3 लागू किया है। अब पीएमओ ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए अधिकारियों को दोहरी रणनीति पर काम करने का निर्देश दिया है। पीएमओ ने एक उच्च-स्तरीय बैठक की, जिसकी अध्यक्षता पीएम के प्रधान सचिव ने की और प्रदूषण से निपटने के लिए कई सख्त निर्देश दिए। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब राजधानी की हवा की गुणवत्ता चिंता का विषय बनी हुई है। पीएमओ ने अधिकारियों को दो मुख्य मोर्चों पर तेजी से काम करने का निर्देश दिया। अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि प्रदूषण फैलाने वाले और उत्सर्जन मानदंडों का उल्लंघन करने

वाले सभी वाहनों की जांच और उन पर कार्रवाई की जाए। केंद्र सरकार दिल्ली की सड़कों पर इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाना चाहती है, इसलिए चर्चा का एक अहम हिस्सा ईवी पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार पर केंद्रित था। पीएमओ ने अधिकारियों को चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, चार्जिंग स्टेशन और सब्सिडी पर तेजी से प्रगति करने का निर्देश दिया। पीएमओ ने यह भी निर्देश दिया कि पारंपरिक पेट्रोल और डीज़ल वाहनों पर निर्भरता कम की जाए। यह कदम दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत दिल्ली के परिवहन को स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जाएगा।

पुलिस हिरासत में मौतें व्यवस्था पर कलंक, अब बर्दाश्त नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पुलिस हिरासत में बढ़ती मौतों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी की है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने मंगलवार को कहा कि पुलिस कस्टडी में हिंसा और मौतें भारतीय न्याय प्रणाली पर एक कलंक है और अब देश इसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगा। अदालत पुलिस थानों में कार्यशील सीसीटीवी कैमरों की कमी से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसे सर्वोच्च अदालत ने सितंबर में मीडिया रिपोर्ट के आधार पर स्वत-संज्ञान में लिया था।

सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, कि रिपोर्टों के अनुसार 2025 के पहले आठ महीनों में राजस्थान में पुलिस हिरासत के दौरान 11 लोगों की मौत हुई, जिसमें से 7 मामले केवल उदयपुर जिले से जुड़े थे। कोर्ट ने याद दिलाया कि 2018 में उसने स्पष्ट आदेश दिया था कि हिरासत के दौरान मानवाधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। इसी के साथ ही

अदालत ने कहा, अगर पुलिस थानों में कैमरे ही नहीं चल रहे, या लगे ही नहीं हैं, तो यह आदेश की सीधी अवहेलना है। हिरासत में मौतें किसी भी सभ्य समाज में अस्वीकार्य हैं।

केंद्र से पूछा—अनुपालन हलफनामा कहाँ है?

सुनवाई के दौरान बेंच ने केंद्र सरकार से यह भी पूछा कि आज तक अनुपालन हलफनामा क्यों दाखिल नहीं किया गया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र तीन सप्ताह के भीतर रिपोर्ट जमा करेगा। वहीं सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ दवे, जो 2020 के एक अन्य मामले में अमिकस क्यूरी के रूप में सहायता कर रहे हैं, ने बताया कि केवल 11 राज्यों ने ही अब तक सीसीटीवी लगाने के संबंध में अनुपालन हलफनामा दिया है। न तो सभी राज्यों ने और न ही कई केंद्रीय एजेंसियों ने कोर्ट के आदेशों का पूर्ण पालन किया है।

सीबीआई, ईडी, एनआईए दफ्तरों में भी कैमरे अनिवार्य

कोर्ट ने याद दिलाया कि उसके 2020 के आदेश में सीबीआई, ईडी और एनआईए जैसी जांच एजेंसियों के दफ्तरों में भी सीसीटीवी लगाने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने कहा कि जांच एजेंसियों को भी मानवाधिकार मानकों का पालन करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने सभी शेष राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन सप्ताह का समय दिया है। मामला अब 16 दिसंबर को फिर से सुना जाएगा। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि तब तक हलफनामा नहीं दिया गया, तो संबंधित राज्य/यूटी के गृह विभाग के प्रमुख सचिव को कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा।

मां काली की मूर्ति को मदर मैरी की तरह सजाया, लोगों ने किया बवाल

-धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप, मंदिर का पुजारी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के चेंबूर में काली मंदिर में पूजा करने वाले लोगों ने देवी की मूर्ति को मदरमैरी जैसा दिखाने पर तोड़-फोड़ कर दी थी। पुलिस ने मंदिर के पुजारी को गिरफ्तार कर लिया और जांच शुरू कर दी है। यह घटना शनिवार को अनिक गांव में हिंदू श्मशान घाट के अंदर बने कालीमंदिर में हुई। एक फोटो में देवी की मूर्ति को सुनहरे कपड़े पहने और सफेद सजावट वाला एक बड़ा मुकुट पहने और ऊपर एक खास सुनहरा क्रॉस लगा दिया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक काली माता के विग्रह को मदर मरियम के रूप में श्रृंगार करने का वीडियो प्रसारित होने के बाद पुजारी को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उपनगरीय चेंबूर के मंदिर में काली माता की मूर्ति को मदर मैरी के रूप में दिखाया गया। उन्होंने बताया कि रविवार को मंदिर दर्शन करने गए श्रद्धालु यह देखकर दंग रह गए कि मां काली के विग्रह को ईसाई धर्म के संस्थापक ईसा मसीह की माता जैसी पोशाक पहनाई गई है।

उन्होंने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया और देवी की पोशाक में हुए बदलाव के बारे में बताया। अधिकारी के मुताबिक श्रद्धालुओं ने जब मंदिर के पुजारी रमेश से इस बारे में पूछताछ की तो उसने दावा किया कि मां काली उसके सपने में आई थीं और उन्होंने ही उसे ''मां मैरी के रूप में उनका श्रृंगार करने'' का निर्देश दिया था। पुलिस ने बताया कि एक समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में पुजारी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसने बताया कि इसके बाद पुजारी को गिरफ्तार कर स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस अब यह पता लगा रही है कि क्या घटना के पीछे कोई संगठित मकसद था या इसमें और लोग भी संलिप्त थे।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902